नई दिल्ली । सोमवार, 01 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष प्रतिपदा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :146/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
नई दिल्ली संस्करण
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल अंडर-18 विमेंस एशिया कप: भारत ने कोरिया को 3-1 ...
@ विचार होर्मुज़ से व्हाइट हाउस तक : टकराव की राजनीति और शांति...
@ व्यापार मुंबई में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन मई में 12 हजार के पार...

आईपीएल 2026
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू चैंपियन

फाइनल में चला कोहली का बल्ला लगाया अर्धशतक

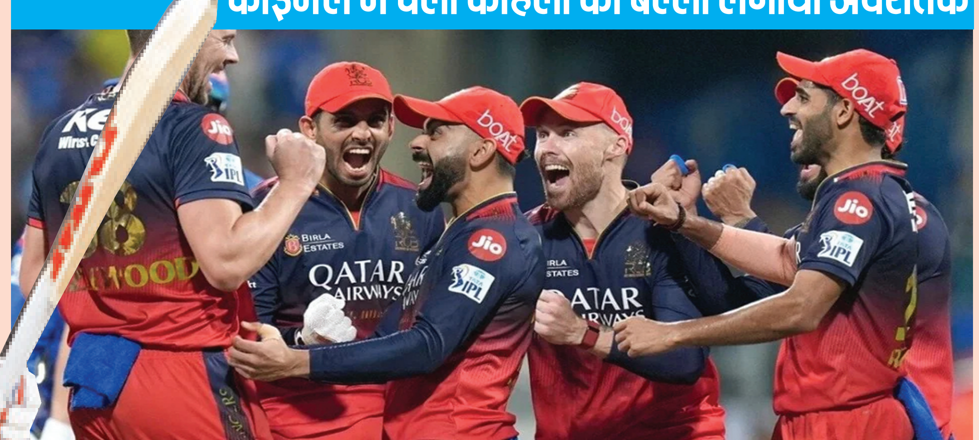

एजेंसी ■ अहमदाबाद

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 का खिताब जीत लिया है। आरसीबी ने फाइनल में गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराकर खिताब जीता। विराट कोहली ने नाबाद 75 रन की पारी खेलकर आरसीबी को चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। विराट ने छक्का लगाकर टीम को चैंपियन बनाया। 17 साल तक आईपीएल खिताब का इंतजार करने वाली आरसीबी का यह लगातार दूसरा खिताब है। आरसीबी ने पंजाब किंग्स को हराकर आईपीएल 2025 का खिताब जीता था। दोनों मौकों पर रजत पाटीदार ही टीम के कप्तान रहे।

आरसीबी को आईपीएल 2026 का चैंपियन बनने के लिए जीटी ने 156 रन का लक्ष्य दिया था।

वेंकटेश अय्यर और विराट कोहली ने आरसीबी को तेज शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 4.3 ओवर में 62 रन की साझेदारी की। अय्यर 16 गेंदों पर 2 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 32 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद देवदत्त पड्डिकल (1), कप्तान रजत पाटीदार (15) और क्रुणाल पांड्या (1) का विकेट जल्दी-जल्दी गिरा। 62 पर 1 विकेट वाली आरसीबी ने 89 पर 3 विकेट गंवा दिए थे।

विराट कोहली एक छोर पर डटे रहे। चौथे विकेट के लिए कोहली ने टिम डेविड के साथ 41 रन की अहम साझेदारी की। डेविड 17 गेंदों पर 24 रन की अहम पारी खेलकर आउट हुए। विराट कोहली अब भी क्रीज पर मौजूद रहे। 25 गेंदों पर विराट ने अपना अर्धशतक पूरा किया। यह विराट का आईपीएल में सबसे तेज अर्धशतक था। विराट ने 42 गेंदों पर 3 छक्कों और 9 चौकों की मदद से नाबाद 75 रन की पारी खेलकर आरसीबी को 5 विकेट से जीत दिलाने और लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई। कोहली ने 18वें वें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर आरसीबी को चैंपियन बनाया।

दिल्ली-यूपी समेत 19 राज्यों में आंधी और भारी बारिश की चेतावनी

आम लोगों को सावधान रहने की अपील

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मई के आखिरी हफ्ते में मौसम का जो बदला हुआ मिजाज देखने को मिला है, वह जून की शुरुआत में भी जारी रहेगा। मौसम विभाग ने 1 जून को दिल्ली, यूपी और बिहार समेत देश के 19 राज्यों में आंधी और भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इस दौरान लोगों से बेहद सावधान रहने की अपील की गई है।

90 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं, ओले गिरने की आशंका

आईएमडी के मुताबिक, बारिश के साथ-साथ 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भीषण आंधी चलने की आशंका है। मौसम विभाग ने किसानों और मछुआरों को बेवजह नदी किनारे न जाने की सलाह दी है, क्योंकि तेज आंधी की वजह से उत्तर भारत के कई जिलों में पेड़-पौधे उखड़ सकते हैं। इसके साथ ही कई राज्यों में ओले गिरने की भी चेतावनी दी गई है। पहाड़ी इलाकों की यात्रा करने वाले लोगों से भी मौसम का अपडेट देखकर ही निकलने को कहा गया है।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में एक चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) बनता नजर आ रहा है। इसके साथ ही पूर्वी मध्य और दक्षिणपूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर भी एक चक्रवाती सिस्टम बना हुआ है। इन्हीं मौसमी बदलावों के कारण देश के एक बड़े हिस्से में आंधी-पानी का यह प्रहार देखने को मिलेगा।

मौसम विभाग ने जिन 19 राज्यों के लिए मूसलाधार बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है, उनमें उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, तमिलनाडु, केरल, असम, त्रिपुरा और नागालैंड शामिल हैं। इस दौरान पूर्वी राज्यों में बिजली और वज्रपात (आकाशीय बिजली) का भी कहर देखने को मिल सकता है।

राजधानी दिल्ली के लिए जारी पूर्वानुमान के मुताबिक, 1 जून को यहां भारी बारिश और आंधी की चेतावनी है। इस दौरान दिल्ली में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। वहीं, तापमान की बात करें तो कल दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना जताई गई है।

बंगाल में मंत्रिमंडल का विस्तार आज, 35 मंत्री लेंगे शपथ

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के गठन का दूसरा चरण सोमवार को पूरा होने जा रहा है। सोमवार को मंत्रिमंडल का विस्तार होगा और 35 नए मंत्रियों को पद की शपथ दिलाई जाएगी।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि राज्य मंत्रिपरिषद का विस्तार किया जाएगा और 35 नए मंत्री शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह सोमवार सुबह 11 बजे नबन्ना (राज्य सचिवालय) में आयोजित होगा, जहां राज्यपाल आरएन रवि मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे।

बता दें कि सुवेंदु अधिकारी ने 9 मई को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके साथ ही राज्य की राजनीति में एक ऐतिहासिक बदलाव दर्ज हुआ, क्योंकि पहली बार भाजपा ने पश्चिम बंगाल में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाई। भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत हासिल कर तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन का अंत किया।

कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल आर. एन. रवि ने सुवेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई थी। उनके साथ पांच अन्य नेताओं ने भी मंत्री पद की शपथ ली थी। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, खुदीराम टुडू और निसिथ प्रमाणिक शामिल थे। अब मंत्रिमंडल विस्तार के साथ भाजपा सरकार प्रशासनिक स्तर पर अपनी टीम को और मजबूत करने जा रही है।

अभिषेक बनर्जी के हमलावरों पर कार्रवाई दिखावा : टीएमसी

प्रशासन वास्तविक दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी वीडियो फुटेज के आधार पर रातभर चली छापेमारी के बाद हुई।

ममता बनर्जी ने हमले को साजिश बताते हुए कहा कि अगर अभिषेक ने हेलमेट नहीं पहना होता तो उनकी जान जा सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल में भर्ती अभिषेक को जल्द डिस्चार्ज कराने के लिए भाजपा नेताओं और पुलिस ने दबाव बनाया।

अभिषेक पर शनिवार को दक्षिण सोनारपुर में हमला हुआ था, जहां वे चुनाव बाद हिंसा के पीड़ित कार्यकर्ताओं से मिलने गए थे।

ममता ने कहा- साउथ कोलकाता के डीसीपी ने अस्पताल पर दबाव डाला

हमले के बाद अभिषेक को पहले अपोलो अस्पताल ले जाया गया। ममता भी उनसे मिलने पहुंचीं थी। अपोलो में डॉक्टरों ने अभिषेक को घर पर आराम की सलाह दी। बाद में उन्हें बेले व्यू अस्पताल ले जाया गया। अभिषेक से मिलने के बाद ममता बनर्जी ने शनिवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस की। भाजपा नेताओं और दक्षिण कोलकाता के डीसीपी की ओर से डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन को धमकी भरे फोन आ रहे थे।

अभिषेक की हालत गंभीर नहीं थी तो उन्हें इंटेसिव थैरेपी यूनिट (आईटीयू) में क्यों रखा गया? फिर अचानक उन्हें अस्पताल से छुट्टी क्यों दी गई?

अभिषेक का इलाज घर पर ही होगा। उनके घर पर ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य मेडिकल उपकरण लगाए गए हैं।

दक्षिण 24 परगना जिले में स्थित सोनारपुर बेहत संवेदनशील इलाका माना जाता है। यहां टीएमसी और बीजेपी के बीच चुनावों के दौरान और बाद में राजनीतिक हिंसा होती रही हैं।

विधानसभा चुनाव 2026 के बाद मई में हुई हिंसा में सोनारपुर में एक टीएमसी कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। वहीं सोनारपुर के कामराबाद नस्करपाड़ा इलाके में भाजपा कार्यकर्ता सौमेन दास के घर में आग लगा दी गई थी।

अभिषेक बनर्जी पर हमले की हेमंत सोरेन ने की निंदा

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा और हमलों के लिए कोई स्थान नहीं है तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि पश्चिम बंगाल में सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुआ हमला अत्यंत निंदनीय है।

सीबीएसई ने मानी ऑन-मार्क पोर्टल में सुरक्षा खामी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग की गड़बड़ियों का तूफान अभी थमा भी नहीं है कि अब 12वीं बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के डाटा ब्रीच के मामले का नया घमासान सामने आ गया है।

उत्तर पुस्तिकाओं का डाटा पब्लिक डोमेन में उपलब्ध होने की बात अब तक नकार रही सीबीएसई ने रविवार को आखिरकार अपने सर्विस प्रोवाइडर के आन मार्क पोर्टल में साइबर सुरक्षा से जुड़ी खामियों को स्वीकार किया।

ऑन मार्क पोर्टल एक ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम है जिसका इस्तेमाल इस साल 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने के लिए किया गया था।

सीबीएसई ने दावा किया है कि ऑन मार्क पोर्टल में पहचान की गई कमियों को ठीक कर लिया गया है और अन्य संभावित कमजोरियों की जांच कर इन्हें दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। सीबीएसई की 12वीं की बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के डाटा हैक होने के दावों के बाद रविवार को सीबीएसई ने इसमें कमियों की बात स्वीकार करते हुए यह सफाई दी।

सीबीएसई ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि 'हम अपने सर्विस प्रोवाइडर के ऑनमार्क पोर्टल में उन कमियों पर करीब से नजर रख रहे हैं, जिन्हें पब्लिक डोमेन में उजागर किया जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में सरकार के अलग-अलग विभागों और कई आईआईटी से साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स की एक एक्सपर्ट टीम को इन सिस्टम्स को मजबूत बनाने के लिए लगाया गया है।'

पीएम मोदी ने एथलीट गुरिंदरवीर और अनिमेष से की बात

मन की बात : नेशनल रिकॉर्ड तोड़ने पर दी बधाई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 134वें एपिसोड में खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, 'महज दो दिनों के भीतर 100 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा। यह शानदार कामयाबी हासिल करने वाले दो एथलीट गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर हैं। इसीलिए मैंने सोचा कि इस बार 'मन की बात' में इन दोनों एथलीटों से बात की जाए।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 134वें एपिसोड में देश के दो बेहतरीन एथलीटों, गुरिंदर वीर सिंह और अनिमेष कुजूर से फोन पर खास बातचीत की। इस बातचीत को पूरे देश ने सुना। पीएम मोदी ने रांची में हुई नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता का जिक्र करते हुए कहा कि वहां चार अलग-अलग स्पर्धाओं में चार राष्ट्रीय रिकॉर्ड टूटे। उन्होंने रिकॉर्ड बनाने वाले खिलाड़ी गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टीके, तेजस्विन शंकर, देव मीना और कुलदीप कुमार को दिल से बधाई दी।

दो दिन में तीन बार टूटा रिकॉर्ड

प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, 'महज दो दिनों के भीतर 100 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा। यह शानदार कामयाबी हासिल करने वाले दो एथलीट गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर हैं। इसीलिए मैंने सोचा कि इस बार 'मन की बात' में इन दोनों एथलीटों से बात की जाए।'

पीएम मोदी से बातचीत के दौरान एथलीट अनिमेष कुजूर ने अपने सफर के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'पिछले साल मैंने नेशनल एशियन मेडल और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स मेडल जीता। मैंने 2021 में स्कूल खत्म करने के बाद एथलेटिक्स की शुरुआत की थी। जब कोविड का दौर खत्म हो रहा था, तब मेरे फुटबॉल खेलने वाले दोस्तों ने मुझे स्टेट लेवल कॉम्पिटिशन में भाग लेने को कहा। मैंने उसमें हिस्सा लिया, लेकिन मुझे नेशनल लेवल के चयन की जानकारी नहीं थी। मेरा चयन नेशनल लेवल पर हुआ और आज मैं इंटरनेशनल लेवल पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं।'

वर्दी और ट्रैक दोनों पर देश की सेवा

वहीं, 100 मीटर में नया नेशनल रिकॉर्ड बनाने वाले एथलीट गुरिंदरवीर सिंह ने कहा, 'मैं भारतीय नौसेना में पेटी ऑफिसर हूं। मैं 10.1 सेकंड से कम समय में दौड़ने वाला पहला भारतीय हूं। मैं ट्रैक पर और अपनी वर्दी में, दोनों तरह से देश की सेवा करने की कोशिश कर रहा हूं।'

पिता और मिल्खा सिंह से मिली प्रेरणा

गुरिंदरवीर ने अपनी प्रेरणा के बारे में बताते हुए कहा, 'मेरे पिता मुझे अपने खेल और नेशनल मेडल जीतने की कहानियां सुनाया करते थे, जिससे मेरे अंदर भी खेल में आने की इच्छा जागी। वे मुझे अपने साथ ले जाते थे और उन्होंने मुझे वह सब सिखाया जो अपने खेल के दिनों में सीखा था। मैंने उसेन बोल्ट का वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटते देखा था, तब मैंने अपनी मां से कहा था कि एक दिन ऐसा आएगा जब आप मुझे टीवी पर देखेंगी।

पिता के कहने पर असद ने की हत्या

सूर्या हत्याकांड में बड़ा खुलासा

एजेंसी ■ गाजियाबाद

फरहान ने असद को वारदात को अंजाम देने के लिए सूर्या को चाकू दिया था। वहीं पिता नबाव ने अपने बेटे असद को यह कहते हुए हत्या करने को उकसाया कि आज इसकी कहानी खत्म कर दे।

सूर्या हत्याकांड में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पूरे हत्याकांड में असद के पिता नबाव की भूमिका भी सामने आई है। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार हुए आरोपी फरहान ने बताया कि 28 मई को बाइक चलाने की बात पर असद और सूर्या का झगड़ा हुआ था। इसके बाद दोनों अपने-अपने घर चले गए।

असद ने यह बात अपने पिता और उसे बताई थी। इसके बाद सभी ने योजना बनाकर उसे बुलाया। फरहान ने ही वारदात को अंजाम देने के लिए असद को चाकू दिया था। वहीं नबाव ने अपने बेटे असद को यह कहते हुए हत्या करने को उकसाया कि आज इसकी कहानी खत्म कर दे।

तीन लोगों को भेजा गया जेल

इसके बाद असद ने सूर्या के सीने में चाकू घोंपकर मौत के घाट उतार दिया। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि असद के पिता नबाव और उसके दोस्त फरहान व आतिफ को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है। न्यायालय के आदेश पर तीनों को जेल भेज दिया गया है।

सूर्या चौहान का हत्यारोपी असद का रविवार सुबह पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। डीसीपी ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल ने बताया कि थाना खोड़ा इलाके में 28 मई को सूर्या चौहान नाम के युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। परिजनों की तहरीर के आधार पर पांच आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जबकि मुख्य हत्यारोपी वंचित था और उसकी गिरफ्तारी पर कमिश्नरेट पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था।

मुखबिर से मिली थी असद की सूचना

पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी कि असद अपने कुछ साथियों से मिलने थाना खोड़ा क्षेत्र में आने वाला है। उनसे कुछ पैसे लेकर वह बाहर भागने की फिराक में था। पुलिस पूरे क्षेत्र में लगातार कॉम्बिंग एवं बैरियर लगाकर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान वसुंधरा क्षेत्र में असद अपने एक साथी के साथ बाइक से आता हुआ दिखाई दिया।

ट्रेड यूनियन चुनाव के बाद होगा टीजीएसआरटीसी का सरकार में विलय: परिवहन मंत्री

हैदराबाद। तेलंगाना के परिवहन मंत्री पूनम प्रभाकर ने रविवार को कहा कि तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) का राज्य सरकार में विलय मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियन के चुनावों के बाद किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि टीजीएसआरटीसी की मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियन के चुनाव जल्द ही कराए जाएंगे। इसके बाद निर्वाचित प्रतिनिधियों से चर्चा कर निगम के सरकार में विलय की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

परिवहन मंत्री ने कहा कि विलय प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार का विवाद या बाधा उत्पन्न न हो, इसके लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरती जा रही हैं। उन्होंने कर्मचारियों से किसी तरह की आशंका न रखने की अपील करते हुए भरोसा दिलाया कि उनके सभी मुद्दों का समाधान किया जाएगा।

पोनम प्रभाकर ने बताया कि उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में पांच मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और 40 आरटीसी प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई थी, जिसके बाद कर्मचारियों के लिए 11 प्रतिशत वेतन वृद्धि को मंजूरी दी गई।

इस दौरान परिवहन मंत्री ने सूचना प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं विधायी मामलों के मंत्री दुडिल्ला श्रीधर बाबू तथा सरकारी मुख्य सचेतक विजया रमना राव के साथ पेद्दापल्ली जिला मुख्यालय में प्रस्तावित बस डिपो स्थल का निरीक्षण भी किया।

उन्होंने कहा कि आरटीसी बस डिपो के निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और इसे जल्द ही जनता को समर्पित किया जाएगा।

मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने विजय रमण राव और वरिष्ठ मंत्री श्रीधर बाबू के अनुरोध पर पेद्दापल्ली के लिए आरटीसी बस डिपो को मंजूरी दी थी। हालांकि निर्माण कार्य में कुछ देरी हुई, लेकिन अब इसे तेजी से पूरा करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बस सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए भी विशेष कदम उठाए जा रहे हैं।

महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना लागू होने के बाद गांवों में आरटीसी बस सेवाओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

परिवहन मंत्री ने बताया कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए नई आरटीसी बसों की खरीद प्रक्रिया जारी है। सरकार सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में आरटीसी को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

तिरुचेंगोडे मंदिर रथ दुर्घटना: सीएम विजय ने मृतक के परिवार के लिए 5 लाख रुपए की राहत की घोषणा की

चेन्नई । तमिलनाडु के तिरुचेंगोडु स्थित अरुलमिगु अर्धनारीश्वर मंदिर में उस वक्त अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया, जब मंदिर रथ जुलूस के दौरान एक युवक की मौत हो गई। सीएम विजय ने इस घटना पर दुख जताया है।

मुख्यमंत्री विजय ने इस हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए दुखी परिवार और मृतक के रिश्तेदारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई।

उन्होंने कहा कि गोविंदराज का बेटा हर्षवर्धन (18) रविवार की सुबह मंदिर उत्सव जुलूस के दौरान गलती से मंदिर के रथ के पहिये और पास की दीवार के बीच फंस गया। उसे गंभीर चोटें आईं और शुरू में उसका इलाज तिरुचेंगोडे सरकारी अस्पताल में किया गया, फिर उसे इलाज के लिए सलेम के सरकारी मोहन कुमारमंगलम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में शिफ्ट किया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई।

सीएम ने अधिकारियों को गौरीशंकर के बेटे सस्थिगन (19) के लिए विशेष मेडिकल उपचार सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।

राहत के तौर पर मुख्यमंत्री ने मृतक के परिवार को मुख्यमंत्री पब्लिक रिलीफ फंड से 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है।

दूसरी ओर, उन्होंने एक्टर अजित कुमार की मां के निधन पर दुख जताया।

सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा कि मेरे प्यारे दोस्त अजित कुमार की मां मोहिनी अम्मैयार के निधन की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। मैं प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को भगवान के चरणों में शांति मिले। अपने दोस्त अजित कुमार और पूरे परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

डीयू में 'प्रथम सिंधु कुंभ' पुस्तक का विमोचन, विजेंद्र गुप्ता बोले- हमें जड़ों से जोड़ने का काम कर रही है सिंधु दर्शन यात्रा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय स्थित शंकर लाल कॉन्सर्ट हॉल में 'प्रथम सिंधु कुंभ: आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व' पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार शामिल हुए।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि पिछले लगभग 30 वर्षों से सिंधु दर्शन यात्रा देशभर के लोगों को हमारी जड़ों, आध्यात्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। सिंधु दर्शन समिति द्वारा भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभाव और सभ्यतागत मूल्यों के संरक्षण एवं पुनर्जागरण के लिए किए जा रहे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं।

सिंधु यात्रा पर विधानसभा स्पीकर ने कहा कि यह एक बहुत जरूरी यात्रा है और सभी को सिंधु दर्शन से जुड़ना चाहिए। सिंधु नदी के इतिहास को समझना चाहिए। यह सच में हमारी सभ्यता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सिंधु माता भजन और आरती का प्रोग्राम भी हुआ। यहां बहुत सारे लोग मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और सभ्यता की झलक के तौर पर सिंधु दर्शन यात्रा समिति ने यहां एक किताब का विमोचन समारोह किया। 23 से 25 जून तक होने वाले सिंधु दर्शन कार्यक्रम पर भी प्रकाश डाला गया और इंद्रेश कुमार ने जड़ों से जुड़ने की अपील की।

उन्होंने कहा कि मैं कह सकता हूं कि हिंद और हिंदू जैसे शब्दों की ऐतिहासिक जड़ें सिंधु से जुड़ी हैं। हमारी भाषाएं भले ही अलग हैं, लेकिन हमारी आत्मा एक है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पहले, कई जानकारों ने मुझे बताया था कि सिंधु भारत में नहीं है। हम भी मानते थे कि हमने सिंधु खो दी है, लेकिन, सिंधु भारत के अंदर लगभग 250-300 किलोमीटर तक बहती है और इसका एक लिखा हुआ इतिहास है। इंडस वॉटर ट्रीटी के तहत, सिंधु (इंडस) का करीब 300 किलोमीटर हिस्सा हमारे कंट्रोल में है, तो यह साफ हो गया कि सिंधु का करीब 300 किलोमीटर हिस्सा भारत में है। हमने पूरी सिंधु नहीं खोई है। सिंधु का एक बड़ा हिस्सा अभी भी हमारे पास है।

सीबीएसई रिजल्ट विवाद पर छात्रों के साथ राहुल गांधी ने की चर्चा, केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई के छात्रों से मुलाकात की और हाल ही में रिजल्ट को लेकर चल रहे विवाद पर बातचीत की।

छात्रों ने राहुल गांधी से अपनी समस्याओं को लेकर बात की और बताया कि जब उन्होंने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठाया तो किस तरह उन्हें ट्रोल किया गया। उन्हें देशद्रोही और देश का दुश्मन तक बताया गया।

छात्रों के साथ बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा, 'मेरे साथी 'राष्ट्र-विरोधी सोरोस एजेंटों' के साथ एक खुलासा करने वाली बातचीत। वेदांत और उनके दोस्त प्रतिभाशाली, बहादुर युवा भारतीय हैं, जिन्होंने सीबीएसई और मोदी सरकार से सरल प्रश्न पूछे लेकिन जवाब के बजाय उन्हें अपमान मिला। वे एक उज्ज्वल और सुरक्षित भविष्य के हकदार हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें यह मिले।

वीडियो में छात्र बताते हैं, 'लोगों ने मुझे देशद्रोही, पाकिस्तानी और डीप स्टेट एजेंट तक कह दिया।' एक छात्र ने बताया, 'जब मैंने अपनी फिजिक्स की उत्तर पुस्तिका देखी, तो मुझे लगा कि मेरा पेपर अच्छा हुआ था लेकिन नंबर अच्छे नहीं मिले। मैंने अपनी उत्तर पुस्तिका मांगी लेकिन मुझे पता चला कि यह मेरी कॉपी ही नहीं है। 'छात्र ने बताया कि इसके बाद उसने इस मुद्दे को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उठाया। उसे लोगों का समर्थन मिला लेकिन जब बड़ी संख्या में लोगों ने उसका समर्थन किया, तो कुछ लोगों को लगा कि वे डीप स्टेट एजेंट हैं और भारत में अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं। वे उन्हें सोरोस का एजेंट कहने लगे। इस पर राहुल गांधी ने कहा, 'बीच में सोरोस आ गया, पाकिस्तान भी आ गया, हर कोई आ गया। यह तो पागलपन है। तुम लोगों ने कुछ किया भी नहीं। तुम छात्र हो और सिर्फ अपनी उत्तर पुस्तिका मांग रहे हो, फिर भी तुम्हें देशद्रोही कहा जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर के विद्युत क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि: उरी-प्रथम चरण-द्वितीय का काम शुरू

श्रीनगर । एनएचपीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक भूपेंद्र गुप्ता ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी क्षेत्र में 240 मेगावाट की उरी-प्रथम चरण-द्वितीय जलविद्युत परियोजना के निर्माण के लिए पहला विस्फोट सफलतापूर्वक संपन्न किया। एनएचपीसी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक भूपेंद्र गुप्ता द्वारा रविवार को 240 मेगावाट की उरी-प्रथम चरण-द्वितीय जलविद्युत परियोजना के लिए पहले विस्फोट के सफल संचालन के साथ जम्मू-कश्मीर के विद्युत क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई, जिससे प्रमुख निर्माण गतिविधियों का औपचारिक प्रारंभ हुआ। इस विकास को क्षेत्र के ऊर्जा अवसंरचना के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि परियोजना से विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि होने और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा में योगदान मिलने की उम्मीद है।

परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि सफल पहले विस्फोट से उरी-प्रथम चरण-द्वितीय जलविद्युत परियोजना के तहत प्रमुख निर्माण कार्य की शुरुआत का संकेत मिलता है। इस जलविद्युत परियोजना से बिजली उत्पादन में वृद्धि और ऊर्जा की उपलब्धता में सुधार होने की उम्मीद है, खासकर तब जब जम्मू और कश्मीर अपने विद्युत अवसंरचना के विस्तार के प्रयासों को जारी रखे हुए है। यह परियोजना जलविद्युत क्षमता का दोहन करने और बाहरी बिजली आपूर्ति स्रोतों पर निर्भरता कम करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। अधिकारियों ने कहा कि निर्माण कार्य शुरू होना परियोजना के कार्यान्वयन में एक महत्वपूर्ण चरण है। 240 मेगावाट की यह परियोजना उत्पादन क्षमता बढ़ाने और क्षेत्र की भविष्य की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

एनएचपीसी पहले से ही जम्मू और कश्मीर में 2,250 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता वाली छह प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं का संचालन कर रही है। इनमें रियासी जिले में सलाल एचईपी (690 मेगावाट), बारामूला जिले में उरी-प्रथम एचईपी (480 मेगावाट), बारामूला जिले में उरी-द्वितीय एचईपी (240 मेगावाट), किश्तवाड़ जिले में दुलहस्ती एचईपी (390 मेगावाट), बांदीपोरा जिले में किशनगंगा एचईपी (330 मेगा वॉट) और कठुआ जिले में सेवा-द्वितीय एचईपी (120 मेगा वॉट) शामिल हैं।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाघ का शव मिलने से हड़कंप, जांच शुरू

गुवाहाटी। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और बाघ अभयारण्य में एक उप-वयस्क (सब-एडल्ट) बाघ का शव मिलने के बाद वन विभाग ने जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि बाघ का शव उद्यान के मिहीमुख क्षेत्र से बरामद किया गया।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व (केएनपीटीआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, करीब चार दिन पुराना यह शव शनिवार शाम को कोहारा स्थित काजीरंगा रेंज के मिहीमुख क्षेत्र में नियमित निगरानी और गश्त के दौरान वनकर्मियों को मिला।

शव मिलने के बाद पार्क प्रशासन ने उसका निरीक्षण किया और वन्यजीव संरक्षण नियमों के तहत आवश्यक प्रक्रियाएं शुरू कीं। बाघ की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

अधिकारी ने बताया कि केएनपीटीआर की निदेशक सोनाली घोष ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार पोस्टमार्टम और शव के निस्तारण के लिए एक समिति का गठन किया था। बाघ का पोस्टमार्टम रविवार को किया गया।

हालांकि, अधिकारियों के अनुसार शव काफी अधिक सड़-गल चुका था, जिसके कारण पोस्टमार्टम के दौरान मौत के कारणों का पता नहीं चल सका।

गौरतलब है कि इस वर्ष जनवरी और फरवरी में भी काजीरंगा में तीन बाघों के शव बरामद किए गए थे।

7 फरवरी को बुरापहाड़ रेंज के घोराकाटी क्षेत्र में एक 12 से 13 वर्षीय नर बाघ का शव मिला था। प्रारंभिक जांच में बाघों के बीच संघर्ष (इन्फाइटिंग) को उसकी मौत का कारण माना गया था।

वहीं, 18 जनवरी को बागोरी पश्चिमी रेंज के कथपोरा क्षेत्र से तीन से चार वर्ष की एक बाघिन का शव मिला था।

जम्मू-कश्मीर: उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पार करते समय पीओके घुसपैठिया गिरफ्तार

श्रीनगर । जम्मू और कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पार करते समय सतर्क चिनार वॉरियर्स ने एक पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) घुसपैठिए को पकड़ लिया है। सतर्क सैनिकों ने घुसपैठिए को चुनौती देते हुए संयम बरता और कुशलतापूर्वक उसे गिरफ्तार कर लिया। घुसपैठिए को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस को सौंप दिया गया है। घुसपैठिए की पहचान जीशान मीर पुत्र लाल मीर निवासी पाकिस्तान के रूप में हुई है।

इससे पहले जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में रविवार को तीन लोगों को उस समय पकड़ा गया जब वे लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पार करके पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जाने की कोशिश कर रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि आर्मी ने तीन लोगों को तब पकड़ा जब वे कश्मीर में एलओसी पार करने की कोशिश कर रहे थे।

तीनों लोग बारामूला जिले के सोपोर इलाके के रहने वाले हैं। अधिकारियों ने बताया कि वे शनिवार-रविवार की दरमियानी रात को हथलंगा-नांबला इलाके से पीओके में घुसने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार किए गए तीनों लोगों की पहचान सोपोर के रहने वाले आदिल हुसैन डार, सोपोर के रहने वाले इश्फाक अहमद, और सोपोर के रहने वाले जफर अहमद के तौर पर हुई है। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से डार टीए (टेरिटोरियल आर्मी)-161 का सस्पेंडेड जवान है।

सूत्रों ने बताया कि तीनों पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मौजूद कुछ हैंडलर्स के संपर्क में थे। तीनों अभी कस्टडी में हैं और सिक्योरिटी एजेंसियां ??उनसे पूछताछ कर रही हैं और जानकारी का इंतजार है। एक और घटना में आर्मी यूनिट ने उरी सेक्टर के सिलिकोट इलाके में एलओसी पार करके कश्मीर में घुसे एक पीओके के रहने वाले युवक को पकड़ा। पकड़े गए व्यक्ति मुजफ्फराबाद के रहने वाले जीशान मीर ने दावा किया ।

15 महीनों में 750 तस्करों की 300 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त: पंजाब डीजीपी

चंडीगढ़ । पंजाब पुलिस ने पिछले 15 महीनों में संगठित मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क के वित्तीय ढांचे को ध्वस्त कर दिया है और 750 मादक पदार्थों के तस्करों की 300 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति जब्त करके नशीले पदार्थों के हवाला गिरोहों को करारा झटका दिया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को यहां यह जानकारी दी।

डीजीपी के हवाले से एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि पंजाब पुलिस बल ने अब अपना ध्यान केवल गली-मोहल्लों में जब्ती करने से हटाकर सीमा पार तस्करी को वित्तपोषित करने वाले व्यापक आर्थिक ढांचे को ध्वस्त करने पर केंद्रित कर दिया है।

नशीली दवाओं के खिलाफ अभियान शुरू होने के बाद से पंजाब पुलिस सभी 28 पुलिस जिलों में प्रतिदिन एक साथ अभियान चला रही है।

डीजीपी यादव ने बताया कि अभियान शुरू होने के बाद से पंजाब पुलिस ने मादक पदार्थों और मनोरोगी पदार्थों (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत 46,937 प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की हैं और 65,884 लोगों को गिरफ्तार किया है।

इस प्रवर्तन अभियान के परिणामस्वरूप भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए गए हैं, जिनमें 2,950 किलोग्राम हेरोइन, 792 किलोग्राम अफीम, 666 क्विंटल पोस्त की भूसी, 71 किलोग्राम चरस, 986 किलोग्राम गांजा, 56 किलोग्राम आईसीएस और 55 लाख नशीली गोलियां और टैबलेट शामिल हैं।

नशीले पदार्थों की जब्ती के अलावा, पुलिस ने आरोपियों से 20 करोड़ रुपए की ड्रग मनी भी बरामद की है। डीजीपी ने बताया कि इस अभियान के तहत मिली एक बड़ी सफलता हवाला के उन गुप्त चैनलों को तीक्ष्ण निशाना बनाना है, जो भारी मुनाफा विदेशी डीलरों और पाकिस्तानी आपूर्तिकर्ताओं तक पहुंचाते हैं। उन्होंने आगे बताया कि ये नेटवर्क शेल कंपनियों, व्हाट्सएप और सिग्नल जैसे एन्क्रिप्टेड एप्लिकेशन और वर्चुअल अंतरराष्ट्रीय नंबरों के माध्यम से काम करते हैं।

डीजीपी यादव ने कहा कि इन परिष्कृत चोरी की युक्तियों का मुकाबला करने के लिए पंजाब पुलिस ने जांच अधिकारियों की सहायता के लिए प्रत्येक जिले में वित्तीय जांच इकाइयां (एफआईयू) स्थापित की हैं। इस संरचनात्मक सुधार के परिणामस्वरूप 65 हवाला ऑपरेटरों की गिरफ्तारी हुई है और हवाला के 8.85 करोड़ रुपए की मनी बरामद हुई है। सबसे महत्वपूर्ण अभियानों में से एक में, फागवाड़ा स्थित शर्मा फॉरेक्स मनी एक्सचेंज से जुड़े 5.09 करोड़ रुपए की संपत्ति की बरामदगी और उसे फ्रीज करके एक बड़ा वित्तीय व्यवधान उत्पन्न किया गया।

संक्षिप्त खबरें

जिमखाना में चल रहा था केसिनो, पुलिस ने की कार्रवाई

रायपुर। अभनपुर थाना क्षेत्र के कोलर गांव स्थित कल्पवृक्ष रिसॉर्ट में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध कैसीनो संचालन का खुलासा किया है। कल्पवृक्ष रिसॉर्ट के जिमखाना परिसर में नियमों के विरुद्ध कैसीनो संचालित किए जाने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने दबिश दी। छापेमारी के दौरान पुलिस को मौके से पोकर कार्ड, ताशपत्ती और खेल में उपयोग की जाने वाली अन्य सामग्री मिली। कार्रवाई के बाद पुलिस ने जिमखाना को सील कर दिया है। साथ ही संचालकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि कैसीनो का संचालन कब से हो रहा था और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका रही है।

नितिन नवीन ने बुलाई राज्य भाजपा अध्यक्षों की बैठक, चुनावों पर होगी चर्चा!

रायपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सोमवार को पार्टी के राज्य इकाइयों के अध्यक्षों के साथ नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में बैठक करेंगे। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को चुनाव प्रस्तावित हैं। इसके अलावा विभिन्न राज्यों की विधान परिषदों के चुनाव भी निकट हैं, जिसके चलते यह बैठक राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को भाजपा के कोर ग्रुप के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की थी। माना जा रहा है कि सोमवार की बैठक में उन्हीं मुद्दों और चुनावी रणनीतियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों और अभियानों की रूपरेखा पर भी विचार किया जाएगा। पार्टी नेतृत्व की नजर 2027 की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों पर भी है, जिनमें उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर शामिल है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया अत्याधुनिक आईटी पार्क का लोकार्पण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दुर्ग जिले को तकनीकी विकास, नवाचार और रोजगार के क्षेत्र में बड़ी सौगात देते हुए आज सिविल लाइन्स दुर्ग स्थित अत्याधुनिक आईटी पार्क का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह आईटी पार्क छत्तीसगढ़ के युवाओं के सपनों, तकनीकी क्षमता और आत्मनिर्भर भविष्य की नई शुरुआत का प्रतीक है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को केवल रोजगार तलाशने वाला नहीं, बल्कि नवाचार और तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने वाला बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई और राज्य शासन के सहयोग से निर्मित यह आईटी पार्क युवाओं को तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, स्टार्टअप संस्कृति और आधुनिक रोजगार अवसरों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म बनेगा। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि वर्तमान में लगभग 40 आईटी कंपनियां यहां कार्यरत हैं तथा 100 से अधिक कंपनियों ने भविष्य में यहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की सहमति दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सुशासन सरकार द्वारा पिछले वर्ष की गई घोषणा आज धरातल पर साकार हुई है, जो राज्य सरकार की प्रतिबद्धता, त्वरित क्रियान्वयन और विकासोन्मुख सोच का प्रमाण है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब केवल खनिज और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था, सूचना प्रौद्योगिकी और नवाचार आधारित विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि दुर्ग-भिलाई क्षेत्र शिक्षा, उद्योग और प्रतिभा का मजबूत केंद्र रहा है तथा आईटी पार्क की स्थापना से यह क्षेत्र तकनीकी नवाचार, डिजिटल सेवाओं और स्टार्टअप इकोसिस्टम का उभरता हुआ हब बनेगा। इससे स्थानीय युवाओं को बड़े शहरों की ओर पलायन किए बिना अपने ही क्षेत्र में आधुनिक तकनीकी क्षेत्र में रोजगार और करियर के अवसर प्राप्त होंगे।

मैंगो फेस्टिवल में 250 वैरायटी; छोटे लाल लड्डू की चर्चा

महोत्सव में विदेशी आमों की कई दुर्लभ किस्में

रायपुर। राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर इन दिनों आमों की खुशबू और रंगों से सराबोर है। यहां आयोजित नेशनल मैंगो फेस्टिवल में देश-विदेश की 250 से ज्यादा किस्मों के आम लोगों को आकर्षित कर रहे हैं।

कोई इन अनोखे आमों के साथ तस्वीरें खिंचवाता नजर आया, तो कोई एक्सपर्ट्स और किसानों से नई किस्मों, खेती की नई तकनीकों की जानकारी लेता दिखा। महोत्सव में 6 किलो वजनी हाथीझूल आम और सबसे छोटा लाल लड्डू आम आकर्षण का केंद्र रहा।

वहीं दशहरी, लंगड़ा, चौसा, केसर और अल्फांसो जैसी लोकप्रिय किस्मों के अलावा जापान की प्रीमियम किस्म मियाजाकी, हाथीझूल और दुर्लभ नूरजहां आम को देखने के लिए, लोगों में खास उत्साह देखा गया। छत्तीसगढ़ के खास 5 आम भी चर्चा में रहे।

महोत्सव में विदेशी आमों की कई दुर्लभ किस्मों ने लोगों को आकर्षित किया। यहां 30 से अधिक एक्जॉटिक वैरायटी के आम प्रदर्शित किए गए हैं, जिनमें जापान की चर्चित प्रीमियम किस्म मियाजाकी सबसे ज्यादा चर्चा में है।

इसकी कीमत करीब 2 लाख रुपये प्रति किलो तक बताई जाती है इसके अलावा अमेरिका की इर्विन किस्म, ऑस्ट्रेलिया की किंग्स्टन प्राइड और थाईलैंड-ताइवान की आइवरी किस्म भी लोगों को खूब पसंद आई।

आमों के नाम भी उतने ही दिलचस्प

प्रदर्शनी में केवल आम ही नहीं, उनके अनोखे नाम भी लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश से आई किस्मों में कलुआ, केलवा, सीपिया, आमीन, देसी गिलास, करेलहा, जर्दालु तुकमी, लखनऊवा और टुमर जैसे नाम शामिल हैं।

दक्षिण भारत और अन्य राज्यों से आई किस्मों में महमूद, टेनेरु, पूद्ध, सरदार, जमादार, माया और रामकेला जैसे नाम लोगों को चौंका रहे हैं। बस्तर, बीजापुर और कोंडागांव क्षेत्र से भी कई स्थानीय और पारंपरिक किस्मों को प्रदर्शित किया गया है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी) की विकसित लगभग 25 आम किस्मों को भी प्रदर्शित किया गया है। इनमें पांच ऐसी किस्में शामिल हैं, जिन्हें छत्तीसगढ़ की पहचान माना जाता है।

इनमें छत्तीसगढ़ स्वर्णप्रभा, छत्तीसगढ़ नंदीराज, छत्तीसगढ़ अचार, छत्तीसगढ़ गौरव और छत्तीसगढ़ पवन प्रमुख हैं। इन किस्मों को अच्छे स्वाद, ज्यादा गूदे, अधिक पैदावार और अचार, जूस जैसे उत्पाद बनाने के लिए उपयुक्त गुणों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

ट्रक की चपेट में आने से हवलदार की मौत

रायपुर। महासमुंद जिले में नेशनल हाइवे 53 पर दर्दनाक सड़क हादसे में हवलदार दयासागर भोई की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन के साथ फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है। यह घटना सांकरा थाना क्षेत्र में हुई है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान दयासागर भोई के रूप में हुई है, जो छत्तीसगढ़ पुलिस में हवलदार पद पर पदस्थ थे और वर्तमान में थाना बागबाहरा में अपनी सेवाएं दे रहे थे। रविवार दोपहर 12 से 1 बजे के बीच वो किसी काम से बल्दिडिह से सांकरा की ओर जा रहे थे, इसी दौरान बल्दीडीह स्थित जोंक नदी के पास उनकी बाइक विपरीत दिशा से आ रही ट्रक की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही सांकरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के पिथौरा भेज दिया है।

जनगणना 2027 का प्रथम चरण छत्तीसगढ़ में सफलतापूर्वक पूर्ण

रायपुर। जनगणना 2027 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में प्रथम चरण मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। यह कार्य 01 मई 2026 से प्रारंभ होकर 30 मई 2026 को संपन्न हुआ। यह राष्ट्रीय महत्व का अभियान केवल आंकड़ों के संकलन तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य के भारत और छत्तीसगढ़ के विकास की ठोस आधारशिला तैयार करने वाला महत्वपूर्ण उपक्रम है।

जनगणना प्रक्रिया के माध्यम से शासन को यह समझने में सहायता मिलती है कि समाज के विभिन्न वर्गों तक विकास के लाभ किस प्रकार और कितनी प्रभावशीलता से पहुँच रहे हैं तथा भविष्य की योजनाओं और नीतियों का निर्माण अधिक सटीक एवं समावेशी ढंग से किया जा सके। भारत की जनगणना 2027 का कार्य राज्य में दो चरणों में संपादित किया जा रहा है। प्रथम चरण के अंतर्गत मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना की गई, जबकि द्वितीय चरण-जनसंख्या गणना- फरवरी 2027 में संपादित की जाएगी।

प्रथम चरण से प्राप्त जानकारी द्वितीय चरण के लिए आधार तैयार करती है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी मकान अथवा उसमें निवासरत परिवार गणना से वंचित न रह जाए। प्रथम चरण के दौरान राज्य के सभी ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्नों के आधार पर जानकारी संकलित की गई।

गुरु अर्जन देव के 420वें शहीदी वर्ष पर मीठा शरबत वितरण, विधायक पुरन्दर मिश्रा हुए शामिल

रायपुर। गुरु अर्जन देव के 420वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहिब के समक्ष, तेलीबांधा रायपुर में आयोजित विशाल छबील (मीठा जल) सेवा एवं वितरण कार्यक्रम में रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरन्दर मिश्रा प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने सेवा, समर्पण एवं मानवता के संदेश को आत्मसात करते हुए श्रद्धापूर्वक गुरु चरणों में नमन किया।

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि गुरु अर्जन देव का जीवन त्याग, तपस्या, सहिष्णुता एवं लोककल्याण का अद्वितीय उदाहरण है। उनकी पावन शहादत मानवता, भाईचारे और परोपकार की भावना को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब का संदेश आज भी समाज को सेवा, सद्भाव और समरसता के मार्ग पर अग्रसर होने का मार्गदर्शन प्रदान करता है।

इस अवसर पर आयोजित छबील सेवा में श्रद्धालुओं को मीठा जल वितरित कर जनसेवा के पावन कार्य में सहभागिता निभाई गई। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने गुरु अर्जन देव जी के जीवन आदर्शों को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक पुरन्दर मिश्रा ने गुरु अर्जन देव को कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि 'सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और मानवता ही सबसे बड़ी पहचान।'

सुरक्षित बचपन से ही बनेगा सशक्त भविष्य : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

विश्व बाल सुरक्षा दिवस पर बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और खुशहाल वातावरण सुनिश्चित करने की अपील

रायपुर। विश्व बाल सुरक्षा दिवस 1 जून के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रदेशवासियों से बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों की रक्षा और उनके समग्र विकास के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया है।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे अमूल्य धरोहर होते हैं। उनका सुरक्षित, स्वस्थ और स्नेहपूर्ण वातावरण में विकास होना एक मजबूत और संवेदनशील समाज की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों के प्रति हिंसा, उपेक्षा और शोषण की घटनाएं समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं, जिन पर रोक लगाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। बच्चों की मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसा सकारात्मक वातावरण तैयार करना आवश्यक है, जहां वे निर्भय होकर अपने सपनों को साकार कर सकें।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि हर बच्चे की मुस्कान उसके सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन से जुड़ी होती है। यदि समाज बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सजग रहेगा, तभी आने वाली पीढ़ी आत्मविश्वासी, शिक्षित और संस्कारित बन सकेगी। उन्होंने विश्व बाल सुरक्षा दिवस के अवसर पर सभी नागरिकों से यह संकल्प लेने की अपील की कि हर बच्चे को सुरक्षित बचपन, बेहतर शिक्षा, स्नेह और संरक्षण प्रदान करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

मिनी जू नंदनवन के अधीक्षक एवं रेंजर हटाए गए, कुदरिया को प्रभार

रायपुर। वन विभाग के अंतर्गत मिनी जू नंदनवन के अधीक्षक आर पी दुबे एवं रेंजर हिमांचल साहू को हटा दिया गया है। दोनों के मध्य किसी मुद्दे को लेकर विवाद चल रहा था। मिनी जू नंदनवन का प्रभार उप वनमंडलाधिकारी रायपुर आनंद कुदरिया को दिया गया है।

बताया गया है कि मिनी जू नंदनवन में कतिपय भुगतान एवं अन्य कुछ मुद्दों को लेकर खींचतान चल रहा था, इससे संबंधित एक वीडियो भी वायरल हुआ था। इसकी शिकायत एक दूसरे के खिलाफ डीएफओ एवं मुख्य वन संरक्षक से की गई थी। आखिरकार मुख्य वन संरक्षक ने नंदनवन से दोनों को हटा दिया है। रायपुर वन वृत्त के मुख्य वन संरक्षक द्वारा जारी आदेश के अनुसार सहायक वन संरक्षक आरपी दुबे प्रभारी नारंगी क्षेत्र क्रमांक दो रायपुर वनमंडल को नंदनवन के अधीक्षक के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया है। नांदनवन के अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार उप वन मांडलाधिकारी आनंद कुदरिया को सौंपा गया है।

इसी तरह नंदनवन के रेंजर हिमांचल साहू को कार्य आयोजना मंडल रायपुर में संलग्न किया गया है। उनका प्रभार नवा रायपुर के रेंजर महोबिया को दिया गया है। बताया गया है कि रायपुर वनमंडल के नंदनवन मिनी जू में प्रशासनिक कामकाज में गड़बड़ी और अनियमितताओं की शिकायत मिलने के बाद वन विभाग ने कार्रवाई की है।

हर्बल उत्पादों के जरिए आत्मनिर्भर बनीं 12 आदिवासी महिलाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी वन धन विकास केंद्र (वीडीवीके) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से कोरबा जिले के कटघोरा वन प्रभाग अंतर्गत डोंगनाला की आदिवासी महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। डोंगनाला का हरिवोल स्वयं सहायता समूह आज हर्बल उद्यमों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का एक आदर्श बनकर उभरा है।

12 आदिवासी महिलाओं से गठित इस समूह की सदस्य पहले दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर थीं। सीमित रोजगार और अस्थिर आय के कारण परिवार की जरूरतें पूरी करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण था। लेकिन शासन की वन धन विकास केंद्र योजना से जुड़ने के बाद इन महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया।

प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग से मिली नई पहचान

स्थानीय स्तर पर उपलब्ध औषधीय पौधों और लघु वनोपज की संभावनाओं को देखते हुए महिलाओं को संगठित किया गया। उन्हें आयुर्वेद विशेषज्ञों तथा छत्तीसगढ़ राज्य लघु वन उत्पाद (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ लिमिटेड द्वारा हर्बल प्रसंस्करण, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन का विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

हर्बल उत्पादों की बढ़ी मांग

प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद समूह ने त्रिफला चूर्ण, अश्वगंधा चूर्ण, हर्बल फेस पैक, हर्बल हेयर पाउडर और टूथ पाउडर जैसे गुणवत्तापूर्ण हर्बल उत्पाद तैयार करना शुरू किया। गुणवत्ता और प्रभावशीलता के कारण इन उत्पादों की स्थानीय तथा संस्थागत बाजारों में अच्छी मांग बनी।

आयुष विभाग से मिला बड़ा ऑर्डर

समूह को उस समय बड़ी सफलता मिली जब उन्हें आयुष विभाग से बड़ा ऑर्डर प्राप्त हुआ। इस ऑर्डर से समूह को लगभग 20 लाख रुपए का लाभ हुआ। इससे समूह की विश्वसनीयता बढ़ी और नए बाजारों के द्वार खुले।

38.90 लाख रूपए का लाभ, आर्थिक स्थिति हुई मजबूत

वित्तीय वर्ष 2024-25 में समूह ने लगभग 38.90 लाख रुपए का लाभ और कमीशन अर्जित किया। इससे सदस्यों और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई तथा जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया।

26.11 करोड़ रूपए की संचयी बिक्री

वर्ष 2020 से मार्च 2026 तक वीडीवीके डोंगनाला ने लगभग 26.11 करोड़ रुपए की संचयी बिक्री दर्ज की है। यह उपलब्धि समूह की निरंतर मेहनत, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और प्रभावी विपणन रणनीति का परिणाम है।

हर सदस्य की आय पहुंची 1.7 लाख रुपए वार्षिक

इस पहल से समूह की प्रत्येक सदस्य की वार्षिक आय बढ़कर लगभग 1.7 लाख रुपए हो गई है। आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ महिलाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की शक्ति भी बढ़ी है।

आत्मानंद स्कूलों में भर्ती के लिए अब एक परीक्षा से होगा पूरे प्रदेश में चयन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में चल रही संविदा भर्ती प्रक्रिया को लोक शिक्षण संचालनालय ने तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है। अब शिक्षकों और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति जिला स्तर पर नहीं, बल्कि राज्य स्तरीय केंद्रीकृत परीक्षा के माध्यम से की जाएगी। नई व्यवस्था के तहत पूरे प्रदेश के अभ्यर्थियों के लिए एक समान परीक्षा आयोजित होगी और मेरिट सूची के आधार पर चयन किया जाएगा। इस फैसले से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और एकरूपता लाने का प्रयास किया जा रहा है, वहीं हजारों अभ्यर्थियों को अब नई परीक्षा का इंतजार रहेगा।

लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में सभी कलेक्टरों, जिला शिक्षा अधिकारियों और स्वामी आत्मानंद विद्यालय प्रबंधन समितियों के अध्यक्षों को निर्देश जारी किए हैं। आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि वर्तमान में चल रही सभी संविदा भर्ती प्रक्रियाओं को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाए। साथ ही जिलों से भर्ती प्रक्रिया रोके जाने की जानकारी भी मांगी गई है।

नई व्यवस्था के तहत प्रदेशभर के अभ्यर्थियों के लिए एक समान राज्य स्तरीय परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा के परिणाम के आधार पर मेरिट सूची तैयार होगी और उसी के अनुसार विभिन्न जिलों में रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी।

संपादकीय

भारत के तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के सपने पर महंगाई की मार

इंद्र शेखर शाह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल में भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव देखा गया है लेकिन वैश्विक स्तर पर वर्तमान में जारी भू राजनीतिक तनाव के कारण अगले कुछ वर्षों में भारत के दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना पूरा होता नहीं दिख रहा है।

वर्ष 2025 में भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में सफल रहा था लेकिन वैश्विक स्तर पर विशेषकर अमेरिका ईरान युद्ध से उत्पन्न स्थिति और पूंजी बाजार में जारी उठापटक के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था अभी पांचवे तो कभी छठवें स्थान पर रह रही है। सरकार वर्ष 2028– 29 तक भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की तैयारी में है लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह संभव होता नहीं दिख रहा है।

हालांकि 2014 से 2026 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है। इस दौरान तेज आर्थिक विकास, सुधारों, डिजिटलीकरण और वैश्विक रैंकिंग में उछाल की रही है। वर्ष 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था लगभग 2.02से 2.04 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी जो वर्तमान मे करीब 4.15 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हो गई है और यह दुनिया की 5वीं या 6वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जहां तक आर्थिक विकास दर की बात है तो वर्ष 2014 में श्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के दौरान भारत की विकास दर 7.4 प्रतिशत के आसपास थी और उसके बाद वित्त वर्ष 2026 तक यह दर 6.5 प्रतिशत से लेकर 7.6 प्रतिशत के बीच रही है तथा भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। पिछले एक दशक में भारत की विकास दर 6से 7 प्रत्यक्ष रही है लेकिन अमेरिका ईरान युद्ध के कारण बढ़ रही महंगाई के कारण विकास की गति को बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। करीब चार वर्षों के बाद ईंधन की कीमतों में हो रही वृद्धि के कारण अब आगे विकास दर पर असर पड़ने वाला है। महंगाई के कारण मांग कमजोर पड़ने से विनिर्माण गतिविधियों में भी सुस्ती आ सकती है जिसके कारण न सिर्फ उत्पादन बल्कि रोजगार पर भी असर पड़ सकता है। विकास दर में नरमी का संकेत अभी से आने लगे हैं। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष के विकास अनुमान को कम कर दिया है और आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ ही अन्य वैश्विक संस्थानों के विकास अनुमान में भी कमी किया जाने की संभावना दिख रही है। विश्व बैंक ने हाल ही जारी अपनी एक रिपोर्ट में भारत के चालू वित्त वर्ष 2026–27 में 6.5 से 6.6 प्रतिशत की गति से बढ़ने का अनुमान लगाया है। अगले वित्त वर्ष 207–28 में भी इसके इसी के आसपास रहने की बात कही गई है।

विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वित्त वर्ष 2025–26 में घरेलू खपत, ग्रामीण आय में सुधार, सेवा क्षेत्र और निर्यात में लचीलापन के बल पर भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश रहा है। हालांकि उसने चालू वित्त वर्ष में पश्चिम एशिया संघर्ष से ऊर्जा कीमतें बढ़ने, उपभोग और निवेश पर दबाव, वैश्विक ट्रेड अनिश्चितता के कारण विकार दर पर दबाव पड़ने का अनुमान जताया गया है इसी की वजह से विकास अनुमान को संशोधित किया गया है। ऐसा

नहीं है कि भारत में विकास को गति देने की क्षमता नहीं है लेकिन सात प्रतिशत से अधिक की विकास दर के लिए निवेश, रोजगार ओर उत्पादकता को बनाए रखना होगा। वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिय भी अगले दो दशकों में औसत विकास दर क़रीब 8 प्रतिशत बनाए रखना होगा और इसके लिए निजी निवेश के साथ ही सरकार को अपने व्यय को बढ़ाने के अतिरिक्त सार्वजनिक सेवाओं और लोक कल्याण की योजनाओं पर भी निवेश बढ़ाना होगा।

अभी जो सबसे बड़ा जोखिम दिख रहा है वो है महंगाई। ईंधन की कीमतें बढ़ने से न सिर्फ खाने पीने की वस्तुएं महंगी होती है बल्कि इसका सीधा असर आम लोगों के साथ ही उद्योग ओर काम धंधों पर होता है। यदि महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक के लक्षित दायरे 4 से 6 प्रतिशत से ऊपर जाती है तो केंद्रीय बैंक को भी मौद्रिक उपाय करने की जरूरत होती है जिससे विकास प्रभावित हो सकता है।

करीब दो सप्ताह में पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में वृद्धि हुई है। 15 मई से लेकर 25 मई तक चार बार में पेट्रोल और डीजल में 7.3 रूपये से लेकर 7.5 रूपये प्रति लीटर की वृद्धि की जा चुकी है। सीएनजी की कीमतों में भी करीब 8 रूपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की जा चुकी है। डीजल की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर मल परिवहन पर होता है और इससे सभी वस्तुओं की लागत बढ़ जाती है। इसीलिए महंगाई में वृद्धि होना लाजमी है।

लगात बढ़ने पर उत्पादित वस्तुओं के साथ ही कृषि उत्पादों की कीमतें भी बढ़ जाती है जिसका प्रत्यक्ष प्रभाव महंगाई के रूप में होता है।

यदि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता नहीं होगा तो इसका प्रभाव पूरी दुनिया पर होगा और महंगाई में तीव्र वृद्धि हो सकती है। भारत के मामले में महंगाई बढ़ने का एक ओर मुख्य कारण है डॉलर की तुलना में रूपये में गिरावट। रूपये के कमजोर होने से आयातित विशेषकर ईंधन की कीमतों पर असर पड़ता है। अभी भारत में एक डॉलर के लिए क़रीब 95 रुपए चुकाने पड़ रहे हैं और कच्चा तेल की100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है। ईंधन की कीमतों के साथ ही भारतीय मुद्रा में आई नरमी के कारण भी महंगाई का बोझ बढ़ रहा है। दुनिया के अन्य देशों की तरह ही भारत भी अधिकांश वस्तुओं का चीन से आयात करता है। रूपये की कमजोरी से चीनी वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ रही है।

अब तक चीनी मुद्रा युयान भारतीय मुद्रा की तुलना में मजबूत हो रही है लेकिन जब डॉलर से तुलना की। जाती थी तो दोनों की स्थिति लगभग एक जैसी रहती थी मतलब डॉलर में भुगतान करना भारतीय कारोबारियों के लिए लाभकारी रहता था लेकिन अब डॉलर की तुलना में भी भारतीय मुद्रा कमजोर होती जा रही है जिससे चीनी वस्तुएं भी महंगी होती जा रही है। हालांकि चीन के लिये यह लाभदायक है। इससे भारतीय प्रतिस्पर्धा कमजोर हो रही है। पिछले कुछ महीने एक युयान के लिय 13.8 रूपये से लेकर 14.2 रूपये का भुगतान करना पड़ रहा है।

ऐसी स्थिति में मोदी सरकार के समक्ष विकार दर को बनाए रखने की बड़ी चुनौती है। सरकार के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक को भी महंगाई को काबू करने केंलिय मशक्कत करना पड़ सकता है। जब तक महंगाई नियंत्रित नहीं रहेगी तब तक विकास गतिविधियों को बनाए रखना भी चुनौतीपूर्ण ही रहेगा।

जून 2026 के पहले सप्ताह में भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक प्रस्तावित है और इसमें समिति को महंगाई को काबू में रखते हुए विकास को गति बनाए रखने की चुनौती होगी।

ईंधन की कीमतों में हो रही वृद्धि से विकास की गति को बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। अब तक सरकार ने लोगों को महंगाई से राहत देने के उद्देश्य से कोई उपाय नहीं किए हैं। अब ऐसा लग रहा है कि सरकार भी रिजर्व बैंक की ओर देश रहा ही।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

तीर तेवर — सागर कुमार

होर्मुज़ से व्हाइट हाउस तक: टकराव की राजनीति और शांति की विवशता

अशोक परुथी

मध्य-पूर्व एक बार फिर बारूद के ढेर पर बैठा दिखाई दे रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ती सैन्य गतिविधियाँ, परमाणु कार्यक्रम को लेकर आरोप-प्रत्यारोप, होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर तनाव और युद्धविराम के बावजूद जारी अविश्वास यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया का सबसे संवेदनशील भू-राजनीतिक क्षेत्र अभी स्थिरता से बहुत दूर है। परंतु एक प्रश्न उतना ही महत्वपूर्ण है जितना युद्ध का खतरा स्वयं—यदि यह संघर्ष आगे बढ़ता है, तो इसका अंत कहाँ और कैसे होगा?

इतिहास बताता है कि युद्ध अक्सर बड़े नारों और ऊँचे उद्देश्यों के साथ शुरू होते हैं, लेकिन समाप्ति प्रायः समझौतों, थकान और यथार्थ की कठोर ज़मीन पर होती है। अमेरिका और ईरान का संभावित युद्ध भी इससे अलग नहीं होगा।

अमेरिका की चिंता का केंद्र ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। वाशिंगटन को आशंका है कि यदि ईरान परमाणु हथियार क्षमता के निकट पहुँच गया तो पूरे मध्य-पूर्व में शक्ति संतुलन बदल जाएगा। दूसरी ओर, तेहरान इसे अपनी संप्रभुता और सुरक्षा का प्रश्न मानता है। ईरान का तर्क है कि दशकों के प्रतिबंधों, आर्थिक नाकेबंदी और सैन्य दबाव के बीच उसे अपनी सुरक्षा के लिए पर्याप्त प्रतिरोधक क्षमता चाहिए।

समस्या यह है कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की भाषा बोल रहे हैं, लेकिन एक-दूसरे की सुरक्षा आशंकाओं को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। यही वह बिंदु है जहाँ कूटनीति की

जगह सैन्य शक्ति ले लेती है।

हाल के महीनों में जिस प्रकार अमेरिकी अधिकारियों ने आवश्यकता पड़ने पर पुनः सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी है और दूसरी ओर ईरान ने अपनी मिसाइल तथा ड्रोन क्षमता का प्रदर्शन किया है, उससे स्पष्ट है कि दोनों देश केवल वार्ता की मेज़ पर नहीं, बल्कि युद्ध की संभावनाओं को ध्यान में रखकर भी तैयारी कर रहे हैं।

लेकिन प्रश्न यह है कि क्या अमेरिका वास्तव में एक लंबा युद्ध चाहता है?

अफगानिस्तान और इराक के अनुभव अमेरिकी नीति-निर्माताओं के सामने आज भी खड़े हैं। दो दशकों तक चले अभियानों ने अमेरिका को यह सिखाया कि किसी देश की सैन्य संरचना को क्षति पहुँचाना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन राजनीतिक स्थिरता स्थापित करना अत्यंत कठिन। ईरान इराक या अफगानिस्तान नहीं है। यह लगभग नौ करोड़ की आबादी वाला, गहरे राष्ट्रवादी भावनाओं से जुड़ा और क्षेत्रीय प्रभाव रखने वाला देश है।

युद्ध की स्थिति में अमेरिका कुछ महत्वपूर्ण सैन्य लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है, लेकिन क्या वह ईरान की राजनीतिक इच्छाशक्ति को समाप्त कर पाएगा? इसका उत्तर स्पष्ट नहीं है।

दूसरी ओर, ईरान भी जानता है कि वह पारंपरिक सैन्य शक्ति में अमेरिका की बराबरी नहीं कर सकता। इसलिए उसकी रणनीति प्रत्यक्ष विजय की नहीं, बल्कि प्रतिरोध की रही है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य, क्षेत्रीय सहयोगी समूहों का नेटवर्क, ड्रोन युद्ध और असममित सैन्य रणनीति उसके प्रमुख हथियार हैं। यही कारण है कि संघर्ष की स्थिति में भी ईरान का लक्ष्य अमेरिका को हराना नहीं, बल्कि उसे इतना महँगा युद्ध देना होगा कि वह राजनीतिक समझौते की ओर लौटने को विवश हो जाए।

युद्ध का एक और पक्ष है—विश्व अर्थव्यवस्था।

दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरता है। यदि यह मार्ग लंबे समय तक बाधित होता है तो तेल की कीमतें केवल बढ़ेंगी ही नहीं, बल्कि वैश्विक महँगाई, आपूर्ति संकट और आर्थिक अस्थिरता को भी जन्म देंगी। यूरोप, चीन, भारत और खाड़ी देशों के लिए यह केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रहेगा, बल्कि आर्थिक संकट का स्रोत बन जाएगा। यही कारण है कि अनेक देश पर्दे के पीछे कूटनीतिक प्रयासों में लगे हुए हैं।

दिलचस्प बात यह है कि युद्ध की भाषा जितनी आक्रामक होती जा रही है, उतनी ही सक्रिय शांति वार्ताएँ भी चल रही हैं। विभिन्न मध्यस्थ देशों के माध्यम से संपर्क बनाए रखने की कोशिशें जारी हैं। दोनों पक्ष सार्वजनिक मंचों पर कठोर बयान देते हैं, लेकिन साथ ही बातचीत के दरवाज़े पूरी तरह बंद भी नहीं करते।

यही तथ्य इस संघर्ष की वास्तविक दिशा को समझने में सहायता करता है।

अमेरिका और ईरान के बीच यह युद्ध यदि बढ़ता भी है, तो उसके अंत की सबसे संभावित तस्वीर किसी निर्णायक सैन्य विजय की नहीं होगी। यह संघर्ष अंततः एक ऐसे समझौते की ओर बढ़ेगा जिसमें दोनों पक्ष अपने-अपने समर्थकों को जीत का दावा करने का अवसर देंगे और साथ ही कुछ मूलभूत रियायतें भी स्वीकार करेंगे।

संभव है कि ईरान सीमित अंतरराष्ट्रीय निगरानी के तहत अपने परमाणु कार्यक्रम पर कुछ नियंत्रण स्वीकार करे। संभव है कि अमेरिका कुछ आर्थिक प्रतिबंधों में नरमी लाए। यह भी संभव है कि क्षेत्रीय सुरक्षा ढाँचे पर नए प्रकार की बातचीत शुरू हो। इन विकल्पों में से कोई भी आदर्श नहीं होगा, लेकिन युद्धों का अंत अक्सर आदर्श परिस्थितियों में नहीं, बल्कि उपलब्ध विकल्पों में कम बुरे विकल्प के चयन से होता है।

वास्तविकता यह है कि दोनों देशों की राजनीतिक व्यवस्थाएँ भी अनंतकाल तक तनाव का भार नहीं उठा सकतीं। ईरान आर्थिक दबाव झेल रहा है और अमेरिका वैश्विक स्तर पर चीन, रूस तथा अन्य रणनीतिक चुनौतियों से भी जूझ रहा है। ऐसे में एक लंबा और महँगा युद्ध दोनों के लिए लाभ का सौदा नहीं बन सकता।युद्ध का सबसे बड़ा भ्रम यह होता है कि वह समस्याओं का स्थायी समाधान दे सकता है। लेकिन आधुनिक विश्व में अधिकांश युद्ध केवल नए संकटों को जन्म देते हैं। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव का भी यही सच है। यदि दोनों पक्ष शक्ति-प्रदर्शन को ही अंतिम नीति मानते रहे तो क्षेत्र वर्षों तक अस्थिरता में डूब सकता है।

परंतु यदि वे यह स्वीकार कर लें कि पूर्ण विजय किसी के हिस्से नहीं आएगी, तो शायद कूटनीति वह रास्ता खोज ले जिसे युद्ध कभी नहीं खोज सकता।

अंततः यह संघर्ष रणभूमि पर नहीं, वार्ता की मेज़ पर समाप्त होगा। प्रश्न केवल इतना है कि वहाँ पहुँचने से पहले दुनिया को इसकी कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी।

107 सनसेट
ड्राइव,विक्टोरिया, TX,USA
Yahoo MailÑ
Search, Organize, Conquer

बाल संरक्षण की आवश्यकता और वैश्विक प्रयास

महेन्द्र तिवारी

अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस प्रत्येक वर्ष 1 जून को विश्वभर में मनाया जाता है। यह दिवस बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन के प्रति समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से समर्पित है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं क्योंकि वही भविष्य के नागरिक, वैज्ञानिक, शिक्षक, कलाकार और नीति निर्माता बनते हैं। यदि बच्चों को सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ वातावरण प्राप्त हो तो राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनता है, लेकिन यदि वे शोषण, हिंसा, गरीबी और उपेक्षा का सामना करते हैं तो समाज का विकास भी प्रभावित होता है। इसी कारण बाल सुरक्षा केवल सामाजिक विषय नहीं बल्कि मानवीय और नैतिक दायित्व भी है।

अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस का इतिहास 20वीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों से जुड़ा हुआ है। 1925 में स्विट्जरलैंड के जिनेवा में बच्चों के कल्याण पर एक महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसमें बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों पर विशेष चर्चा हुई। बाद में 1949 में मास्को में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला लोकतांत्रिक संघ की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बच्चों के संरक्षण और अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष दिवस मनाया जाना चाहिए। इसके बाद 1 जून 1950 को पहली बार अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस मनाया गया। उस समय द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण लाखों बच्चे अनाथ, विस्थापित और निर्धन हो चुके थे। युद्ध ने बच्चों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला था और उनकी सुरक्षा के लिए वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। यही कारण था कि इस दिवस को मानवीय संवेदना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का प्रतीक माना गया।

समय के साथ इस दिवस का महत्व लगातार बढ़ता गया। संयुक्त राष्ट्र ने भी बच्चों के अधिकारों को वैश्विक स्तर पर महत्व दिया। 1954 में विश्व बाल दिवस की स्थापना की गई और 20 नवंबर 1959 को बाल अधिकारों की घोषणा स्वीकार की गई। इसके बाद 1989 में बाल अधिकारों पर सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपनाया। इस सम्मेलन में बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, अभिव्यक्ति और विकास के अधिकारों को स्पष्ट रूप से मान्यता दी गई। आज विश्व के अधिकांश देश बाल अधिकारों को कानूनी संरक्षण प्रदान करते हैं, फिर भी अनेक क्षेत्रों में बच्चों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

बाल संरक्षण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष शिक्षा है। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि आत्मविश्वास, विवेक और व्यक्तित्व निर्माण का आधार है। एक शिक्षित बच्चा अपने अधिकारों को समझता है और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने में सक्षम बनता है। फिर भी आज विश्व में करोड़ों बच्चे विद्यालय से दूर हैं। गरीबी, युद्ध, सामाजिक असमानता और बाल श्रम इसके प्रमुख कारण हैं। अनेक बच्चे आर्थिक मजबूरी के कारण छोटी आयु में काम करने लगते हैं जिससे उनका बचपन छिन जाता है। बाल श्रम बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को प्रभावित करता है तथा उन्हें शोषण के चक्र में फँसा देता है। इसलिए सरकारों और सामाजिक संगठनों का यह दायित्व है कि वे प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा पहुँचाएँ और बाल श्रम को समाप्त करने के लिए कठोर कदम उठाएँ।

बोध कथा

शांति-धीरज महत्वपूर्ण...

नए विचारों का जन्म प्रकृति के बीच एकांत और शांति के द्वारा ही संभव है, कुछ पल एकांत में रहे।

एक बार महात्मा बुद्ध अपने शिष्य आनंद के साथ कहीं जा रहे थे। राह में काफी चलने के बाद दोपहर में एक वृक्ष तले विश्राम को रुक गए और उन्हें प्यास लगी। आनंद पास स्थित पहाड़ी झरने पर पानी लेने गया लेकिन झरने में अभी-अभी कुछ पशु दौड़ कर निकले थे। जिससे उसका पानी गंदा हो गया। पशुओं की भागदौड़ से झरने में कीचड़ ही कीचड़ और सड़े पत्ते बाहर उभर कर आ गए थे। गंदा पानी होने के कारण आनंद पानी बिना पीए ही लौट आए। उसने महात्मा से कहा कि झरने का पानी निर्मल नहीं है। मैं पीछे लौटकर नदी से पानी ले आता हूं , लेकिन नदी बहुत दूर थी तो बुद्ध ने उसे झरने का पानी ही लाने को वापस लौटा दिया। आनंद थोड़ी देर में फिर खाली लौट आया। पानी अब भी गंदा था। पर बुद्ध ने उसे इस बार भी वापस लौटा दिया। कुछ देर बाद जब तीसरी बार आनंद झरने के पास पहुंचा तो देखकर चकित हो गया। झरना अब बिल्कुल निर्मल और शांत हो गया था। कीचड़ बैठ गया था और जल बिल्कुल निर्मल हो गया था। महात्मा बुद्ध ने उसे समझाया कि यही स्थिति हमारे मन की भी है। जीवन की दौड़ - भाग मन को भी छिन्न कर देती है। मथ देती है पर कोई यदि शांति और धीरज से उसे बैठा देखता रहे तो कीचड़ अपने आप नीचे बैठ जाता है और सहज निर्मलता का आगमन हो जाता है।

हमें अपनी जिंदगी में भागदौड़ के बीच रोजाना कुछ पल अपने लिए भी निकालना चाहिए। इन पलों में शांति से एकांत में बैठकर अपनी समीक्षा करना चाहिए। विचारों की गति देखना चाहिए कि क्या मैं सही दिशा में जा रहा हूं। क्यों जीवन में बिना लक्ष्य के ही हम भागे चले जा रहे हैं। जीवन को समझना है तो एकांत और शांति में जाना होगा।

व्यंग्य केसरी

परमपूज्य खाली जी!

गिरीश पंकज

समाज में दो तरह के लोग होते हैं। एक वो जो बोझ उठाते हैं, और दूसरे वो जो खुद बोझ बन जाते हैं और इस बात का वे बाकायदा जश्न मनाते हैं। 'खाली आदमी' इसी दूसरी श्रेणी का मुकुटमणि है। उसके लिए जीवन एक मुफ़्त का बफ़े है, जहाँ उसे बस प्लेट उठाकर खड़े हो जाना है, भरने वाले तो बाकी के बेवकूफ लोग हैं ही।

सुबह देर से सोकर उठना, चाय की चुस्कियों के साथ अखबार में दूसरों की कमियां ढूंढना और फिर एक गहरी डकार लेकर कहना—'देश का कुछ नहीं हो सकता! '—यह खाली आदमी का दैनिक राष्ट्रीय कर्तव्य है। वह खाता है, जैसे खाने के लिए ही पैदा हुआ हो; वह पीता है, जैसे दुनिया का सारा पानी उसी के गले के लिए बना हो। जब वह हंसता है, तो उसकी हंसी में एक अजीब सी बेफिक्री होती है। यह वह हंसी है जो दूसरों के पसीने की कमाई पर मुफ्त का रायता फैलाने के बाद आती है।

ऐसे ही ?खाली आदमी हैं रामभरोसे. इन की सबसे बड़ी खूबी यह है कि उसकी नजर सब पर होती है, सिवाय खुद के। वह दुनिया के हर इंसान का एक्सरे कर सकता है, लेकिन जब खुद को आईने में देखने की बात आती है, तो उसे अचानक मोतियाबिंद हो जाता है।

?रामभरोसे का असली भोजन अनाज नहीं, बल्कि 'निंदा' है। सुबह की चाय से लेकर रात के पान तक, उसका मुख्य काम दूसरों के चरित्र की सिलाई उधेड़ना होता है. जैसे, ?शर्मा जी का लड़का फेल क्यों हुआ,क्योंकि बाप ने ध्यान नहीं दिया. (यह और बात है कि उनका खुद का बेटा बड़ा नालायक निकला)... ?वर्मा जी की कार नई कैसे आई? पक्का कोई दो नंबर का धंधा है. (खुद नंबर धोखा काम करने में माहिर) ?देश की अर्थव्यवस्था नीचे क्यों जा रही है? (अगर मैं प्रधानमंत्री होता तो...)

रामभरोसे खुद एक तिनका नहीं हिलाता, लेकिन सलाह ऐसी देता है जैसे देश से लेकर नासा और इसरो उसी के मशवरे पर चल रहे हों। उसके पास हर समस्या का समाधान है, बशर्ते वह समस्या उसकी खुद की न हो।

रामभरोसे ?कुछ इस अंदाज़ में जीता है जैसे उसने समाज पर कोई बहुत बड़ा अहसान कर रखा हो। मौज-मस्ती, गप्पें और मुफ्त की रोटियां तोड़ते-तोड़ते एक दिन उसका शरीर भी थक जाता है। राम भरोसे जैसे लोग एक सुबह वह चुपचाप मर जाते हैं । ?उसके मरने पर चार लोग कंधे पर उठाते हुए कहते हैं— 'अरे, बहुत भले आदमी थे, कभी किसी से कोई लेना-देना नहीं था।

सच्चाई भी यही है! उन्होंने जिंदगी भर समाज से सिर्फ 'लिया' ही लिया, 'दिया' तो कुछ भी नहीं—यहाँ तक कि अपनी कमियों पर एक नजर भी नहीं दी। वह समाज पर एक ऐसा बोझ था, जो आया भी खामोशी से और गया भी खामोशी से, पीछे छोड़ गया तो बस कुछ खाली बर्तन और ढेर सारी दूसरों की बुराइयाँ। राम भरोसे के देखने वाले लोग सोचते हैं कि हे भगवान! किसी भी इंसान को इतना खाली बिना बने कि वह समाज का बड़का वाला बोझ बन जाए।

इतिहास

31 मई को इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं घटी हैं। इस दिन को 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' (World No Tobacco Day) के रूप में मनाया जाता है।31 मई की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं:1727: फ्रांसीसी खगोलशास्त्री और भौतिक विज्ञानी जीन-मैरिएन मैराल्डी (Jean-Dominique Maraldi) ने 'कैलिस्टो' की खोज की, जो बृहस्पति (Jupiter) का सबसे बड़ा चंद्रमा है।1878: जर्मन नौसेना का युद्धपोत SMS Grosser Kurfurst इंग्लिश चैनल में एक अन्य जर्मन युद्धपोत से टकराकर डूब गया, जिसमें लगभग 280 लोग मारे गए।1959: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता और विचारक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 'भारतीय जनसंघ' के अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला।1977: 'बॉम्बे हाई' से देश के पहले व्यावसायिक उत्पादन (Commercial production) की शुरुआत हुई।

संक्षिप्त खबरें

बीजापुर के सीमावर्ती गांव कोत्तापल्ली को मुख्य मार्ग से जोड़ने की मांग

बीजापुर। जिले के उसूर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पुजारी कांकेर का आश्रित गांव कोत्तापल्ली आजादी के 79 वर्ष बाद भी सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित यह गांव सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और मोबाइल नेटवर्क जैसी मूलभूत सुविधाओं से अब भी वंचित है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से जनप्रतिनिधियों और प्रशासन का ध्यान इस गांव की ओर नहीं गया, जिससे यहां के लोग अनेक समस्याओं का सामना करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने उसूर से तेलंगाना के पुसगुप्फा तक सड़क निर्माण कराया है, लेकिन कोत्तापल्ली को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली सड़क आज तक नहीं बन सकी। जबकि क्षेत्र में नक्सल प्रभाव लगभग समाप्त हो चुका है। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से गांव तक सर्व मौसम सड़क, स्वास्थ्य सुविधा, बिजली, शिक्षा और संचार व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि कोत्तापल्ली भी विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके। कोत्तापल्ली गांव तक पहुंचने के लिए आज भी कोई पक्की सड़क उपलब्ध नहीं है। भीमाराम और रायपुरम के बीच स्थित एक बिंदु से गांव की दूरी लगभग 20 से 25 किलोमीटर है, जहां तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को पथरीले रास्तों, नदी-नालों और जंगलों से होकर गुजरना पड़ता है। बरसात के दिनों में नदी-नाले उफान पर होने से आवागमन और भी कठिन हो जाता है। ऐसे समय में ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर सरकारी कार्यों के लिए लगभग 52 किलोमीटर दूर आवापल्ली ब्लॉक मुख्यालय पहुंचने को मजबूर होते हैं।

तेंदूपत्ता से भरे ट्रक में लगी आग

नारायणपुर। जिले की सोनपुर समिति से तेंदूपत्ता भरकर नारायणपुर जा रहे एक ट्रक में कोयलीबेड़ा क्षेत्र में रविवार को अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे ट्रक में भरा तेंदूपत्ता और वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। मिली जानकारी के अनुसार ट्रक सोनपुर समिति से तेंदूपत्ता लेकर कोयलीबेड़ा मार्ग से नारायणपुर की ओर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में अचानक धुआं उठने लगा और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही कोयलीबेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। इस हादसे में लाखों रुपये के तेंदूपत्ता एवं वाहन नुकसान का हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक की हत्या कर शव के किए, कई टुकड़े, बोरी में भरकर खेत में फेंका

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले से एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है,पांडातराई थाना क्षेत्र के ग्राम सोंढा में अज्ञात आरोपियों ने एक युवक की निर्मम हत्या कर दी, हत्या के बाद आरोपियों ने साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव के कई टुकड़े कर उन्हें एक बोरी में भरकर खेत में फेंक दिया,इस जघन्य वारदात से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है,

जानकारी के अनुसार, खेत के आसपास से गुजर रहे ग्रामीणों को पिछले कुछ दिनों से तेज दुर्गंध महसूस हो रही थी,जब बदबू असहनीय हो गई, तो ग्रामीणों ने इसकी सूचना पांडातराई पुलिस को दी,सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची,और खेत में पड़ी एक संदिग्ध बोरी की जांच की बोरी खोलते ही अंदर युवक का क्षत-विक्षत शव देखकर सभी स्तब्ध रह गए।

छत्तीसगढ़ के 4 लोगों की हिमाचल हादसे में मौत

500 मीटर गहरी खाई में गिरी कार, 8 की मौत, बेंगलुरु में रहता था परिवार

दुर्ग/भिलाई। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में घूमने गए बेंगलुरु के 2 परिवारों की खुशियां सड़क हादसे में मातम में बदल गईं। बैरागढ़-साच पास-किलाड़ मार्ग पर एक अर्टिगा कार करीब 500 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 2 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में छत्तीसगढ़ के भिलाई के एक परिवार के 4 लोग शामिल है।

भिलाई में मृतकों के परिवार से बातचीत करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने बात करने से इनकार कर दिया। दंपती अपने बच्चों के साथ बेंगलुरु में रहते थे, वहीं जॉब कर रहे थे। यह सभी पर्यटक बेंगलुरु से हिमाचल प्रदेश घूमने आए थे और बर्फबारी का आनंद लेने साच पास जा रहे थे।

जानकारी के मुताबिक, हादसा चंबा जिले के चुराह उपमंडल के कालावन क्षेत्र के पास शुक्रवार रात को हुआ है। दोनों परिवारों ने डलहौजी से एक टैक्सी बुक की थी और साच पास इलाके में बर्फ और प्राकृतिक सौंदर्य देखने के लिए रवाना हुए थे। देर रात कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। खाई की गहराई ज्यादा होने के कारण कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार किसी भी व्यक्ति को बचने का मौका नहीं मिला। जब टैक्सी देर रात तक डलहौजी नहीं लौटी तो वाहन मालिक को अनहोनी की आशंका हुई। उसने वाहन की जीपीएस लोकेशन जांची, जो कालावन क्षेत्र के पास एक ही स्थान पर स्थिर दिखाई दे रही थी। काफी देर तक कोई गतिविधि नहीं मिलने पर स्थानीय स्तर पर खोजबीन शुरू की गई। शनिवार दोपहर वाहन के खाई में गिरने की जानकारी सामने आई, जिसके बाद पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई।

दुर्गम क्षेत्र होने से रेस्क्यू में आई दिक्कत

दुर्घटना स्थल बेहद दुर्गम इलाके में होने के कारण राहत और बचाव कार्य प्रभावित हुआ। खड़ी पहाड़ियां, गहरी खाई, पथरीला रास्ता और खराब मौसम के चलते शनिवार को शवों को बाहर निकालना संभव नहीं हो सका। इसके अलावा क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क नहीं होने से बचाव दल और प्रशासन के बीच समन्वय बनाने में भी परेशानी हुई।

ह्यूमन चेन बनाकर निकाले गए शव

रविवार सुबह पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से बड़े स्तर पर रेस्क्यू अभियान चलाया। खाई की गहराई को देखते हुए लोगों ने ह्यूमन चेन बनाई और रस्सियों की मदद से एक-एक कर शवों को ऊपर सड़क तक पहुंचाया। कई घंटे तक चले अभियान के बाद सभी 8 शवों को खाई से बाहर निकाल लिया गया। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। प्रशासन मृतकों के परिजनों के संपर्क में है और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की बात कही गई है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मृतकों में भिलाई के अरविंद चंद्राकर, उनकी पत्नी पिंकी चंद्राकर, उनके बच्चे और परिवार के सदस्य शामिल बताए जा रहे हैं। परिवार लंबे समय से बेंगलुरु में रहकर नौकरी कर रहा था। हालांकि, प्रशासन की ओर से अभी मृतकों की आधिकारिक सूची जारी नहीं की गई है। हिमाचल पुलिस ने हादसे की जानकारी दुर्ग पुलिस को भी दी है। इसके बाद शनिवार रात दुर्ग पुलिस ने मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दी। बताया जा रहा है कि परिवार के कुछ सदस्य हिमाचल प्रदेश के लिए रवाना हो चुके हैं।

76वीं जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ की बेटी ने जीता गोल्ड

रायपुर। पुडुचेरी में आयोजित 76वीं जूनियर नेशनलबॉल चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ की बेटियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। इस प्रतियोगिता के फाइनल में छत्तीसगढ़ की टीम ने केरल को 55-51 से हराकर ट्रॉफी पर कब्ज़ा कर लिया। फाइनल गैजेट में दोनों टीमों के बीच सीक्वल मुकाबला देखने को मिला। टीम ने दबाव में भी शानदार खेल दिखाते हुए जीत हासिल की।

76वीं जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप: सीएम विष्णुदेव ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता राज्य की उभरती खेल प्रतिभाओं के उज्जवल भविष्य का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि, बेटी ने पूरे प्रदेश का मान बढ़ाया है और अपनी मेहनत, लगन और दान का यह गौरवपूर्ण मान है। 76वीं जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैम्पियनशिप: बॉल फेडरेशन ऑफ और पांडिचेरीबॉल एसोसिएशन इंडिया के अनायोज़ में यह प्रतियोगिता 22 से 29 मई 2026 तक आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में यूनिवर्सिट की टेबल ने हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ की इस उपलब्धि को महिला खेलों के लिए एक बड़ी प्रेरणा माना जा रहा है।

अवैध संबंध का संदेह, युवक की हत्या

बिलासपुर। जिले के सकरी थाना क्षेत्र की सैदा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में चरित्र पर संदेह के चलते एक बेहद चौंकाने वाली हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। मूल रूप से मुंगेली के रहने वाले और पेशे से शिक्षक शिव कांबले को अपनी पत्नी और राम्हेपुर निवासी दावेंद्र बघेल (27) के बीच अवैध संबंध होने का गहरा शक था। इस बात को लेकर घर में लंबे समय से मानसिक तनाव और घरेलू विवाद चल रहा था। इसी कलह और बदनामी से बचने के लिए यह परिवार महज छह दिन पहले ही मुंगेली छोड़कर बिलासपुर की इस कॉलोनी में शिफ्ट हुआ था, लेकिन इसके बावजूद उनके बीच का विवाद शांत नहीं हुआ।

शनिवार को घर में मौजूद शिव कांबले, उसकी पत्नी और बेटे के बीच इसी विषय पर दोबारा तीखी बहस शुरू हुई। विवाद के दौरान पति ने पत्नी पर दबाव डाला कि वह अपने कथित परिचित दावेंद्र बघेल को फोन करके घर बुलाए ताकि आमने-सामने बात की जा सके। पत्नी के बुलाने पर दावेंद्र बघेल उनके बिलासपुर स्थित नए मकान में पहुंचा। शुरुआत में तीनों के बीच बातचीत हो रही थी, लेकिन देखते ही देखते माहौल बेहद तनावपूर्ण और हिंसक हो गया।

मामले को बिगड़ता देख और किसी अनहोनी की आशंका से घबराकर महिला तुरंत घर से भागकर सीधे सकरी थाने पहुंची और पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। महिला की सूचना पर जब तक पुलिस की टीम मौके पर पहुंचती, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और दावेंद्र की मौत हो चुकी थी। प्राथमिक जांच और फॉरेंसिक (स्नस्रु) टीम की पड़ताल में सामने आया है कि आरोपियों ने दावेंद्र के साथ बेरहमी से मारपीट की और फिर गला दबाकर उसे मौत के घाट उतार दिया। महिला ने इस घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को भी दी, जिसके बाद उनके रिश्तेदारों की मौजूदगी में शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सिम्स अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फरार होने की कोशिश कर रहे आरोपी पति और बेटे को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा की जाएगी।

कुत्ते के काटने से मौत पर पिता ने मांगा मुआवजा, सरकार बोली- कोई नियम नहीं

बिलासपुर। कुत्ते के काटने से बेटे की मौत पर पिता ने राज्य शासन से 4 लाख मुआवजे की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। मामले में सरकार ने कोर्ट में कहा कि कुत्ते के काटने से मौत पर मुआवजा देने का कोई स्पष्ट नियम मौजूद नहीं है। इस पर हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव से शपथ पत्र के साथ विस्तृत जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता धीरज पारधी ने बताया कि उसके बेटे की मौत कुत्ते के काटने से हुई। आरोप है कि आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या के बावजूद प्रशासन ने प्रभावी नियंत्रण नहीं किया, जिससे यह घटना हुई। याचिका में स्थानीय प्रशासन और विभागों की लापरवाही को जिम्मेदार बताते हुए 4 लाख क्षतिपूर्ति की मांग की गई है।

जस्टिस एनके व्यास की वेकेशन बेंच में सुनवाई के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता आरके गुप्ता ने कहा कि फिलहाल शासन के पास ऐसा कोई नियम नहीं है, जिसके तहत कुत्ते के काटने से मौत पर मुआवजा दिया जा सके।

हाईकोर्ट सख्त: क्या कदम उठाए जा रहे?

कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए मुख्य सचिव से पूछा है कि आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही यह भी पूछा कि कुत्तों के हमले से मौत या गंभीर चोट पर पीड़ित परिवार को राहत देने की कोई नीति क्यों नहीं बनाई गई। 30 जून को अगली सुनवाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 30 जून तय की है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि हाईकोर्ट का निर्देश भविष्य में मुआवजा नीति की दिशा तय कर सकता है। इस मामले ने राज्य सरकार को असमंजस में डाल दिया है। एक तरफ जनसुरक्षा का सवाल है, दूसरी तरफ कानूनी प्रावधान का अभाव।

धरमलाल कौशिक और राजेंद्र शुक्ला के बीच तीखी बहस

बिलासपुर। बिलासपुर के बिल्हा इलाके में सरकारी कार्यक्रम के दौरान वो हो गया जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। सुशासन तिहार के मंच पर ही बीजेपी विधायक धरमलाल कौशिक और सीनियर कांग्रेसी नेता राजेंद्र शुक्ला आपस में भिड़ गए। बात इतनी बढ़ गई कि पंडाल में गाली-गलौज और चोर-चोर के नारे गूंजने लगे।

जनता की समस्या पर शुरू हुई बहस

बिल्हा विधानसभा के ग्राम गोढ़ी में सुशासन तिहार का शिविर लगा था। बड़ी संख्या में गांव वाले अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे थे। इसी बीच कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ला ने माइक संभाला और बिजली, पानी, खराब सड़कों और किसानों को खाद-बीज न मिलने का मुद्दा उठा दिया। उन्होंने सीधे अफसरों को घेरा। जनता ने भी हां में हां मिलाना शुरू कर दिया। बस यहीं से माहौल गर्माना शुरू हुआ।

जब गूंजे चोर-चोर के नारे

राजेंद्र शुक्ला के तीखे सवालों के बाद पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और स्थानीय विधायक धरमलाल कौशिक जवाब देने खड़े हुए। उन्होंने सरकार का बचाव किया। लेकिन बात संभलने के बजाय और बिगड़ गई। दोनों नेताओं के बीच मंच पर ही सीधी बहस छिड़ गई। नेता भिड़े तो समर्थक भी कहां पीछे रहने वाले थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सामने खड़े होकर चोर-चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए।

नारेबाजी सुनते ही विधायक धरमलाल कौशिक अपना गुस्सा काबू नहीं रख पाए। उन्होंने मंच से ही कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को सरेआम गाली दे दी। गाली सुनते ही पंडाल में हंगामा और ज्यादा बढ़ गया। दोनों तरफ के लोग आमने-सामने आ गए। मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। उन्होंने तुरंत बीच-बचाव किया और दोनों पक्षों को शांत कराया, तब जाकर मामला थमा।

दुर्ग में भी हो चुका है ऐसा ही बवाल

नेताओं और अफसरों के बीच टकराव का यह कोई पहला मामला नहीं है। अभी दो दिन पहले ही दुर्ग जिले के थनौद गांव में भी ऐसा ही तमाशा हुआ था।

विधायक दीपेश की सामूहिक विवाह में शादी : ई-रिक्शा से पहुंचे सभी दूल्हे

बेमेतरा। दीपेश साहू करीब 10 साल तक सरकारी स्कूल में शिक्षक रहे। इसके बाद उन्होंने नौकरी छोड़कर राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। भाजपा में शामिल होने के बाद वे पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष समेत कई संगठनात्मक पदों पर रहे। वर्तमान में वे बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

तरुणा साहू मूल रूप से दुर्ग जिले की धमधा तहसील के बिरोदा गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने ग्रेजुएट तक पढ़ाई की है। पिता देवनारायण साहू पेशे से ड्राइवर हैं, जबकि माता मालती साहू गृहिणी हैं। परिवार में उनके एक भाई टिकेंद्र साहू हैं। वर्तमान में उनका परिवार बेमेतरा में रहता है।

दीपेश और तरुणा 31 मई यानी आज मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शादी के बंधन में बंधेंगे। कार्यक्रम में अन्य जोड़ों के साथ दोनों भी एक ही मंच पर सात फेरे लेंगे।

महिला-बाल विकास विभाग की ओर से बेमेतरा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में 21 जोड़ों का विवाह होगा, जिनमें विधायक दीपेश साहू और तरुणा साहू भी शामिल हैं। विभाग के मुताबिक दोनों का रजिस्ट्रेशन योजना के नियमों के तहत किया गया है।

विधायक दीपेश साहू की बारात बैलगाड़ी से निकलेगी। आयोजन से जुड़े लोगों का कहना है कि स्थानीय ग्रामीण परंपरा और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था की गई है। शादी समारोह को लेकर शहर और आसपास के गांवों में चर्चा है।

मुख्यमंत्री समेत कई मंत्री रहेंगे मौजूद

सामूहिक विवाह समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा सरकार के कई मंत्री, विधायक और जनप्रतिनिधियों के भी कार्यक्रम में पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं की तैयारी पूरी कर ली है।

मीडिया से बातचीत में दीपेश साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत मिलने वाली राशि वे मेधावी छात्राओं की शिक्षा के लिए देंगे। उन्होंने कहा कि यह राशि उनके निजी उपयोग में नहीं लाई जाएगी।

कांग्रेस ने पात्रता पर उठाए सवाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने विधायक की शादी को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए बनाई गई है। ऐसे में यह स्पष्ट होना चाहिए कि क्या किसी विधायक का इस योजना के तहत विवाह करना पात्रता के दायरे में आता है।

विधायक का जवाब- लड़की बीपीएल परिवार से है

कांग्रेस के सवालों पर विधायक दीपेश साहू ने कहा कि योजना में पात्रता का आधार लड़की का परिवार होता है। उन्होंने बताया कि जिनसे वे विवाह करने जा रहे हैं, वे BPL परिवार से हैं और इसी आधार पर योजना के तहत रजिस्ट्रेशन कराया गया है।

अमृतधारा में सुरक्षा व्यवस्था चौकस प्रशासन ने लगाए चेतावनी बोर्ड

मनेन्द्रगढ़। अमृतधारा जलप्रपात में हाल ही में हुई दुखद घटना के बाद जिला प्रशासन ने पर्यटकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए त्वरित कदम उठाए हैं। प्रशासन द्वारा जलप्रपात क्षेत्र के संवेदनशील एवं दुर्घटना संभावित स्थानों पर चेतावनी एवं सुरक्षा सूचना बोर्ड स्थापित किए गए हैं, ताकि पर्यटक सुरक्षित रहें और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति न हो। प्रशासन की पहल पर अमृतधारा परिसर में ऐसे स्थानों को चिन्हित किया गया है जहां फिसलन या गहराई के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इन स्थानों पर स्पष्ट रूप से चेतावनी संदेश प्रदर्शित किए गए हैं, जिनमें पर्यटकों से सावधानी बरतने और प्रतिबंधित क्षेत्रों में न जाने की अपील की गई है। जिला प्रशासन ने पर्यटकों से अपील की है कि वे निर्धारित सुरक्षा निर्देशों का पालन करें, चेतावनी बोर्डों पर अंकित संदेशों को गंभीरता से लें तथा किसी भी जोखिमपूर्ण गतिविधि से बचें। प्रशासन का उद्देश्य अमृतधारा को सुरक्षित, व्यवस्थित और पर्यटक-अनुकूल स्थल के रूप में विकसित करना है, ताकि यहां आने वाले लोग प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद सुरक्षित वातावरण में ले सकें।

मुंबई में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन मई में 12 हजार के पार; स्टांप ड्यूटी कलेक्शन 1,051 करोड़ रुपए रहा

मुंबई। मुंबई में आवासीय रियल एस्टेट मार्केट लगातार मजबूत बना हुआ है और मई 2026 में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की सीमाओं में 12,315 प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन दर्ज किए गए, जो कि इस महीने के लिए बीते 14 वर्षों में सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह जानकारी रविवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

नाइट फ्रैंक इंडिया द्वारा विश्लेषण किए गए आंकड़ों के अनुसार, मई में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन में साल-दर-साल आधार पर 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो बाजार की बदलती परिस्थितियों के बावजूद घर खरीदारों की निरंतर मांग को दिखाती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि मई में महाराष्ट्र सरकार ने स्टांप ड्यूटी कलेक्शन के रूप में 1,051 करोड़ रुपए अर्जित किए हैं। प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन की वॉल्यूम में वृद्धि होने के बाद भी स्टांप ड्यूटी कलेक्शन में मई 2025 के मुकाबले एक प्रतिशत की कमजोरी देखने को मिली है। नाइट फ्रैंक ने इस गिरावट का कारण लेनदेन के मिश्रण में बदलाव को बताया, जो रजिस्टर की जा रही प्रॉपर्टी के मूल्य में नरमी का संकेत देता है।

महीने-दर-महीने आधार पर, मई में संपत्ति पंजीकरण अप्रैल 2026 के स्तर से 14 प्रतिशत कम हो गए, जबकि स्टांप शुल्क राजस्व संग्रह में 9 प्रतिशत की गिरावट आई। क्रमिक मंदी के बावजूद, वार्षिक वृद्धि का रुझान शहर के आवासीय बाजार में मजबूत मांग की ओर इशारा करता है।

बाजार के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, नाइट फ्रैंक इंडिया में इंटरनेशनल पार्टनर, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर शिशिर बैजल ने कहा कि मुंबई का आवासीय बाजार मजबूत लचीलापन प्रदर्शित कर रहा है, और मई 2026 में एक दशक से अधिक समय में इस महीने का सबसे मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया गया है। बैजल ने कहा, 'पंजीकरण की निरंतर मात्रा अंतिम-उपभोक्ताओं की मांग की गहराई और शहर के आवास बाजार में विश्वास को दर्शाती है। हालांकि स्टांप शुल्क संग्रह में मामूली कमी आई है, जो लेनदेन मूल्यों में कुछ सामान्यीकरण का संकेत देती है, लेकिन स्थिर मांग, बढ़ती सामर्थ्य और खरीदारों के बीच घर के स्वामित्व की निरंतर प्राथमिकता के कारण समग्र बाजार के बुनियादी सिद्धांत मजबूत बने हुए हैं।

आज से पेट्रोल, डीजल और एटीएफ के निर्यात शुल्क में बदलाव, घरेलू ईंधन दरें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1 जून से शुरू होने वाले पखवाड़े के लिए पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाले निर्यात शुल्क में संशोधन किया है।

एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क 1.5 रुपए प्रति लीटर, डीजल के निर्यात पर 13.5 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ के निर्यात पर 9.5 रुपए प्रति लीटर निर्धारित किया गया है।

हालांकि, सरकार ने घरेलू बाजार में बिकने वाले पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली उत्पाद शुल्क के दरों में कोई बदलाव नहीं किया है।

अधिसूचना के अनुसार, नई दरें कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ की अंतरराष्ट्रीय औसत कीमतों को ध्यान में रखते हुए तय की गई हैं, जो पिछली समीक्षा के बाद की अवधि में प्रचलित थीं।

श्चिम एशिया संकट के बीच देश में पेट्रोलियम उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और निर्यात को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 27 मार्च 2026 को इन निर्यात शुल्कों को लागू किया गया था। इससे पहले आखिरी संशोधन 16 मई 2026 से प्रभावी हुआ था।

16 मई को सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्यात कर में बदलाव करते हुए पेट्रोल के निर्यात पर 3 रुपए प्रति लीटर का विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) लगाया था, जबकि डीजल पर शुल्क घटाकर 16.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया था।

वित्त मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया था कि पेट्रोल निर्यात पर 3 रुपए प्रति लीटर की नई दर लागू होगी, जबकि डीजल पर शुल्क 16.5 रुपए प्रति लीटर निर्धारित किया गया था। इसके साथ ही पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर सड़क एवं अवसंरचना उपकर को शून्य कर दिया गया था। घरेलू ईंधन कर दरों में तब भी कोई बदलाव नहीं किया गया था।

इससे पहले डीजल पर निर्यात शुल्क में कई बार बदलाव किया गया।

'बुढ़ापे की लाठी' बन सकती है ये सरकारी स्कीम! हर महीने सिर्फ 55 रुपए जमा करके पा सकते हैं 3,000 रुपए मासिक पेंशन

नई दिल्ली। देश के करोड़ों असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए बुढ़ापे में नियमित आय की व्यवस्था करना हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पीएम-एसवाईएम) संचालित कर रही है। यह एक ऐसी पेंशन योजना है, जिसके तहत बहुत कम मासिक योगदान देकर भविष्य में सुनिश्चित पेंशन का लाभ लिया जा सकता है। इस योजना का उद्देश्य उन श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, जो रोजमर्रा की आय पर निर्भर रहते हैं और रिटायरमेंट के बाद आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं होता।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत लाभार्थी को 60 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद हर महीने 3,000 रुपए की निश्चित पेंशन दी जाती है। यानी सालाना 36,000 रुपए की आय सुनिश्चित होती है। खास बात यह है कि योजना में जितनी राशि लाभार्थी जमा करता है, उतनी ही राशि केंद्र सरकार भी उसके खाते में योगदान के रूप में जमा करती है। इस तरह व्यक्ति की बचत पर सरकार भी बराबर की भागीदारी निभाती है।

यह योजना मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए बनाई गई है। इसमें रेहड़ी-पटरी विक्रेता, रिक्शा चालक, घरेलू कामगार, निर्माण मजदूर, खेतिहर श्रमिक, बुनकर, मोची, धोबी और इसी तरह के अन्य कामगार शामिल हैं। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए और उसकी मासिक आय 15,000 रुपए या उससे कम होनी चाहिए।

हालांकि, जो व्यक्ति पहले से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) या राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) जैसी योजनाओं का सदस्य है अथवा आयकरदाता है, वह इस योजना के लिए पात्र नहीं माना जाता। इस योजना में जमा की जाने वाली राशि व्यक्ति की उम्र के अनुसार निर्धारित होती है। यदि कोई व्यक्ति 18 वर्ष की आयु में स्कीम से जुड़ता है, तो उसे केवल 55 रुपए प्रति माह जमा करने होते हैं। सरकार भी उसके खाते में 55 रुपए का योगदान देती है। इसी प्रकार उम्र बढ़ने के साथ मासिक योगदान की राशि भी बढ़ती जाती है।

इजमायट्रिप ने वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में दर्ज किया 15.4 करोड़ रुपए का नुकसान

मुंबई । ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी इजमायट्रिप वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में फायदे से घाटे में फिसल गई है और जनवरी से मार्च की अवधि में कंपनी को 15.4 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जबकि वित्त वर्ष 25 की समान अवधि में कंपनी को 13.9 करोड़ रुपए का फायदा हुआ था।

इससे पहले वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में कंपनी को 3.4 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

वित्त वर्ष 26 की मार्च तिमाही में घाटे के बावजूद कंपनी की ऑपरेशंस से आय सालाना आधार 8.9 प्रतिशत बढ़कर 151.9 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 139.5 करोड़ रुपए थी।

तिमाही आधार पर इसमें मामूली बढ़त देखी गई है और यह वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में 151.6 करोड़ रुपए पर थी।

अन्य आय को भी मिला दिया जाए तो कंपनी की कुल आय वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 166 करोड़ रुपए रही है।

मार्च तिमाही में कंपनी का खर्च सालाना आधार पर 38.6 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 18.4 प्रतिशत बढ़कर 153.2 करोड़ रुपए हो गया है।

वित्त वर्ष 2026 के पूरे वर्ष के लिए, इजमायट्रिप ने 47.5 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 2025 में कंपनी को 108.6 करोड़ रुपए का लाभ हुआ था।

परिचालन से आय भी पिछले वित्त वर्ष के 587.3 करोड़ रुपए से 8.8 प्रतिशत घटकर 535.7 करोड़ रुपए रह गई है।

वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 85.8 प्रतिशत से अधिक गिरकर 22.9 करोड़ रुपए रह गया, जबकि ईबीआईटीडीए मार्जिन वित्त वर्ष 2025 के 26.7 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत रह गया।

कंपनी ने मार्च तिमाही के ईबीआईटीडीए आंकड़े जारी नहीं किए।

कंपनी का एयर टिकटिंग बिजनेस आय में सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना रहा, हालांकि वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में इस सेगमेंट से आय 14.7 प्रतिशत गिरकर 80 करोड़ रुपए रह गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में यह 93.9 करोड़ रुपए थी। इसके विपरीत, होटल और हॉलिडे पैकेज व्यवसाय में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें आय में लगभग 148 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह तिमाही के दौरान 57.8 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में यह 23.3 करोड़ रुपए था।

टॉप-10 कंपनियों में से 7 का मार्केट कैप एक हफ्ते में 1.54 लाख करोड़ रुपए घटा

मुंबई । छुट्टियों के कारण छोटे रहे कारोबारी सप्ताह के दौरान भारत की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 7 के संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 1.54 लाख करोड़ रुपए की गिरावट दर्ज की गई।

इस सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 639.61 अंक यानी 0.84 प्रतिशत गिरा, जबकि निफ्टी 171.55 अंक यानी 0.72 प्रतिशत फिसला, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेशकों की सतर्कता के कारण दबाव बना रहा।

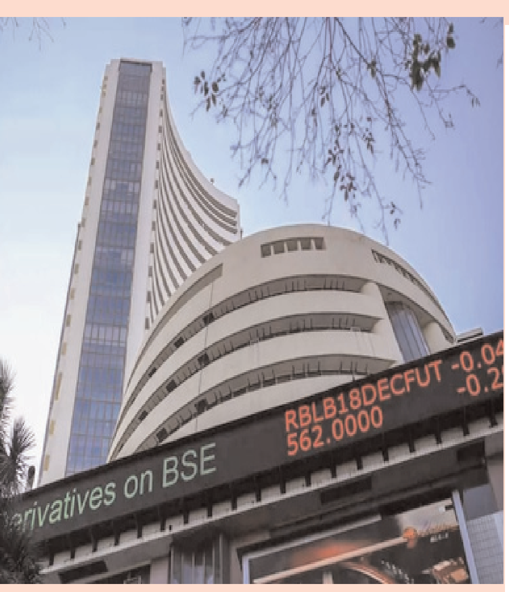

निफ्टी के तकनीकी विश्लेषण पर टिप्पणी करते हुए विशेषज्ञों ने कहा कि ऊपर की ओर इमीडिएट रेजिस्टेंस स्तर 23,900 और 24,100 पर हैं। वहीं नीचे की ओर 23,400 और 23,200 के स्तर महत्वपूर्ण सपोर्ट के रूप में देखे जा रहे हैं।

एक विश्लेषक ने कहा, 'यदि निफ्टी 23,200 के स्तर से नीचे निर्णायक रूप से टूटता है तो बाजार में नई बिकवाली देखने को मिल सकती है। वहीं 24,100 के ऊपर लगातार कारोबार होने पर निवेशकों का भरोसा बढ़ सकता है और बाजार में रिकवरी देखने को मिल सकती है।'

सूचीबद्ध कंपनियों में सबसे बड़ी गिरावट एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में दर्ज की गई, और बैंक का बाजार मूल्य 33,333.06 करोड़ रुपए घटकर 11.46 लाख करोड़ रुपए रह गया।

टेलीकॉम क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल का मार्केट कैप 25,408.96 करोड़ रुपए घटकर 11.14 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्य 22,920.58 करोड़ रुपए कम होकर 8.15 लाख करोड़ रुपए रह गया।

हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 13,169.46 करोड़ रुपए घटकर 5.04 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। बजाज फाइनेंस के बाजार मूल्य में भी 7,253.24 करोड़ रुपए की कमी आई, जिससे इसका मार्केट कैप 5.63 लाख करोड़ रुपए रह गया। वहीं आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैपिटलाइजेशन 6,311.41 करोड़ रुपए घटकर 9 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

हालांकि, व्यापक बाजार में कमजोरी के बावजूद तीन कंपनियां अपने बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैपिटलाइजेशन) में बढ़ोतरी दर्ज कराने में सफल रहीं।

लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) टॉप-10 कंपनियों में सबसे बड़ी बढ़त हासिल करने वाली कंपनी रही, जिसके मार्केट कैप में 20,608.43 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 5.61 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

वहीं, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने भी मजबूत प्रदर्शन किया और इसका मार्केट कैप 13,753.62 करोड़ रुपए बढ़कर 8.90 लाख करोड़ रुपए हो गया। वहीं भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्य में 6,040.37 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई, जिससे इसका बाजार पूंजीकरण 5.20 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल प्रमुख स्थान पर बने रहे। इनके बाद आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

जून की एमपीसी बैठक में रेपो रेट में बदलाव की संभावना कम, वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी वृद्धि 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमानः एसबीआई रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जून में होने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो दरों में बढ़ोतरी से फिलहाल परहेज कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू मुद्रा पर दबाव को नियंत्रित करने के लिए आरबीआई को अल्पकालिक ब्याज दरों और अन्य नीतिगत उपायों का इस्तेमाल करना चाहिए।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमारा अनुमान है कि ब्याज दरों को फिलहाल यथावत रखा जाएगा और आगे का फैसला आने वाले आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा। हालांकि, महंगाई को नियंत्रित करने वाला केंद्रीय बैंक बाजार की स्थिति को संभालने के लिए 'ऑपरेशन ट्विस्ट' जैसे ब्याज दर आधारित उपकरणों का उपयोग कर सकता है।'

रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि, लगातार बनी हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण आगे आने वाले आंकड़ों के आधार पर इस अनुमान में बदलाव संभव है।

एसबीआई रिसर्च के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर करीब 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि पूरे वित्त वर्ष 2025-26 की वृद्धि दर 7.5 प्रतिशत रहने की संभावना जताई गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वृद्धि और महंगाई के मौजूदा रुझानों को देखते हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई अगले तीन तिमाहियों में 5 प्रतिशत से ऊपर रह सकती है। मौजूदा तिमाही में महंगाई दर 4.0 से 4.1 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट के अनुसार, 'वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सीपीआई महंगाई का अनुमान फिलहाल 5 प्रतिशत है, हालांकि इसमें ऊपर की ओर जोखिम बने हुए हैं। फिर भी यह आरबीआई के निर्धारित लक्ष्य दायरे के भीतर है।'

पीएम स्वनिधि योजना के तहत 75.5 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को मिले 112 लाख से ज्यादा लोन

नई दिल्ली । एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत अब तक 75.5 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर्स) ने 112 लाख से ज्यादा लोन का लाभ उठाया है।

देश भर के रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को 17,800 करोड़ रुपए से अधिक के लोन वितरित किए जा चुके हैं। इसके अलावा लाभार्थियों को ब्याज सब्सिडी और डिजिटल कैशबैक प्रोत्साहन के रूप में लगभग 800 करोड़ रुपए भी प्राप्त हुए हैं। योजना के लाभार्थियों में लगभग 46 प्रतिशत महिलाएं हैं, जबकि करीब 70 प्रतिशत लाभार्थी वंचित और कमजोर वर्गों से आते हैं। बयान के अनुसार, इस योजना ने सूक्ष्म उद्यमों, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं और शहरी स्थानीय निकायों के साथ रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं के एकीकरण को मजबूत किया है। पीएम स्वनिधि योजना की शुरुआत कोविड-19 महामारी के दौरान की गई थी, ताकि उन रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर्स) को किफायती कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराई जा सके, जिनका कारोबार महामारी से गंभीर रूप से प्रभावित हुआ था। रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं के लिए विशेष रूप से शुरू की गई यह देश की पहली सूक्ष्म ऋण योजना थी। असंगठित क्षेत्र के इस बड़े वर्ग की औपचारिक ऋण व्यवस्था तक सीमित पहुंच को देखते हुए, योजना का उद्देश्य उनके कारोबार को बढ़ावा देना और वित्तीय समावेशन को मजबूत करना था। योजना की उपलब्धियों और इसके सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए सरकार ने पीएम स्वनिधि योजना का पुनर्गठन और विस्तार करने को मंजूरी दी है। अब इस योजना के तहत ऋण वितरण की अवधि मार्च 2030 तक बढ़ा दी गई है। इस योजना के तहत वे सभी लोग पात्र हैं जो सड़क, फुटपाथ, पगडंडी या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी ढांचे के माध्यम से अथवा घूम-घूमकर दैनिक उपयोग की वस्तुएं, खाद्य पदार्थ या अन्य सामान बेचते हैं या सेवाएं प्रदान करते हैं।

कुकर में इस देसी ट्रिक से सिर्फ 1 घंटे में जमाएं हलवाई जैसा गाढ़ा मलाईदार दही, बर्तन पलटने पर भी नहीं गिरेगा एक बूंद

अगर आपका दही हर बार पतला जमता है या पानी छोड़ देता है, तो अब चिंता करने की जरूरत नहीं है. कुकर और नमक की एक आसान ट्रिक से आप घर पर ही बाजार जैसा गाढ़ा, मलाईदार और चक्का दही जमा सकते हैं. इस तरीके में दूध को सही तरह से तैयार करने के साथ कुकर की गर्माहट का इस्तेमाल किया जाता है. खास बात यह है कि दही जमाने के लिए घंटों इंतजार नहीं करना पड़ता और करीब 1 घंटे में शानदार रिजल्ट मिल जाता है. आइए जानते हैं पूरा तरीका.

घर में दही जमाना कोई नई बात नहीं है. लगभग हर भारतीय रसोई में रोज दही जमाया जाता है. लेकिन अक्सर लोगों की शिकायत रहती है कि घर पर जमाया गया दही बाजार जैसा गाढ़ा और मलाईदार नहीं बनता. कई बार दही जमने में बहुत समय लग जाता है और कई बार वह इतना पतला बनता है कि चम्मच से उठाते ही पानी अलग नजर आने लगता है. खासकर गर्मियों और सर्दियों में तापमान के बदलने से भी दही जमाने में परेशानी आती है. ऐसे में अगर कोई ऐसी ट्रिक मिल जाए जिससे कम समय में गाढ़ा और चक्का दही तैयार हो जाए, तो यह हर गृहिणी के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

हाल ही में मनीषा की रसोई द्वारा बताई गई एक आसान ट्रिक लोगों के बीच काफी पसंद की जा रही है. इस तरीके में कुकर और साधारण नमक का इस्तेमाल करके ऐसा माहौल तैयार किया जाता है जिससे दही बहुत जल्दी और अच्छी तरह जम जाता है. यही वजह है कि यह तरीका सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है.

सही दूध का चुनाव क्यों है जरूरी

दही का स्वाद और उसका गाढ़ापन काफी हद तक दूध की क्वालिटी पर निर्भर करता है. अगर आप फुल फैट दूध का इस्तेमाल करते हैं तो दही ज्यादा क्रीमी और मलाईदार बनता है. दूध में जितनी ज्यादा मलाई होगी, दही उतना ही बेहतर जमेगा. दूध को गैस पर रखकर अच्छी तरह उबालना भी जरूरी होता है. जब दूध अच्छी तरह उबलता है तो उसमें मौजूद अतिरिक्त पानी कुछ हद तक कम हो जाता है. इससे दही का टेक्सचर ज्यादा गाढ़ा बनता है और उसमें पानी निकलने की संभावना कम हो जाती है।

पतले दूध को भी बना सकते हैं क्रीमी

कई बार घर में उपलब्ध दूध बहुत पतला होता है. ऐसे में लोग सोचते हैं कि गाढ़ा दही नहीं जम पाएगा. लेकिन इसका भी आसान उपाय है. एक चम्मच कॉर्नफ्लोर को थोड़े से दूध में घोलकर स्मूद पेस्ट बना लें. जब दूध उबल जाए तो इस घोल को उसमें मिला दें और कुछ मिनट तक पकाएं. इस छोटे से उपाय से दूध का टेक्सचर काफी क्रीमी हो जाता है. बाद में जब यही दूध दही के रूप में जमता है तो उसका गाढ़ापन और मलाईदार स्वाद बाजार के दही जैसा महसूस होता है.

मिट्टी के बर्तन में जमाएं दही

अगर आप हलवाई जैसा स्वाद चाहते हैं तो दही को मिट्टी के बर्तन में जमाना सबसे अच्छा माना जाता है. मिट्टी का बर्तन दूध की अतिरिक्त नमी को अपने अंदर खींच लेता है. इससे दही ज्यादा गाढ़ा बनता है।

चीनी 'मृत्युलोक' में घिरा अमेरिका, सैटेलाइट तस्वीरें पेंटागन को डाल रहीं सदमे में, मौत का चक्रव्यूह, बचना नामुमकिन

चीन इस वक्त दुनिया में वो देश बन चुका है, जो कहीं भी मौका देखकर वहां अपना किला तैयार कर लेता है. कुछ ऐसा ही किया है उसने ने उत्तर-पश्चिमी रेगिस्तान में हामी न्यूक्लियर साइलो फील्ड के पास. खाली और सुनसाइन इस इलाके में चीन ने विशाल 3-लेयर मिलिट्री कॉम्प्लेक्स तैयार किया है, जिसकी गवाही सैटेलाइट तस्वीरें दे रही है. चीन की ये किलेबंदी सबसे ज्यादा टेंशन अमेरिका की बढ़ाने वाली है क्योंकि ये चीन की सेकंड-स्ट्राइक क्षमता का उदाहरण है. ताइवान के मामले में भी ये अमेरिका का चोकहोल्ड है.

रेगिस्तान के सन्नाटे को चीरते हुए चीन ने एक ऐसा विशाल सैन्य परिसर तैयार किया है, जिसे देखकर अमेरिका के रक्षा विशेषज्ञों के भी होश उड़ गए हैं. सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि चीन उत्तर-पश्चिमी रेगिस्तान में हामी न्यूक्लियर साइलो फील्ड के आसपास एक भयानक 3 लेयर न्यूक्लियर चक्रव्यूह खड़ा कर रहा है. इसका मकसद सिर्फ एक है – अगर अमेरिका ने कभी चीन पर पहला परमाणु हमला किया, तो चीन उसका जवाब देने में सक्षम रहे.

80 से ज्यादा लॉन्च पैड्स, बंकर और ऑक्टागन किले इस पूरी घेराबंदी को मजबूत बना रहे हैं. रॉयटर्स की ओर से विश्लेषण की गई सैटेलाइट इमेज में दिख रहा है कि चीन ने हामी साइलो फील्ड के आसपास हजारों वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 80 से ज्यादा विशाल कंक्रीट लॉन्च पैड्स बना दिए हैं. इन पैड्स पर मोबाइल मिसाइल लॉन्चर, एयर डिफेंस बैटरियां और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम को आसानी से छिपाया जा सकता है.

सबसे खतरनाक है तीन ऑक्टागन-आकार के मिलिट्री बेस. इनमें से दो बेस पिछले छह साल में पूर्वी शिनजियांग में बनाए गए हैं. उत्तर ऑक्टागन बेस को तीन लेयर वाले चक्रव्यूह के रूप में डिजाइन किया गया है. इसमें पहली लेयर-वकेंद्र में मुख्य कमांड सेंटर है, जहां से पूरे परमाणु हमले का संचालन होगा. दूसरी लेयर- सैनिकों और कमांड स्टाफ के लिए मजबूत आवासीय इमारतों की है और तीसरी लेयर- भारी ट्रक-माउंटेड मिसाइल लॉन्चर, हथियार डिपो और बख्तरबंद वाहनों के भंडारण की है.

'हुओयान-1' सैटेलाइट्स से लैस उसका अर्ली वार्निंग सिस्टम महज 90 सेकंड में दुश्मन की मिसाइल डिटेक्ट कर लेता है. पेंटागन की रिपोर्ट कहती है कि 2030 तक चीन के पास 1,000 से ज्यादा परमाणु वॉरहेड हो सकते हैं. चीन नो फर्स्ट यूज की नीति का दावा करता है, लेकिन ताइवान युद्ध की स्थिति में वह इस चक्रव्यूह का इस्तेमाल अमेरिका को दबाव में रखने के लिए कर सकता है। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स के हंस क्रिस्टेंसन ने कहा कि मैंने ऐसा कुछ पहले कभी नहीं देखा. यह एक असाधारण प्रयास है. चीन ने रेगिस्तान की नीरवता में एक ऐसा मृत्यु जाल बिछाया है, जिसे भेदना अमेरिका के लिए बेहद मुश्किल होगा. यह सिर्फ मिसाइलों की सुरक्षा नहीं, बल्कि भविष्य के किसी भी बड़े युद्ध में अमेरिका को चोकहोल्ड करने की शातिर चाल है। पूरे बेस को सुरक्षित बंकर, हवाई पट्टियां, रेलवे लाइन और हामी साइलो से सीधा कनेक्शन दिया गया है. अप्रैल-मई 2026 में यहां बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास भी देखे गए. चीन जानता है कि अमेरिका की सबसे बड़ी ताकत उसकी फर्स्ट स्ट्राइक है. इसलिए वह अपनी सेकंड स्ट्राइक कैपेबिलिटी को इतना मजबूत बना रहा है कि अमेरिका हमला करने की हिम्मत ही न कर सके।

पूरे जून हिमाचल या उत्तराखंड के किसी गांव में रहने का कितना खर्चा आएगा. कौन-कौन से गांव है बेस्ट, जान लें सब कुछ

अगर आप जून की भीषण गर्मी में किसी शांत पहाड़ी गांव में पूरा महीना बिताने का प्लान कर रहे हैं, तो हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। यहां के कई गांव न सिर्फ ठंडे और खूबसूरत हैं, बल्कि शहरों की तुलना में ज़्यादा किफायती भी हैं।

अगर आप जून की चिलचिलाती गर्मी से बचना चाहते हैं और किसी शांत पहाड़ी गांव में पूरा एक महीना बिताने का सपना देखते हैं, तो हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड आपके लिए सबसे अच्छे विकल्प हो सकते हैं. इन इलाकों के कई गांव न सिर्फ़ ठंडे और सुंदर हैं, बल्कि शहरों के मुकाबले काफ़ी ज़्यादा किफ़ायती भी हैं. किसी गांव में एक महीने रहने का खर्च आपकी लाइफस्टाइल और रहने के व्यवस्था पर निर्भर करता है, लेकिन आम तौर पर यह ?10,000 से ?30,000 के बीच होता है. आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से....

एक महीने का खर्च

अगर आप किसी निजी घर या गांव के गेस्ट हाउस में रुकते हैं, तो कमरे का किराया ?300 से ?800 प्रति दिन के बीच हो सकता है. इसका मतलब है कि पूरे महीने का किराया लगभग ?9,000 से ?24,000 होगा. कई जगहों पर, अगर आप महीने के हिसाब से कमरा किराए पर लेते हैं, तो आपको अतिरिक्त छूट भी मिल सकती है.

स्थानीय ढाबों (खाने की जगहों) या निजी घरों में खाने-पीने का खर्च ?150 से ?300 प्रति दिन के बीच हो सकता है. इस हिसाब से, खाने का मासिक बजट लगभग ?4,500 से ?9,000 तक हो सकता है. अगर आप अपना खाना खुद बनाते हैं, तो यह खर्च और भी कम हो सकता है.

हिमाचल के गांव-

1. जिभी

बंजार घाटी में स्थित, जिभी अपनी प्राकृतिक सुंदरता, झरनों और शांत वातावरण के लिए मशहूर है. यहां अच्छी इंटरनेट कनेक्टिविटी और रहने की आरामदायक सुविधाएं भी उपलब्ध हैं.

2. कालगा

पार्वती घाटी में बसा यह छोटा सा गांव डिजिटल नोमैड्स और प्रकृति प्रेमियों के बीच बेहद लोकप्रिय है. यहां से हिमालय के शानदार नज़ारे दिखाई देते हैं.

3. रकछम

सांगला घाटी में स्थित यह गांव अपनी बर्फ़ से ढकी चोटियों और नदी के किनारे के मनमोहक दृश्यों के लिए जाना जाता है.

उत्तराखंड के गांव-

1. खिरसू

पौड़ी गढ़वाल के पास स्थित, खिरसू अपने शांत माहौल और हिमालय के मनमोहक नज़ारों के लिए मशहूर है.

2. कानाताल

देवदार के जंगलों से घिरा कानाताल, गर्मियों के महीनों में भी बेहद सुहावना रहता है और इसे लंबे समय तक रुकने के लिए एक बेहतरीन जगह माना जाता है.

3. मुनस्यारी

अगर आप भीड़-भाड़ से दूर जाना चाहते हैं, तो मुनस्यारी एक बेहतरीन विकल्प है. यहां का मौसम जून के महीने में भी ठंडा और सुहावना बना रहता है.

जून का पूरा महीना किसी पहाड़ी गांव में बिताना न सिर्फ़ आपको गर्मियों की तपिश से राहत देगा, बल्कि आपको प्रकृति से जुड़ने और एक नई जीवनशैली का अनुभव करने का भी मौका देगा एक ऐसी जीवनशैली जो रोज़मर्रा की ज़िंदगी के तनावों से कोसों दूर है।

इस ट्रिक से फर्स्ट डेट पर ही मिल जाएगा संकेत, आपका प्यार होगा सफल या रिलेशनशिप में पार्टनर से रहेगी खटपट

आप किसी के साथ फर्स्ट डेट जा रह हैं, उसके साथ आपकी लव लाइफ सफल रहेगी या फिर रिलेशनशिप में पार्टनर से खटपट रहेगी? इसके बारे में आप अंक ज्योतिष की एक आसान ट्रिक से पता कर सकते हैं.

आज के समय में लव रिलेशनशिप हो या फिर मैरिड लाइफ, दोनों में अलगाव और बिखराव की स्थितियां पहले से अधिक देखने को मिल रही हैं. या फिर यह कह सकते हैं कि सोशल मीडिया के दौर में लोग अपने रिश्ते को लेकर अधिक मुखर हैं, अपने रिलेशनशिप स्टेटस को बेबाकी से बयां कर देते हैं. हम इसमें नहीं जाते कि किसमें किसकी गलती है या किस वजह से रिश्ता टूटा. हम बात कर रहे हैं उस फर्स्ट डेट के बारे में, जिस दिन दो दिल मिले और कुछ ऐसा लगा कि दो से एक होने का फैसला कर लिया, लेकिन कुछ समय बाद वह रिश्ता टूट गया या फिर रिलेशनशिप में पार्टनर से खटपट होने लगी. अंक ज्योतिष का एक ट्रिक है, जिसे अपनाकर आप जान सकते हैं कि सामने वाला व्यक्ति के साथ आपका प्यार सफल होगा या फिर रिलेशनशिप में टकराव या अलगाव का सामना करना होगा.

हली ही डेट पर कैसे जानें पार्टनर का असली मिजाज?

जब आप किसी के साथ पहली डेट पर जा रहे हैं और उसके सही स्वभाव के बारे में जानना चाहते हैं ?तो उसका सही डेट ऑफ बर्थ यानि जन्म की तारीख पता करें. जन्म तारीख में दिन, महीना और साल यानि 12 तारीख, जनवरी महीना और 1990 साल. जन्म की तारीख में ही सामने वाले के कई राज छिपे होते हैं. आप सामने वाले व्यक्ति के जन्म की तारीख से मूलांक निकालकर यह पता कर सकते हैं कि वह किस स्वभाव का है.

द्यउदाहरण के लिए किसी का जन्म 10 जनवरी 1990 है तो अंक ज्योतिष के अनुसार, उसका मूलांक 1 होता है. इसमें तारीख के दोनों अंकों को जोड़कर एक अंक बनाते हैं. अंक ज्योतिष में मूलांक 1 से लेकर 9 तक होते हैं, जो नवग्रहों से संबंधित होते हैं. 10 जनवरी को पैदा हुए व्यक्ति का मूलांक 1 हुआ, जैसे 1+0=1. मूलांक 1 का स्वामी ग्रह सूर्य है. सूर्य ग्रहों के राजा हैं. अब आप जान सकते हैं कि मूलांक 1 वालों का स्वभाव कैसा होता है?

लव लाइफ सफल होगी या फिर रहेगी खटपट

यदि सामने वाले व्यक्ति का मूलांक 1 है तो आप भी अपने जन्म तारीख से अपना मूलांक निकाल लें. अब देखना होगा कि आपके मूलांक का स्वामी ग्रह क्या है? यदि आपके मूलांक का स्वामी ग्रह सामने वाले व्यक्ति के मूलांक के स्वामी ग्रह से मित्रवत है, तो ?इस स्थिति में लव लाइफ सफल होने की संभावना अधिक है. यदि वह शत्रुवत है तो फिर उस रिलेश?नशिप में खटपट हो सकती है या? फिर अलगाव हो सकता है.

उदाहरण के लिए जिसके साथ डेट करने गए हैं, उसका मूलांक 1 है और आपका मूलांक 8 है. तो ऐसे लोगों को प्रेम संबंध नहीं करना चाहिए. आपके लव लाइफ में हमेशा खटपट रहेगी, अलगाव की स्थिति बन सकती है, शत्रुता का भाव रहेगा क्योंकि मूलांक 1 के स्वामी सूर्य और मूलांक 8 के स्वामी शनिदेव हैं. सूर्य और शनि पिता-पुत्र हैं, लेकिन दोनों में शत्रुवत भाव है.

मूलांक 1 से लेकर 9 तक का स्वभाव

मूलांक 1,3 और 5 वाले लोग केयरिंग नेचर के होते हैं. उनका दिल साफ होता है और अपनी भावना को खुलकर व्यक्त करते हैं. मूलांक 1 वाले रिश्ते में वफादार होते हैं, वहीं मूलांक 3 वाले रोमांटिक होंगे तो मूलांक 5 वाले आपको बोर नहीं होने देंगे।

सौंफ या मेथी दाना? गर्मियों में पेट को बर्फ जैसा ठंडा रखने के लिए किसका भीगा पानी है सबसे बेस्ट

गर्मियों के मौसम में सौंफ और मेथी के दानों में भिगोया हुआ पानी पेट की गर्मी, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याओं से निपटने में बेहद फायदेमंद साबित होता है. लेकिन, क्या आप जानते हैं कि गर्मियों के महीनों में पेट को ठंडक पहुंचाने के लिए इन दोनों में से कौन-सा विकल्प ज़्यादा असरदार हो सकता है?

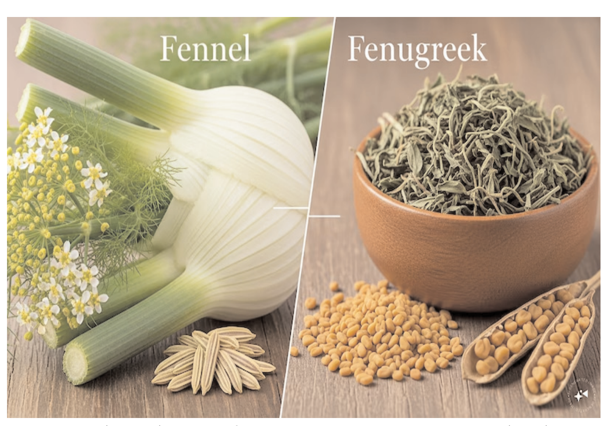

गर्मियों के मौसम में पेट की गर्मी, एसिडिटी, अपच और शरीर की गर्मी बढ़ने जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं. इससे कई लोग घरेलू उपायों का सहारा लेते हैं, जिनमें भीगे हुए सौंफ और मेथी के दानों से बना पानी सबसे ज़्यादा लोकप्रिय माना जाता है. आयुर्वेद में इन दोनों का ही विशेष महत्व है और इन्हें सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है. लेकिन सवाल यह उठता है कि गर्मियों में पेट को ठंडक पहुंचाने के लिए इन दोनों में से कौन-सा विकल्प ज़्यादा असरदार है? आइए पता लगाते हैं.

सौंफ का भीगा पानी क्यों है खास? गर्मियों के मौसम में सौंफ को पारंपरिक रूप से ठंडी तासीर वाला माना जाता है. इसका सेवन शरीर और पेट को ठंडक देने में मददगार माना जाता है. सौंफ में एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर और कई जरूरी तत्व पाए जाते हैं, जो पाचन को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं.

रातभर 1 चम्मच सौंफ को पानी में भिगोकर सुबह उसका पानी पीने से पेट में हल्कापन महसूस होता है. यह मुंह की दुर्गंध कम करने और भोजन पचाने में भी मददगार माना जाता है. गर्मियों में सौंफ का पानी अक्सर एक ताजगी भरा पेय माना जाता है.

मेथी दाने का भीगा पानी किस काम आता है?: मेथी दाना कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है और इसे कई स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है. मेथी में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।

बच्चों की जिद कैसे खत्म करें? ये पेरेंटिंग ट्रिक्स सच में काम करती हैं, जानें इसे ठीक करने का तरीका

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा समझदार बने, लेकिन छोटी-छोटी बातों पर जिद करना बच्चों की आम आदत बन जाती है. कई बार प्यार में की गई छोटी गलतियां भी बच्चों को ज्यादा जिद्दी बना सकती हैं. ऐसे में कुछ आसान parenting tricks बच्चों की इस आदत को धीरे-धीरे सुधारने में मदद कर सकती हैं.

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा समझदार और शांत स्वभाव का हो, लेकिन छोटे बच्चों में जिद करना एक आम बात मानी जाती है. कभी खिलौने के लिए रोना, कभी मोबाइल मांगना या अपनी बात मनवाने के लिए गुस्सा करना ऐसी स्थितियां लगभग हर घर में देखने को मिलती हैं. कई बार माता-पिता गुस्से में डांटने लगते हैं या तुरंत बच्चे की बात मान लेते हैं, लेकिन दोनों ही तरीके लंबे समय में समस्या बढ़ा सकते हैं. बच्चों की जिद को समझदारी और धैर्य के साथ संभालना ज्यादा जरूरी माना जाता है.

छोटे बच्चे अपनी भावनाओं को सही तरीके से समझा नहीं पाते. जब उनकी कोई इच्छा पूरी नहीं होती, तो वे रोने, चिल्लाने या गुस्सा करने लगते हैं. कई बार बच्चे सिर्फ ध्यान पाने के लिए भी जिद करते हैं. अगर माता-पिता हर बार बच्चे की हर मांग तुरंत पूरी कर देते हैं, तो बच्चे को लगने लगता है कि जिद करके वह सब कुछ हासिल कर सकता है. धीरे-धीरे यह आदत बन सकती है.

गुस्से से नहीं, शांति से बात करें

जब बच्चा जिद कर रहा हो, तो उस समय जोर से डांटना या मारना स्थिति को और खराब कर सकता है. बच्चा डरने के बजाय और ज्यादा चिड़चिड़ा हो सकता है. ऐसे समय में शांत रहकर उससे बात करना ज्यादा असरदार माना जाता है. उदाहरण के लिए अगर बच्चा किसी चीज के लिए रो रहा है, तो पहले उसकी बात ध्यान से सुनें. कई बार सिर्फ यह महसूस होना कि उसकी बात सुनी जा रही है, बच्चे को शांत कर सकता है।

हर बार 'हां' कहना सही नहीं

कई माता-पिता बच्चों के रोने या सार्वजनिक जगह पर शर्मिंदगी से बचने के लिए तुरंत उनकी मांग मान लेते हैं. लेकिन इससे बच्चे की जिद और बढ़ सकती है।

मां के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाने का रश्मि देसाई को दुख, बोलीं- 'मुझे अपराधबोध होता है'

मुंबई। अभिनेत्री रश्मि देसाई हाल ही में राजीव खंडेलवाल के रियलिटी टीवी शो 'तुम हो ना -घर की सुपरस्टार' में अपनी मां रसीला देसाई के साथ नजर आईं। इस दौरान रश्मि ने मां-बेटी के रिश्ते और परिवार को समय न दे पाने पर बात कीं। इस दौरान वह बेहद भावुक नजर आईं।

शो में बातचीत के दौरान रश्मि ने स्वीकार किया कि व्यस्त पेशेवर जिंदगी के कारण वह अपनी मां के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता पातीं और इसे लेकर उन्हें अपराधबोध महसूस होता है। होस्ट राजीव खंडेलवाल ने रश्मि की मां से पूछा कि क्या उनकी बेटी घर में भी उतने ही नखरे करती हैं, जितना लोग अक्सर कलाकारों के बारे में सोचते हैं। इस पर रसीला देसाई ने मुस्कुराते हुए कहा कि रश्मि आमतौर पर ज्यादा नखरे नहीं करतीं, हालांकि कभी-कभी ऐसा हो जाता है।

रसीला ने बताया कि काम की व्यस्तता के कारण रश्मि का ज्यादातर समय घर से बाहर ही गुजरता है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब दोनों अपने-अपने काम में इतने व्यस्त रहते थे कि बातचीत के लिए भी मुश्किल से समय मिल पाता था। अब रिटायरमेंट के बाद वह चाहती हैं कि बेटी उनके साथ अधिक समय बिताएं, ताकि दोनों बैठकर खुलकर बातें कर सकें।

मां की यह बात सुनकर रश्मि भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का एहसास है कि वह अपनी मां को पर्याप्त समय नहीं दे पा रही हैं। अभिनेत्री ने माना कि यह बात उन्हें अंदर ही अंदर परेशान करती है और इसके लिए वह खुद को दोषी भी मानती हैं।

रश्मि ने कहा कि उनके जीवन की सबसे बड़ी सीख उनकी मां से ही मिली है। उन्होंने बचपन से अपनी मां को लगातार मेहनत करते देखा है। रसीला देसाई कम नींद में भी पूरे समर्पण के साथ काम करती थीं और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहती थीं।

महबूब खान के पास बेमन से स्क्रीन टेस्ट को गई थीं नरगिस, एक्टिंग नहीं, इस प्रोफेशन में बनाना चाहती थीं करियर

मुंबई। भारतीय सिनेमा की स्वर्ण युग की अभिनेत्रियों का नाम लिया जाए तो नरगिस का जिक्र होना लाजमी है। नरगिस का नाम लेते ही सबसे पहले 'मदर इंडिया' वाली राधा का किरदार याद आता है। हालांकि कम ही लोग जानते हैं कि नरगिस अभिनेत्री बनना कभी चाहती ही नहीं थीं। उनका सपना किसी और क्षेत्र में करियर बनाने का था। हालांकि, मां के सपने को पूरा करने के लिए उन्हें अभिनय की दुनिया में कदम रखना पड़ा।

दरअसल, नरगिस का सपना डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना था लेकिन मां की जिद के आगे उन्हें अभिनय की दुनिया में कदम रखना पड़ा और महबूब खान के पास बेमन से दिए गए स्क्रीन टेस्ट ने उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल दी।

नरगिस दत्त का असली नाम रशीद फातिमा था। उनका जन्म 1 जून 1929 को कोलकाता में हुआ था। उनकी मां जद्दनबाई उस समय की प्रसिद्ध गायिका, नृत्यांगना, निर्देशक और अभिनेत्री थीं। जद्दनबाई भारतीय सिनेमा जगत में खास स्थान रखती थीं और अपनी बेटी को भी फिल्मी दुनिया में लाना चाहती थीं लेकिन नरगिस का मन पढ़ाई में था। वह डॉक्टर बनना चाहती थीं।

साल 1935 में जब नरगिस सिर्फ 6 साल की थीं, तब उनकी मां ने उन्हें बाल कलाकार के रूप में फिल्म 'तलाश-ए-हक' में उतार दिया। इस तरह उनके फिल्मी सफर की शुरुआत हो गई, लेकिन उनका दिल अभिनय में नहीं लगता था। एक दिन जदनबाई ने उन्हें महबूब खान के पास स्क्रीन टेस्ट देने भेज दिया। नरगिस बिल्कुल बेमन से टेस्ट देने गई थीं। उनका इरादा था कि महबूब खान उन्हें रिजेक्ट कर देंगे और वह डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर सकेंगी लेकिन हुआ उल्टा। महबूब खान उनकी अभिनय क्षमता से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अपनी साल 1943 में आई फिल्म 'तकदीर' के लिए नरगिस को नायिका के रूप में चुन लिया।

इसके बाद साल 1945 में 'हुमायूं' आई लेकिन असली सफलता नरगिस को 1949 में मिली। राज कपूर की फिल्म 'बरसात' और दिलीप कुमार के साथ 'अंदाज' ने नरगिस को स्टार बना दिया। 'बरसात' में राज कपूर के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को बेहद पसंद आई। नरगिस का करियर तेजी से ऊंचाइयों पर पहुंच रहा था।

साल 1957 में महबूब खान की फिल्म 'मदर इंडिया' आई, जिसने उन्हें वैश्विक पहचान दिलाई।

चलते-फिरते स्पा में बदली हर्षवर्धन राणे की वैन, सफर के दौरान ऐसे कर रहे हैं अपनी देखभाल

मुंबई। फिल्मी सितारे अक्सर अपने खानपान और एक्सरसाइज को लेकर चर्चा में रहते हैं। अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने भी अपनी फिटनेस के चलते लोगों का ध्यान खींचते रहते हैं। इस कड़ी में, उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें उन्होंने अपनी वैनिटी वैन को स्पा रूम में बदल लिया। ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

हर्षवर्धन राणे ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो की शुरुआत बारिश से भीगी सड़कों से होती है। बाहर मौसम सुहावना नजर आ रहा है। इसके बाद कैमरा वैन के अंदर का नजारा दिखाता है, जहां अभिनेता आरामदायक सीट पर लेटे हुए दिखाई देते हैं। उनके ऊपर रेड लाइट है, जिसकी रोशनी शरीर को आराम देने और थकान कम करने के लिए इस्तेमाल की जाती है।

वीडियो में अभिनेता बेहद सुकून के साथ आराम करते दिखाई देते हैं।

वीडियो में अभिनेता बताते हैं कि उन्होंने अपनी वैन को रिकवरी रूम में बदल दिया है। अब जितना ज्यादा ट्रैफिक होगा, उन्हें उतना ही ज्यादा आराम और रिकवरी का समय मिलेगा।

इस वीडियो के साथ हर्षवर्धन राणे ने कैप्शन में लिखा, ''पहियों पर चलने वाला स्पा''। इसके साथ उन्होंने रेड लाइट थेरेपी का हैशटैग भी इस्तेमाल किया। बता दें कि हर्षवर्धन राणे आज हिंदी और तेलुगु सिनेमा का एक जाना-पहचाना नाम हैं।

बेटी मिहिका की याद में भावुक हुई दिव्या सेठ शाह, बोलीं- 'हर खूबसूरत चीज में आज भी महसूस होती है तुम्हारी मौजूदगी'

मुंबई। मां और बेटी का रिश्ता दुनिया के सबसे भावनात्मक रिश्तों में से एक माना जाता है। जब कोई मां अपनी संतान को खो देती है, तो उस दर्द को शब्दों में बयां करना आसान नहीं होता। ऐसे ही दर्द से इन दिनों अभिनेत्री दिव्या सेठ शाह गुजर रही है। उन्होंने अपनी बेटी मिहिका शाह के निधन के बाद से उसकी यादों को संजोए हुए रखा हैं। इस बीच, रविवार को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया और बताया कि उनकी बेटी भले ही अब इस दुनिया में नहीं है, लेकिन वह आज भी उसे अपने आसपास महसूस करती हैं।

दिव्या सेठ शाह ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में रोजमर्रा की जिंदगी के कई खूबसूरत पल दिखाए। वीडियो की शुरुआत खिड़की के बाहर बैठे कबूतरों से होती है। इसके बाद स्वादिष्ट भोजन की थाली, छत की दीवार पर बैठी एक चिड़िया, साथ खेलते पालतू जानवर, बच्चों के साथ बिताए पल और प्रकृति के कई सुंदर नजारे देखने को मिलते हैं। इन सबके बीच उनकी बेटी मिहिका की कई प्यारी और यादगार तस्वीरें भी दिखाई देती हैं।

इस वीडियो के साथ दिव्या ने लिखा, ''मैं हर दिन अपनी बेटी के संकेत तलाशती हूं। जहां भी नजर घूमती हैं, वहां मुझे मिहिका की मौजूदगी महसूस होती है। मुझे इस बात पर बिल्कुल भी संदेह नहीं है कि मेरे आसपास फैला प्यार, खुशी और सुंदरता मेरी बेटी की ओर से ही भेजी गई है। मैं जहां भी देखती हूं, मुझे सिर्फ अपनी बेटी ही दिखाई देती है।''

बता दें कि दिव्या सेठ शाह पहले भी कई बार अपनी बेटी मिहिका को याद करते हुए पोस्ट साझा कर चुकी हैं। वह अक्सर अपनी बेटी की तस्वीरें और उससे जुड़ी यादें अपने फैंस के साथ साझा करती रहती हैं।

अगस्त 2024 में महज 23 साल की उम्र में मिहिका शाह का निधन हो गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्हें तेज बुखार आया था और इसके बाद उनका देहांत हो गया। बेटी के निधन के बाद से दिव्या लगातार उसकी यादों को जिंदा रखने की कोशिश कर रही हैं और अपने भावनात्मक संदेशों के जरिए उसे श्रद्धांजलि देती रहती हैं।

अगर दिव्या सेठ शाह के करियर की बात करें तो वह टेलीविजन जगत का एक जाना-पहचाना नाम हैं। उन्होंने 'हम लोग', 'बनेगी अपनी बात', 'देख भाई देख' और 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। वह दिग्गज अभिनेत्री सुषमा सेठ की बेटी हैं और लंबे समय से मनोरंजन जगत में सक्रिय हैं।

'खासदार क्रीड़ा महोत्सव' में सुनील शेट्टी ने की शिरकत, बोले- बच्चों को खेलों से जोड़िए, गलत रास्तों से खुद दूर रहेंगे

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित 'खासदार क्रीड़ा महोत्सव' के उद्घाटन समारोह में रविवार को अभिनेता सुनील शेट्टी ने शिरकत की, जहां उन्होंने युवाओं के बीच खेलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि खेल न केवल फिटनेस और स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं बल्कि युवाओं को नशे और अन्य गलत आदतों से दूर रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

यह भव्य आयोजन 31 मई से 7 जून तक चलेगा। आयोजन में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ पहुंचे अभिनेता सुनील शेट्टी ने बच्चों और युवाओं में खेलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अगर बच्चों का ध्यान खेलों की ओर रहे तो वे गलत रास्तों से अपने आप दूर रहेंगे।

सुनील शेट्टी ने युवाओं में बढ़ रही ड्रग्स की समस्या पर चिंता जताते हुए कहा, 'खेल, सेहत, वेलनेस और शिक्षा ही इसका सबसे अच्छा समाधान है।' उन्होंने नागपुर का उदाहरण देते हुए बताया कि यहां लाखों बच्चे खेलों में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं। जब बच्चों का ध्यान खेल पर होता है तो उनके मन में दूसरी गलत चीजों के लिए जगह नहीं बचती। अभिनेता ने अपनी जिंदगी का भी जिक्र करते हुए कहा, 'मेरी जिंदगी में जो भी अच्छा हुआ है, वह सिर्फ खेलों के प्रति लगाव की वजह से हुआ है। आज भी लोग मुझे फिटनेस और स्वास्थ्य के लिए सराहते हैं, वह सब खेलों से प्यार का नतीजा है।'

सुनील शेट्टी ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को खेलों की ओर प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि ऐसे बड़े आयोजन बहुत जरूरी हैं ताकि सही संदेश लोगों तक पहुंचे। मेरा मानना है कि बेहतर स्वास्थ्य खेल से अच्छा कुछ भी नहीं है।'

उन्होंने नागपुर की तारीफ करते हुए कहा कि यहां 50 से ज्यादा खेलों में बच्चे सक्रिय हैं, जो बहुत ही अच्छी बात है। देशभर में ऐसे आयोजनों की जरूरत है ताकि युवा पीढ़ी स्वस्थ और सकारात्मक बनी रहे। इस महोत्सव में 18 से अधिक खेलों के हजारों खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं।

जिम सर्भ ने बताया कैसे चुनते हैं अपने प्रोजेक्ट्स, बोले- 'कहानी अच्छी हो तो बाकी चीजें खुद आसान हो जाती हैं'

मुंबई। फिल्म और वेब सीरीज की दुनिया में कुछ कलाकार बड़े बैनर को देखकर प्रोजेक्ट चुनते हैं, तो कुछ अपने किरदार को प्राथमिकता देते हैं। वहीं, अभिनेता जिम सर्भ उन कलाकारों में शामिल हैं, जो किसी भी प्रोजेक्ट को हां करने से पहले उसकी कहानी देखते हैं।

इन दिनों वह अपनी आगामी वेब सीरीज 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी' को लेकर चर्चा में हैं। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में जिम सर्भ ने बताया कि वह किसी भी फिल्म या सीरीज में काम करने का फैसला कैसे लेते हैं और कौन-सी बातें उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती हैं।

सीरीज के प्रमोशन के दौरान आईएएनएस से बात करते हुए जिम सर्भ ने कहा, ''किसी भी प्रोजेक्ट को चुनने की मेरी प्रक्रिया काफी सीधी है। सबसे पहले मैं खुद से एक सवाल पूछता हूं कि क्या मैं उस कहानी का हिस्सा बनना चाहता हूं या नहीं। मेरे लिए यह सबसे अहम बात होती है। अगर कहानी अच्छी हो तो बाकी चीजें खुद आसान हो जाती हैं। मेरा मानना है कि एक मजबूत और दिलचस्प कहानी ही किसी भी अच्छे प्रोजेक्ट की नींव होती है।''

जिम ने आगे कहा, ''जब मुझे कहानी पसंद आ जाती है, तब मैं अपने किरदार को देखता हूं। मैं यह समझने की कोशिश करता हूं कि कहानी के भीतर मेरा किरदार कितना महत्वपूर्ण है और उसमें अभिनय की कितनी संभावनाएं हैं। मैं केवल किसी बड़े नाम या बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए काम नहीं करता, बल्कि यह भी देखता हूं कि मेरा किरदार कहानी में क्या योगदान दे रहा है। अगर किरदार चुनौतीपूर्ण और दिलचस्प लगता है, तभी मैं आगे बढ़ता हूं।'' उन्होंने कहा, ''कहानी और किरदार के बाद मैं निर्देशक, निर्माता और बाकी कलाकारों के बारे में सोचता हूं।

ईरान-अमेरिका तनाव बरकरार, आईआरजीसी ने अमेरिकी ड्रोन मार गिराने का दावा किया

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने रविवार को एक बयान में कहा कि उसने अमेरिका के एमक्यू-1 ड्रोन को मार गिराया है। यह जानकारी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी ने दी।

रिपोर्ट के अनुसार, यह ड्रोन कथित तौर पर ईरान के क्षेत्रीय जलक्षेत्र में दाखिल हुआ था। आईआरजीसी ने कहा कि ड्रोन का तुरंत पता लगा लिया गया और उसे वायु रक्षा मिसाइलों से गिरा दिया गया।

इससे पहले मंगलवार को आईआरजीसी ने कहा था कि अगर अमेरिका युद्धविराम (सीजफायर) का उल्लंघन करता है, तो उसके पास जवाबी कार्रवाई करने का 'वैध और निश्चित' अधिकार सुरक्षित है। आईआरजीसी ने दावा किया था कि उसकी वायु रक्षा इकाइयों ने अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन को भी मार गिराया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, आईआरजीसी ने यह भी कहा कि उसने एक लड़ाकू विमान पर फायरिंग की, जो कथित तौर पर ईरानी हवाई क्षेत्र में घुस आया था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ने कहा है कि उसने ईरान पर नए 'आत्मरक्षा संबंधी हमले' किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, सोमवार को अमेरिकी सेना ने दक्षिणी ईरान में मिसाइल लॉन्च साइटों और बारूदी सुरंगें बिछाने की कोशिश कर रही नौकाओं को निशाना बनाकर हमला किया।

सेंटकॉम के प्रवक्ता टिम हॉकिन्स ने एक बयान में कहा कि? अमेरिकी बलों ने दक्षिणी ईरान में आत्मरक्षा के तहत कार्रवाई की है ताकि ईरानी बलों से पैदा होने वाले खतरों से अपने सैनिकों की रक्षा की जा सके। उन्होंने कहा, 'निशानों में मिसाइल लॉन्च साइटें और वे ईरानी नौकाएं शामिल थीं जो समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाने की कोशिश कर रही थीं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड युद्धविराम के दौरान संयम बरतते हुए भी अपने सैनिकों की सुरक्षा जारी रखे हुए है।'

गुरुवार को भी अमेरिकी सेना ने रात के समय ईरान में नए हमले किए थे। कई अमेरिकी मीडिया संस्थानों के अनुसार, इन हमलों में एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया गया, जिसे वॉशिंगटन ने अमेरिकी सैनिकों और क्षेत्र में चलने वाले व्यावसायिक जहाजों के लिए खतरा बताया था। एक अमेरिकी अधिकारी ने इन हमलों को रक्षात्मक कार्रवाई बताया और कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम अभी भी कायम माना जा रहा है।

ईरान की ओर बढ़ रहे मालवाहक जहाज को अमेरिकी सेना ने निष्क्रिय किया : सेंटकॉम

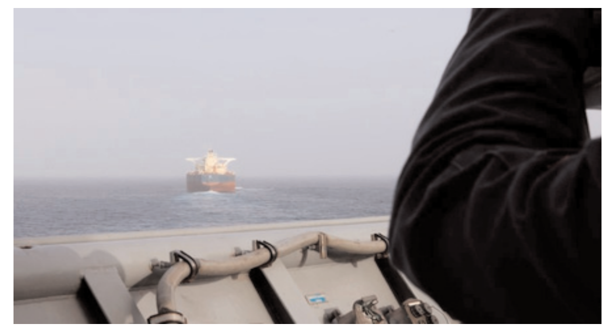

वाशिंगटन। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा है कि उसने गाम्बिया के झंडे वाले एक समुद्री जहाज को निष्क्रिय कर दिया, जो ईरान के एक बंदरगाह की ओर जा रहा था।

सेंटकॉम ने शनिवार को सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा, 'सेंटकॉम बलों ने एम/वी लियान स्टार को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र से होकर ओमान की खाड़ी में स्थित एक ईरानी बंदरगाह की ओर जाते हुए देखा। जहाज को 20 से ज्यादा चेतावनियां दी गईं और उसे बताया गया कि वह अमेरिकी नाकाबंदी का उल्लंघन कर रहा है।'

बयान के अनुसार, 'जब लियान स्टार के चालक दल ने निर्देशों का पालन नहीं किया, तो एक अमेरिकी विमान ने जहाज के इंजन कक्ष पर हेलफायर मिसाइल दागकर उसे निष्क्रिय कर दिया। अब यह जहाज ईरान की ओर आगे नहीं बढ़ रहा है।' समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सेंटकॉम ने कहा कि इस नौसैनिक नाकाबंदी के दौरान अमेरिकी सेना अब तक कुल पांच वाणिज्यिक जहाजों को निष्क्रिय कर चुकी है और 116 जहाजों का रास्ता बदल चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल में ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत रुक जाने के बाद इस नाकाबंदी की घोषणा की थी। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को कहा कि यह नाकाबंदी 'पूरी तरह लागू है', जबकि ऐसी खबरें सामने आई हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने को लेकर एक प्रारंभिक समझौता हुआ है, जिस पर ट्रंप ने अभी अंतिम फैसला नहीं लिया है। यह नाकाबंदी ईरानी जहाजों और उन जहाजों पर लागू होती है जो ईरानी बंदरगाहों की ओर जा रहे हैं। पेंटागन का अनुमान है कि इससे इस महीने की शुरुआत तक ईरान को तेल राजस्व में लगभग 4.8 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। इससे पहले, 19 अप्रैल को अरब सागर में तैनात अमेरिकी बलों ने एक ईरानी झंडे वाले मालवाहक जहाज के खिलाफ भी नाकाबंदी संबंधी कार्रवाई की थी, जो एक ईरानी बंदरगाह की ओर जा रहा था।

संक्षिप्त खबर

ताजमहल को टिफनी ट्रंप ने बताया 'शानदार'

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी पति माइकल बुलोस के साथ भारत दौरे पर हैं। ये उनकी निजी यात्रा है। रविवार को उन्होंने एक ताजमहल परिसर में खिंचवाई तस्वीर साझा की। बेहद कम शब्दों में उन्होंने दुनिया के सात अजूबों में शामिल धरोहर स्थल की खूबसूरती का जिक्र किया।जैसलमेर पहुंचने से करीब दो घंटे पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पति बुलोस के साथ खिंचवाई तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा 'द स्टनिंग ताजमहल' यानी शानदार ताजमहल! टिफनी शनिवार को नई दिल्ली से आगरा पति और कुछ दोस्तों के साथ पहुंची। उन्होंने ताजमहल में अच्छा खासा समय बिताया था। रविवार को वह विशेष विमान से राजस्थान के जैसलमेर पहुंचीं। एयरपोर्ट के बाहर भारत के वायु रक्षा सिस्टम 'आकाश' को भी तैनात किया गया था, जिसे सेना और वायुसेना की मजबूत एयर डिफेंस क्षमता का अहम हिस्सा माना जाता है। सुरक्षा के लिए हाई-सिक्योरिटी और बुलेटप्रूफ वाहनों की व्यवस्था भी की गई थी, ताकि पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। दोनों सूर्यगढ़ होटल में रुके हैं। यहां पहुंचने पर उनका पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया। हाई-प्रोफाइल दौरे को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था भी सख्त की गई है। कड़ी सुरक्षा के बीच उनका काफिला एयरपोर्ट से शहर की ओर निकला। वह यहां विश्व प्रसिद्ध सोनार किला सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों का दौरा करेंगी।

सत्तारूढ़ आरएसपी प्रमुख रबी लामिछाने दो दिवसीय दौरे पर आएंगे भारत

काठमांडू। नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रबी लामिछाने दो दिवसीय (1-2 जून) दौरे पर भारत आएंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की संभावित भारत यात्रा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पार्टी प्रवक्ता मनीष झा ने आईएएनएस को बताया कि लामिछाने को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने नई दिल्ली आने का निमंत्रण दिया है। भाजपा अध्यक्ष के अलावा उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर सहित अन्य नेताओं से मुलाकात करने की संभावना है। प्रवक्ता ने कहा, 'यात्रा से जुड़ी विस्तृत जानकारी सोमवार को जारी की जाएगी।' हाल के वर्षों में भाजपा ने राज्यों और सरकारों के अलावा राजनीतिक दलों के बीच संबंधों को भी प्राथमिकता दी है, और इससे पहले भी नेपाल के कई नेताओं ने भाजपा के निमंत्रण पर भारत का दौरा किया है। हालांकि, अभी तक न तो भारतीय और न ही नेपाली पक्ष ने इस यात्रा की आधिकारिक घोषणा की है। आरएसपी, जिसने नेपाल की प्रतिनिधि सभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल किया कि छवि 'जेन-जी समर्थित' सरकार की है। पार्टी नेताओं का कहना है कि सत्तारूढ़ दल के प्रमुख की पड़ोसी देश की यात्रा को सामान्य कूटनीतिक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।

पीएम शाह ने संसद में कहा, 'भारत के साथ सीमा-विवाद वार्ता और कूटनीतिक तरीके से सुलझा लेंगे'

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह ने प्रतिनिधि सभा में दावा किया कि बहुत जल्द भारत के साथ सीमा विवाद को वार्ता और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए संभाल लिया जाएगा। वो एक सांसद की ओर से पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। सत्ता संभालने के बाद पहली बार उन्होंने संसद को संबोधित किया।

प्रतिनिध सभा से सत्र का सत्र का लाइव टेलीकास्ट किया गया। प्रधानमंत्री शाह ने रविवार को संसद में कहा कि यह केवल भारत द्वारा नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण का मामला नहीं है। उन्होंने कहा, 'दोनों पक्षों को बैठकर इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए।'

एक अलग प्रश्न के जवाब में, जिसमें लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी के जरिए भारत और चीन के बीच व्यापार से जुड़ा मुद्दा पूछा गया था, प्रधानमंत्री ने कहा कि इन विवादों का समाधान भी कूटनीतिक बातचीत से किया जाएगा। शाह के मुताबिक सीमा विवाद को लेकर उन्होंने यूनाइटेड किंगडम की सरकार से भी बात की है। उन्होंने बताया कि नेपाल ने इस मामले पर भारत को आधिकारिक कूटनीतिक नोट भेजा है और भारत की ओर से जवाब भी मिला है। उस जवाब में कहा गया है कि 'दोनों देश इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और विशेषज्ञों की टीम बनाकर बातचीत के जरिए समाधान निकालेंगे।' नेपाली मीडिया आउटलेट द काठमांडू पोस्ट के अनुसार, संसद की बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री शाह ने सभापति डीपी आर्यल से सांसदों के सवालों का जवाब देने के लिए समय मांगा। प्रधानमंत्री ने हाथ उठाकर समय का अनुरोध किया, जिसे सभापति ने मंजूर किया और उन्हें हाउस रोस्ट्रम (पोडियम) का उपयोग करने की अनुमति दी।

इसके बाद, सभापति ने सांसदों को उनके-अपने दलों की ओर से सवाल पूछने की अनुमति दी। कुछ सांसदों ने पहले सवाल उठाए थे कि यह प्रक्रिया संसदीय नियमों के अनुसार है या नहीं।

पिछली प्रथाओं के अनुसार, सभापति प्रधानमंत्री के साथ सवाल-जवाब सत्र के लिए विशिष्ट समय आवंटित करते थे और सांसद पहले से लिखित रूप

ईरान ने तेज रफ्तार अटैक शिप का किया प्रदर्शन, दावा-क्रूज मिसाइल लॉन्च करने में सक्षम

तेहरान। अमेरिका के साथ संभावित समझौते की चर्चा के बीच इस्लामिक रिवॉल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) नेवी ने तेज रफ्तार नई अटैक शिप प्रदर्शित की। विभिन्न समाचार एजेंसियों ने इसकी जानकारी दी। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि ईरानी सेना ने अपनी नई हाई-स्पीड असॉल्ट जलयान '27 रजब' को इंकलाब स्क्वायर में एक समारोह के दौरान पेश किया। दावा किया जा रहा है कि यह अटैक शिप 100 नॉट यानी करीब 185 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंच सकती है। ये लंबी दूरी तक क्रूज मिसाइलें दागने में सक्षम है। तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह प्रदर्शन लगातार 90वें दिन से हो रही सभा का हिस्सा था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसमें ईरान की अवाम ने अपनी सेना के बढ़ते कद को करीब से देखा। एक तेज रफ्तार वाला युद्धपोत (फास्ट अटैक क्राफ्ट) है, जिसे खास तौर पर तटीय और समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है।

चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) असफल क्यों साबित हुआ?

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी), जिसे करीब एक दशक तक पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर के रूप में प्रचारित किया जा रहा था, अब एक ऐसी परियोजना बनकर रह गया है, जिसमें 'अधूरा बुनियादी ढांचा, बढ़ता कर्ज, रुके हुए औद्योगिक क्षेत्र और दोनों देशों के बीच बढ़ती निराशा' दिखाई दे रही है।

यूरोपियन टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, आज 'सीपीईसी 2.0' की ब्रांडिंग किसी नई शुरुआत का संकेत कम और एक ऐसी परियोजना को राजनीतिक रूप से बचाने का प्रयास ज्यादा है, जो अपने रणनीतिक और आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने में विफल रही है। करीब 62 अरब डॉलर मूल्य वाले सीपीईसी के मूल ढांचे में पाकिस्तान भर में फैले राजमार्ग, बिजली संयंत्र, रेल नेटवर्क, बंदरगाह विकास और विशेष आर्थिक क्षेत्र शामिल थे। चीन की बेल्ट एंड रोड पहल की इस प्रमुख परियोजना का उद्देश्य औद्योगिक बदलाव, क्षेत्रीय संपर्क, ऊर्जा सुरक्षा और ग्वादर को एक बड़े व्यापारिक केंद्र के रूप में विकसित करना था, जो पश्चिमी चीन को अरब सागर से जोड़ सके। हालांकि रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआत से ही इस मॉडल में खामियां थीं क्योंकि इसमें दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता की बजाय दिखने वाले बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर चीनी वित्तपोषण और निर्माण क्षमता तो हासिल कर ली, लेकिन वह ऐसा औद्योगिक ढांचा तैयार नहीं कर पाया जो लंबे समय तक आर्थिक लाभ दे सके।

भारत के रक्षा सचिव ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से की मुलाकात, इंडो-पैसिफिक सुरक्षा पर फोकस

सिंगापुर। शांगरी-ला डायलॉग में शामिल होने के लिए सिंगापुर गए भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने रविवार को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। अमेरिकी सदन की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्य पैट हैरिगन के नेतृत्व में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने पर फोकस किया गया।

रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क निदेशालय ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। बताया कि द्विदलीय अमेरिकी कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल (सीओडीईएल) के साथ बातचीत में भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी की मजबूती को फिर से रेखांकित किया गया। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा सहयोग के विस्तार और इंडो-पैसिफिक में साझा रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया।

इससे पहले राजेश कुमार सिंह ने शांगरी-ला डायलॉग 2026 के दौरान न्यूजीलैंड के रक्षा मंत्री क्रिस पेनक और सिंगापुर के रक्षा मंत्री चान चुन सिंग के साथ सार्थक बातचीत की।

इन बैठकों में द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने, समुद्री सहयोग को बढ़ाने, सूचना साझा करने की व्यवस्था को बेहतर बनाने और एक सुरक्षित, स्थिर तथा समावेशी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए साझा प्रतिबद्धता को दोहराने पर जोर दिया गया। तीन दिवसीय समिट में हिस्सा लेने पहुंचे रक्षा सचिव शुक्रवार से रविवार तक कई महत्वपूर्ण बैठकों का हिस्सा बन चुके हैं। डायलॉग के दौरान राजेश कुमार सिंह ने कई प्रमुख थिंक टैंक और अकादमिक विशेषज्ञों से भी बातचीत की है। चर्चा का फोकस इंडो-पैसिफिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने, रक्षा उद्योग में सहयोग बढ़ाने और नई तकनीकों में साझेदारी पर रहा। सिंगापुर में आयोजित हो रहे शांगरी-ला डायलॉग में कई देशों के रक्षा मंत्री, सैन्य प्रमुख, और नीति निर्माता शामिल हुए हैं। यहां बड़े स्तर पर चर्चा सत्रों के साथ-साथ अलग-अलग देशों के प्रतिनिधियों के बीच द्विपक्षीय बैठकें भी हो रही हैं।

शांगरी-ला डायलॉग में भारत की सक्रिय कूटनीति, रक्षा सचिव ने कई देशों के प्रतिनिधियों से की मुलाकात

सिंगापुर। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने रविवार को शांगरी-ला डायलॉग के दौरान न्यूजीलैंड और सिंगापुर के रक्षा मंत्रियों के साथ बैठक की। इन बैठकों में दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को और मजबूत बनाने, समुद्री सहयोग बढ़ाने और सूचना साझा करने की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर चर्चा हुई।

रक्षा मंत्रालय ने बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि बातचीत का मुख्य फोकस द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करना, समुद्री सहयोग बढ़ाना, सूचना आदान-प्रदान की व्यवस्था को आगे बढ़ाना और सुरक्षित, स्थिर तथा सभी को साथ लेकर चलने वाले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दोहराना था। सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला डायलॉग में विभिन्न देशों के मंत्री अहम मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। इसके साथ ही अलग-अलग देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच द्विपक्षीय बैठकों का भी अवसर मिल रहा है। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, शनिवार को राजेश कुमार सिंह ने शांगरी-ला डायलॉग के दौरान आयोजित एक स्वागत समारोह में सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम से भी मुलाकात की।

लेबनान के ब्यूफोर्ट किले पर फहरा इजरायली झंडा, रक्षा मंत्री काट्ज ने 'रणनीतिक जीत' बताया

तेल अवीव। इजरायली ब्रॉडकास्ट कॉर्प ने रविवार सुबह एक तस्वीर सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की, जिसमें दक्षिणी लेबनान के नबातियेह शहर के पास मौजूद ब्यूफोर्ट किले पर इजरायली और गोलानी ब्रिगेड का झंडा फहराते हुए दिखाया गया। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने इसे 'रणनीतिक जीत' करार दिया।

आईडीएफ प्रवक्ता ने अपने एक्स पोस्ट के जरिए इलाके में मौजूद अपने सैनिकों की तस्वीरें भी जारी कीं और कहा कि हमारी सेना अब लितानी नदी के उत्तर में हिजबुल्लाह के खिलाफ लगातार हमले कर रही है। लंबे चौड़े पोस्ट में उन्होंने अब तक की उपलब्धियों को तारीफ के काबिल बताया। वहीं, इस नवीनतम घटनाक्रम से उत्साहित इजराइल काट्ज ने तस्वीर साझा करते हुए एक्स पोस्ट में लिखा कि इजरायली सेना ने, गोलानी ब्रिगेड के नेतृत्व में, दक्षिणी लेबनान में ब्यूफोर्ट किले पर कब्जा कर लिया है। यह कार्रवाई लितानी नदी के पार ऑपरेशन का विस्तार करने के बाद की गई। इजरायली रक्षा मंत्री ने कहा, 'ब्यूफोर्ट की वीरतापूर्ण लड़ाई के 44 वर्ष बाद, और 'गैलीली के लिए शांति' युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के स्मरण दिवस पर जिसमें ब्यूफोर्ट की लड़ाई में शहीद हुए गोलानी ब्रिगेड के सैनिक भी शामिल थे, इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) के सैनिक, गोलानी ब्रिगेड के नेतृत्व में, ब्यूफोर्ट की चोटी पर फिर से लौटे और वहां इजरायल और गोलानी ब्रिगेड का झंडा एक बार फिर फहराया।' काट्ज ने पोस्ट में आगे कहा कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निर्देश और उनके अपने मार्गदर्शन में इजरायली सेना ने लेबनान में सैन्य अभियान का विस्तार किया, लितानी नदी को पार किया और ब्यूफोर्ट रिज पर कब्जा कर लिया। उन्होंने गैलीली की बस्तियों की रक्षा और सुरक्षा बलों की सुरक्षा के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थान बताया। बोले, 'यह हमारे दुश्मनों के लिए एक स्पष्ट संदेश है: जो भी इज़राइली नागरिकों को धमकी देगा, वह एक के बाद एक अपने रणनीतिक ठिकानों को खो देगा।'

नशामुक्त उत्तर प्रदेश की दिशा में सरकार का बड़ा अभियान, युवाओं को जागरूक बनाने पर विशेष जोर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री योगी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे प्रयासों को लगातार गति मिल रही है। सरकार ने नशे के दुष्प्रभावों को रोकने के लिए जागरूकता को सबसे प्रभावी हथियार बनाते हुए व्यापक अभियान संचालित किया है।

मद्यनिषेध विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 के दौरान प्रदेश भर में युवाओं, छात्रों और आम नागरिकों के बीच नशा विरोधी कार्यक्रमों का व्यापक आयोजन किया गया, जिससे लाखों लोगों तक सकारात्मक संदेश पहुंचा। योगी सरकार की प्राथमिकता केवल नशे की रोकथाम तक सीमित नहीं है, बल्कि नई पीढ़ी को इसके दुष्प्रभावों से अवगत कराकर उन्हें स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में भी लगातार कार्य किया जा रहा है।

इसी उद्देश्य से प्रदेश के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में निबंध, भाषण, पोस्टर, सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मद्यनिषेध विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कुल 1352 प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। इनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 5404 छात्र-छात्राओं को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया, क्योंकि युवाओं को सही दिशा में प्रेरित कर नशे के खिलाफ मजबूत सामाजिक वातावरण तैयार किया जा सकता है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेष अभियान चलाए गए, जहां खेलकूद प्रतियोगिताओं और जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। इन कार्यक्रमों को स्थानीय स्तर पर भी सराहना मिली। योगी सरकार के निर्देश पर मद्यनिषेध विभाग ने राज्य स्तर से लेकर जनपद स्तर तक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। वर्ष भर में 40 राज्य स्तरीय और 1727 जनपद स्तरीय संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। इनमें शिक्षकों, कर्मचारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, धर्माचार्यों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

वैज्ञानिक आधुनिक कृषि का व्यवहारिक अनुभव किसानों को दें : राज्यपाल मंगुभाई पटेल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि वैज्ञानिक आधुनिक कृषि तकनीक का व्यवहारिक अनुभव किसानों को दें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान द्वारा आसपास के क्षेत्रों के किसानों को केंद्र में आमंत्रित किया जाना चाहिए। यहां किसानों को उनके सामर्थ्य और आवश्यकता के अनुरूप उपयोगी आधुनिक तकनीकों के बारे में बताया जाए। उन्हें कृषि यंत्रों का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाए, ताकि किसान इनका स्वयं उपयोग करने में सक्षम हो सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के साथ 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, हमारे पूरे राष्ट्र की सामूहिक चेतना, शक्ति और संकल्प का प्रतीक है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के पूर्व किसानों और कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल के साथ किसानों, कृषि वैज्ञानिकों के साथ 'मन की बात' के सामूहिक श्रवण कार्यक्रम का आयोजन रविवार को केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान के सभागार में किया गया था। इस अवसर पर संचालक कृषि कल्याण उमाशंकर भार्गव भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देश के सुदूर कोनों के गुमनाम नायकों की उपलब्धियों को बताते हैं, जिनके एकल प्रयासों ने समाज में बड़े बदलाव किए हैं। यह कार्यक्रम हमें सिखाता है कि कोई भी काम छोटा नहीं होता, क्योंकि जब पूरा देश एक दिशा में सोचता है और सामूहिक चेतना के साथ काम करता है, तो बड़े से बड़ा बदलाव आसानी से हो जाता है।

संक्षिप्त खबर

जम्मू-कश्मीर के उरी में सेना ने एलओसी पार करने की कोशिश कर रहे तीन लोगों को पकड़ा

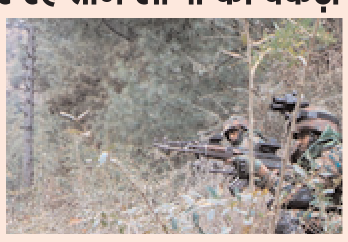

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में रविवार को तीन लोगों को उस समय पकड़ा गया जब वे लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पार करके पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जाने की कोशिश कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि आर्मी ने तीन लोगों को तब पकड़ा जब वे कश्मीर में एलओसी पार करने की कोशिश कर रहे थे। तीनों लोग बारामूला जिले के सोपोर इलाके के रहने वाले हैं। अधिकारियों ने बताया कि वे शनिवार-रविवार की दरमियानी रात को हथलंगा-नांबला इलाके से पीओके में घुसने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार किए गए तीनों लोगों की पहचान सोपोर के रहने वाले आदिल हुसैन डार, सोपोर के रहने वाले इश्फाक अहमद और सोपोर के रहने वाले जफर अहमद के तौर पर हुई है। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से डार टीए (टेरिटोरियल आर्मी)-161 का सस्पेंडेड जवान है। सूत्रों ने बताया कि तीनों पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मौजूद कुछ हैंडलर्स के संपर्क में थे। तीनों अभी कस्टडी में हैं और सिक्योरिटी एजेंसियां उनसे पूछताछ कर रही हैं और जानकारी का इंतजार है। एक और घटना में आर्मी यूनिट ने उरी सेक्टर के सिलिकोट इलाके में एलओसी पार करके कश्मीर में घुसे एक पीओके के रहने वाले युवक को पकड़ा। पकड़े गए व्यक्ति मुजफ्फराबाद के रहने वाले जीशान मीर ने दावा किया कि वह उरी सेक्टर के तिलाई में रहने वाली अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने के लिए एलओसी पार कर गया था।

मुरादाबाद में युवक ने लाइव वीडियो बनाकर खुदकुशी की, जांच में जुटी पुलिस

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक शख्स द्वारा सुसाइड करने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शख्स ने अपने ही पिता की लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली। इस दौरान उसने अपना एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया। मामला कुंदरकी थाना क्षेत्र के चकफाजलपुर गांव का है, जहां एक 19 साल के युवक द्वारा कथित रूप से आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार, 19 वर्षीय फरत अली ने अपने पिता की लाइसेंसी बंदूक से घर के भीतर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि घटना के समय घर में मौजूद एक छोटे बच्चे के सामने उसने मोबाइल फोन से वीडियो रिकॉर्ड करते हुए यह कदम उठाया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, युवक किसी पारिवारिक परेशानी से परेशान था। वायरल वीडियो में वह कथित तौर पर यह कहते हुए दिखाई दे रहा है कि उसकी मौत के बाद उसके परिवार को परेशान न किया जाए। घटना की सूचना मिलते ही कुंदरकी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी बंदूक को भी अपने कब्जे में ले लिया है। घर में शख्स द्वारा उठाए गए इस चौंकाने वाले कदम के बाद परिवार में चीख पुकार मच गई। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) कुवर आकाश सिंह ने बताया कि घटना 30 मई की रात की है। अपने पिता की लाइसेंसी बंदूक से युवक ने खुद को गोली मार ली।

कोलकाता नगर निगम ने 3,000 अवैध निर्माणों की पहचान की

कोलकाता। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के भवन विभाग ने शहर भर में लगभग 3,000 अवैध निर्माणों की पहचान की है। इसकी जानकारी नगर निगम के एक अधिकारी ने रविवार को दी।

अधिकारी ने बताया कि इन हजारों आवासों में किए गए निर्माण और विस्तार पूरी तरह से गैरकानूनी हैं और इन्हें किसी भी क्षण ध्वस्त किया जा सकता है। पूर्वी कोलकाता में ईएम बाईपास के आसपास ऐसे कई अवैध ढांचे बन गए हैं।

कोलकाता नगर निगम के छह नगरों में से बेलियाघाटा, तंगरा, तिलजाला, बुर्राबाजार, टॉपसिया, कस्बा, गार्डन रीच, मेतियाब्रुज, कोसीपोर और चितपुर जैसे क्षेत्रों में सबसे अधिक अवैध निर्माण हुए हैं। केएमसी के भवन विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों को 'रेड जोन' घोषित किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, इन रेड जोन को उन स्थानों के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जहां अवैध निर्माणों की अच्छी-खासी संख्या मौजूद है।

जांच के दौरान केएमसी अधिकारियों ने पाया कि इन अवैध निर्माणों को स्थानीय प्रमोटरों और गिरोहों द्वारा सुगम बनाया गया था। केएमसी के सूत्रों के अनुसार, अक्सर ऐसा होता है कि कोई प्रमोटर या निर्माण कंपनी नगर निगम से 'जी प्लस फोर' इमारत के निर्माण की मंजूरी तो ले लेती है, लेकिन बाद में 'डी प्लस फाइव' इमारत का निर्माण कर देती है। इससे न केवल अतिरिक्त 'अवैध' मंजिल से मुनाफा बढ़ाने का मौका मिलता है, बल्कि भवन निर्माण सामग्री की खरीद से जुड़ी लागत में भी भारी वृद्धि होती है। इस मुनाफे को गिरोहों में बांट दिया जाता है।

एक अधिकारी ने कहा कि कुछ इमारतों में जहां अवैध रूप से एक अतिरिक्त मंजिल का निर्माण किया गया है, वहां पूरी संरचना को ध्वस्त नहीं किया जाएगा, बल्कि केवल अतिरिक्त मंजिल की ही जांच की जाएगी।

कोलकाता नगर निगम के भवन विभाग का कहना है कि कोलकाता के जिन इलाकों को अवैध निर्माण के लिए 'रेड जोन' घोषित किया गया है, वहां अवैध निर्माण के लिए गिरोहों द्वारा गांवों या झुग्गी-झोपड़ी वाले इलाकों को ध्वस्त किए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, इन अवैध निर्माणों में तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं के नाम भी सामने आ रहे हैं।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सुधीर परमार को भ्रष्टाचार के मामले में बरी करने वाले जज को किया सस्पेंड

नई दिल्ली। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंचकूला में सीबीआई कोर्ट के तत्कालीन स्पेशल जज राजीव गोयल को तुरंत सस्पेंड कर दिया है और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने पर विचार किया जा रहा है।

29 मई को हाईकोर्ट के जारी सस्पेंशन ऑर्डर में कहा गया कि यह फैसला चीफ जस्टिस और जजों ने संविधान के आर्टिकल 235 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए हरियाणा सिविल सर्विसेज (पनिशमेंट एंड अपील) रूल्स, 2016 के रूल 4(बी) के साथ लिया।

आदेश में कहा गया कि चीफ जस्टिस और जजों ने तत्कालीन स्पेशल जज सीबीआई कोर्ट, पंचकूला राजीव गोयल (अब कैथल में एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज) को तुरंत सस्पेंड कर दिया है, ताकि उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जा सके। निलंबन के दौरान गोयल का हेडक्वार्टर कैथल में रहेगा और उन्हें डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज कैथल की इजाजत लिए बिना हेडक्वार्टर न छोड़ने का निर्देश दिया गया है। आदेश में आगे कहा गया कि वह हरियाणा सिविल सर्विसेज (जनरल) रूल्स, 2016 के अनुसार गुजारे के लिए अलाउंस के हकदार होंगे। हालांकि, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश में यह नहीं बताया गया कि आरोप किस तरह के हैं या उन आधारों पर ज्यूडिशियल ऑफिसर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का प्रस्ताव है।

एसआईआर का तीसरा चरण : ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में योग्य वोटरों की गिनती शुरू

नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने रविवार को कहा कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन(एसआईआर) के तीसरे चरण के तहत गिनती का फेज ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर के लिए शुरू हो गया है।

एक अधिकारी ने एक बयान में कहा कि ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर के लिए गिनती का फेज शनिवार को शुरू हुआ। आयोग ने कहा कि सभी योग्य वोटर जिनके गिनती के फॉर्म इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर (ईआरओ) को 28 जून को या उससे पहले मिल जाएंगे, उन्हें ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल में शामिल किया जाएगा।

जो वोटर 28 जून तक अपने गिनती के फॉर्म जमा नहीं कर पा रहे हैं, वे क्लेम और ऑब्जेक्शन के समय के दौरान तय डिक्लेरेशन फॉर्म के साथ फॉर्म 6 के जरिए अप्लाई कर सकते हैं। एसआईआर के एन्यूमरेशन फेज के दौरान, बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर सभी मौजूदा वोटर्स को एन्यूमरेशन फॉर्म देते हैं।

चुनाव आयोग ने कहा कि वोटर्स सही तरीके से भरा हुआ फॉर्म बीएलओ या ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। ज्यादा से ज्यादा कवरेज पक्का करने के लिए बीएलओ फॉर्म बांटने, इकट्ठा करने और वेरिफिकेशन के लिए हर घर जाएंगे। घर-घर जाकर एन्यूमरेशन के दौरान, बीएलओ कम से कम 30 खाली फॉर्म 6 के साथ खाली डिक्लेरेशन फॉर्म लेकर जाते हैं, ताकि जो कोई भी नया वोटर बनना चाहता है, उसे दिया जा सके।

सभी धर्मों का हो सम्मान, जबरन धर्मांतरण को हतोत्साहित किया जाए : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को धर्मस्थल से कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्थंगडी में स्थित सिरी मातृश्री औद्योगिक पार्क का उद्घाटन किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने कहा कि समृद्ध ग्रामीण भारत का सपना सिरी जैसी संस्थाओं के माध्यम से ही साकार हो सकता है, जिन्होंने आजीविका सृजन और उद्यमिता के माध्यम से हजारों महिलाओं और ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाया है।

श्री क्षेत्र धर्मस्थल द्वारा प्रतिपादित मूल्यों पर बोलते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सभ्यता ने हमेशा सभी धर्मों का सम्मान किया है और इस बात पर जोर दिया कि भक्ति, धर्म के साथ ही सामाजिक सद्भाव से ही नैतिक शक्ति को बढ़ावा मिलता है।

धर्मनिरपेक्षता की भावना को संरक्षित करने के महत्व पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि सभी धर्मों के साथ समान सम्मान और गरिमा का व्यवहार किया जाना चाहिए, जबकि किसी भी प्रकार के जबरन धर्मांतरण को हतोत्साहित किया जाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने राज्यसभा सांसद और सिरी के अध्यक्ष डॉ. डी वीरेंद्र हेगड़े की प्रशंसा करते हुए उनके जीवन को समाज के लिए एक संदेश बताया। उन्होंने कहा कि लगभग छह दशकों से डॉ. हेगड़े ने यह प्रदर्शित किया है कि आध्यात्मिकता किस प्रकार रचनात्मक सामाजिक परिवर्तन की एक शक्तिशाली शक्ति बन सकती है। उपराष्ट्रपति ने महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में हेमावती वी. हेगड़े के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी भी सामाजिक कार्य की सफलता जीवनसाथी के सहयोग और प्रतिबद्धता से ही संभव हो पाती है।

बिहार में 222 स्थानों पर छापेमारी, 122 बाल श्रमिक मुक्त, 60 मामलों में प्राथमिकी दर्ज

पटना। बिहार को बाल श्रम मुक्त बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर विशेष विमुक्ति एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पिछले 10 दिनों में राज्य के विभिन्न जिलों में सघन निरीक्षण एवं छापेमारी की गई। बताया गया कि 20 मई से 30 मई के बीच प्रदेश के विभिन्न इलाकों में कुल 222 स्थानों पर जांच अभियान चलाया गया, जिसमें 122 बाल श्रमिकों को विमुक्त कराया गया तथा बाल श्रम कराने वाले 60 नियोजकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई।

श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के अनुसार, बाल श्रम को समाप्त करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाई गई है। इसके अंतर्गत न केवल बाल श्रमिकों की पहचान कर उन्हें कार्यस्थलों से मुक्त कराया जा रहा है, बल्कि उनके पुनर्वास, शिक्षा से जोड़ने तथा उनके परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की दिशा में भी समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं।

मौसम साफ होते ही फिर शुरू हुई केदारनाथ यात्रा, प्रशासन पूरी तरह अलर्ट

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण कुछ समय के लिए रोकी गई केदारनाथ यात्रा रविवार को फिर से शुरू हो गई। जैसे ही मौसम साफ हुआ और बारिश रुकने के बाद केदारनाथ ट्रैकिंग मार्ग पर कामकाज फिर से शुरू हुआ, तीर्थयात्रियों की आवाजाही भी शुरू हो गई। हालांकि, अगर दिन में बाद में मौसम फिर से खराब होता है, तो तीर्थयात्रियों को हालात सुधरने तक पास की सुरक्षित जगहों पर ठहराया जाएगा।

इससे पहले दिन में मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश के बीच 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किए जाने के बाद केदारनाथ यात्रा को कुछ समय के लिए रोक दिया गया था।

रुद्रप्रयाग के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) विशाल मिश्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि इस इलाके में रातभर बारिश हुई। हमें मौसम विभाग से जानकारी मिली है कि आज 'ऑरेंज अलर्ट' जारी रहेगा और मौजूदा मौसम के हालात को देखते हुए सोमवार के लिए 'येलो अलर्ट' घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि हमने उन लोगों से अनुरोध किया है जो अभी तीर्थस्थलों की ओर जा रहे हैं, वे पास के 'होल्डिंग एरिया' (ठहरने की जगह) और सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। हमारी टीमें कंट्रोल रूम से और मौके पर जाकर भी हालात पर नजर रख रही हैं। हमारी पूरी कोशिश यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी तीर्थयात्री को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सोनप्रयाग, गौरीकुंड और भूस्खलन की आशंका वाले अन्य इलाकों में तैनात अधिकारियों को निर्देश दिया गया था कि जब तक मौसम के हालात न सुधरें, तब तक किसी भी तीर्थयात्री को आगे न जाने दें। हालांकि, जैसे ही मौसम के हालात सुधरे सुरक्षित जगहों पर रुके हुए तीर्थयात्रियों को आगे जाने दिया गया। इस बीच, भारी बारिश और कोहरे के कारण हेलीकॉप्टर सेवाएं भी कुछ समय के लिए रोक दी गई हैं। डीएम ने पिछले दो दिनों से राज्य में हो रही भारी बारिश को देखते हुए बताया कि देहरादून, ऋषिकेश और हरिद्वार जैसे मैदानी इलाकों में 'होल्डिंग एरिया' बनाए गए हैं, जहां तीर्थयात्रियों को सभी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

उन्होंने बताया कि यात्रा को सुचारू रूप से चलाने के लिए तीर्थयात्रियों से सुझाव भी लिए गए हैं। डीएम ने कहा कि कुछ दिक्कतें सामने आई हैं। हम तीर्थयात्रियों की मदद करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं ताकि वे जल्द से जल्द 'दर्शन' कर सकें। डीएम ने कहा कि प्रशासन मंदिर परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने पर भी ध्यान दे रहा है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि मंदिर में 'टोकन सिस्टम' का पालन किया जाए।

सौर विस्फोट से ध्रुवीय बदलाव तक, ईएसए ने दिखाई सूर्य की हैरान कर देने वाली झलक

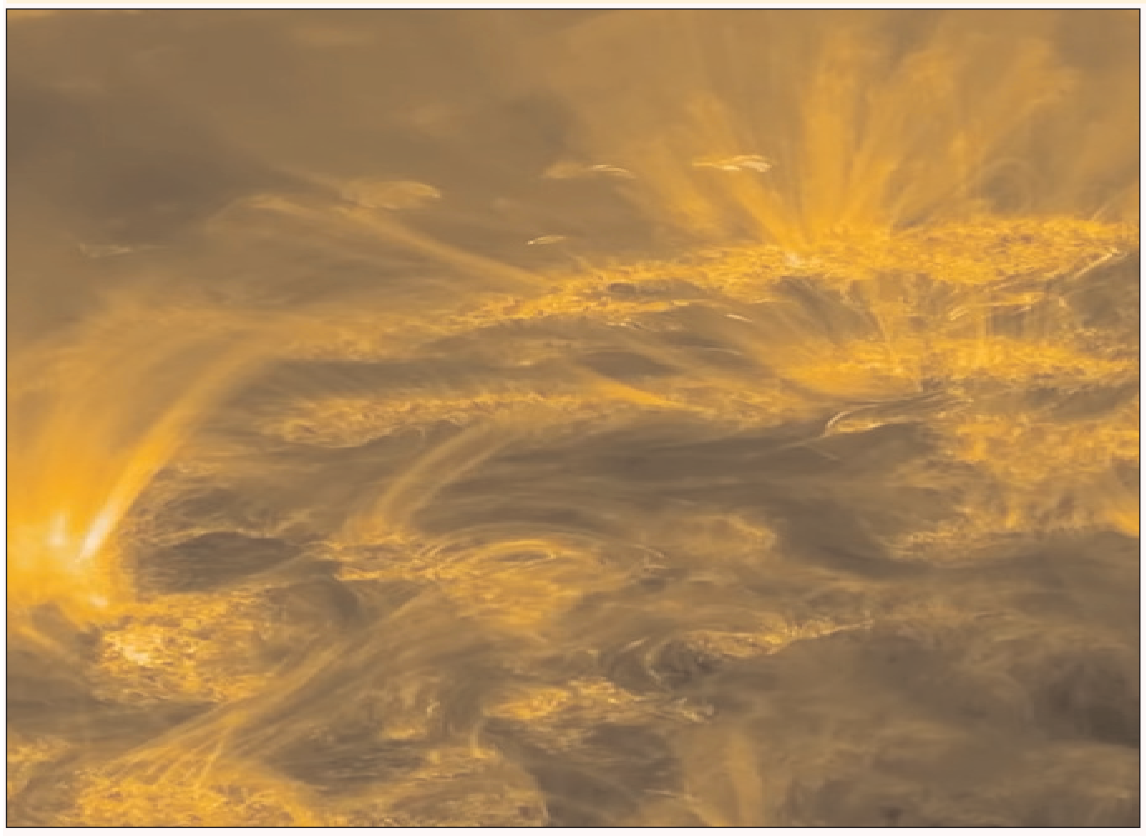

नई दिल्ली। चंद्रमा, सूर्य समेत अन्य ग्रह हों या एस्टेरॉयड, रोमांच और रहस्यों से भरी अंतरिक्ष की दुनिया आम लोगों को खासा आकर्षित करती है। ऐसे में दुनिया भर की अंतरिक्ष एजेंसियां इस दुनिया से जुड़ी नई-नई जानकारियां साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) ने सूर्य की कुछ बेहद खास तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें सौर विस्फोट से लेकर ध्रुवीय बदलाव तक देखने को मिल रहे हैं।

ईएसए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सूर्य के अलग-अलग रूपों को दिखाने वाली चार तस्वीरें पोस्ट करते हुए लोगों से पूछा, 'सूर्य का कौन सा नजारा सबसे ज्यादा हैरान करता है?'

ईएसए के अनुसार, ये तस्वीरें सूर्य की गतिविधियों और उसके रहस्यमयी व्यवहार को समझने में मदद करती हैं। इनमें सूर्य के सक्रिय क्षेत्रों, विशाल विस्फोटों, सौर हवाओं और चुंबकीय ध्रुवों में होने वाले बदलाव जैसी घटनाओं को दिखाया गया है।

पहली तस्वीर में सूर्य के पश्चिमी किनारे पर मौजूद एक सक्रिय क्षेत्र को कैद किया गया है। यह तस्वीर अक्टूबर 2025 में सोलर ऑर्बिटर मिशन द्वारा ली गई थी। तस्वीर में दिखाई देने वाले विशाल चुंबकीय लूप वैज्ञानिकों के लिए विशेष रुचि का विषय हैं। ईएसए के अनुसार, सूर्य के भीतर बनने वाली ध्वनि तरंगें सतह तक पहुंचकर सनस्पॉट्स के माध्यम से कोरोना तक ऊर्जा पहुंचाती हैं, जिससे ये लूप धड़कते हुए दिखाई देते हैं।

दूसरी तस्वीर जनवरी 2024 में हुए दो बड़े सौर विस्फोटों को दिखाती है। सोलर ऑर्बिटर और लास्को कोरोनोग्राफ ने मिलकर इन घटनाओं को रिकॉर्ड किया था। इनमें दूसरा विस्फोट बेहद शक्तिशाली था। विस्फोट के बाद बने चमकदार चुंबकीय लूप यह संकेत देते हैं कि सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र में कितनी बड़ी मात्रा में ऊर्जा जमा और मुक्त होती है।

तीसरी तस्वीर अप्रैल 2025 की है, जिसमें सूर्य के चार अलग-अलग स्वरूप एक ही फ्रेम में दिखाई देते हैं। इसमें अत्यधिक सक्रिय क्षेत्र, शांत हिस्से और कोरोना के विशाल छिद्र एक-दूसरे के बिल्कुल पास मौजूद हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इन क्षेत्रों के बीच की सीमाएं सौर हवा (सोलर विंड) के बनने की प्रमुख जगहों में शामिल हो सकती हैं।

चौथी तस्वीर सूर्य के चुंबकीय ध्रुवों में होने वाले बदलाव से जुड़ी है। वैज्ञानिकों के अनुसार, लगभग हर 11 साल में सूर्य के उत्तरी और दक्षिणी चुंबकीय ध्रुव अपनी जगह बदल लेते हैं। हालांकि, इस प्रक्रिया के पीछे के कारणों की सामान्य समझ मौजूद है, लेकिन इसका पूरा वैज्ञानिक रहस्य अभी भी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

भारत औद्योगीकरण के लिए कोयले की जगह सौर ऊर्जा का उपयोग करने वाला बन सकता है पहला देश : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत औद्योगीकरण के लिए कोयले की जगह सौर ऊर्जा का उपयोग करने वाला पहला देश हो सकता है। देश की सौर ऊर्जा क्षमता करीब 40 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ रही है और मार्च 2026 तक 150 गीगावाट के अधिक हो गई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

जलवायु और पर्यावरण केंद्रित अमेरिकी न्यूज पोर्टल ग्रिस्ट ने येल ई360 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत गुजरात के कच्छ के रेगिस्तान में फैले विशाल सौर पैनलों के कारण यह क्षेत्र तेजी से दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों में से एक में परिवर्तित हो रहा है।

भारत-पाकिस्तान सीमा के पास लगभग 280 वर्ग मील में फैला खावड़ा सौर पार्क 2029 तक दुनिया की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा परियोजना बन सकता है।

एक बार पूरा होने पर, इस परियोजना में लगभग 6 करोड़ सौर पैनल लग जाएंगे और इससे 30 गीगावाट बिजली उत्पन्न होगी – जो ऑस्ट्रिया जितने बड़े देश को बिजली देने के लिए पर्याप्त है।

यह विशाल परियोजना सौर ऊर्जा की ओर भारत के बढ़ते कदम को दर्शाती है। देश की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता में प्रतिवर्ष लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है और मार्च में यह 150 गीगावाट को पार कर गई।

जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करते हुए बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के उद्देश्य से भारत ने 2030 तक इस क्षमता को फिर से दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

ब्रिटेन स्थित थिंक टैंक एम्बर के ऊर्जा रणनीतिकार किंग्समिल बॉन्ड के अनुसार, भारत, चीन और पश्चिमी देशों से अलग राह पर चल रहा है, जिन्होंने अपनी अर्थव्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा जीवाश्म ईंधन पर टिकाया है।

बॉन्ड ने कहा, 'चीन ने कोयले पर अपनी अर्थव्यवस्था का निर्माण किया; भारत सौर ऊर्जा पर निर्माण कर रहा है।' उन्होंने आगे कहा कि भारत का मॉडल अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं को प्रेरित कर सकता है जो कार्बन उत्सर्जन में भारी वृद्धि किए बिना तीव्र विकास की तलाश में हैं।

भारत का तेज सौर ऊर्जा विस्तार महज एक दशक पहले की स्थिति से एक नाटकीय बदलाव को दर्शाता है, जब देश के ऊर्जा मिश्रण में सौर ऊर्जा की भूमिका सीमित थी।

पोषण से बेहतर होगी दृष्टि, जानें आंखों के लिए विटामिन-ए की अहमियत

नई दिल्ली । आज की भागदौड़ भरी जिंदगी, अनियमित खान-पान, लापरवाही और लगातार बढ़ता स्क्रीन टाइम आंखों की सेहत के लिए बड़ा खतरा बन गया है। मोबाइल, कंप्यूटर और टीवी के सामने घंटों बिताने से आंखों में थकान, धुंधलापन, सूखापन और कमजोर दृष्टि जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में पोषक तत्वों के सेवन से आंखों को सेहतमंद रखा जा सकता है।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) ने विटामिन ए से युक्त आहार को अपनाकर आंखों की देखभाल करने की सलाह दी है। एनएचएम के अनुसार, विटामिन ए आंखों की रोशनी को लंबे समय तक स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह विटामिन रेटिना को ठीक से काम करने में मदद करता है, रात में देखने की क्षमता बढ़ाता है और आंखों को संक्रमण से बचाता है।

नियमित रूप से विटामिन ए से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करने से आंखों की कमजोरी को रोका जा सकता है। आंखों के लिए फायदेमंद विटामिन ए युक्त खाद्य पदार्थों में गाजर, हरी सब्जियां, आम समेत कई फल-फूल हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि 'बेहतर पोषण से ही बेहतर दृष्टि संभव है।' अपने भोजन की थाली में सही आहार को शामिल कर हम अपनी आंखों की सुरक्षा बढ़ा सकते हैं। स्वस्थ आंखें बेहतर जीवन की कुंजी हैं।

गाजर :- विटामिन ए का सबसे अच्छा और लोकप्रिय स्रोत है। रोजाना गाजर का जूस या सलाद में गाजर शामिल करने से आंखों की रोशनी तेज होती है और आंखों के मसल्स भी मजबूत होते हैं।

हरी सब्जियां :- पालक, मेथी, सरसों, ब्रोकली जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां विटामिन ए से भरपूर होती हैं। ये आंखों को स्वस्थ रखने के साथ-साथ शरीर को अन्य पोषक तत्व भी देती हैं।

आम :- गर्मियों का राजा आम न सिर्फ स्वादिष्ट होता है बल्कि विटामिन ए का बेहतरीन स्रोत भी है। मौसमी आम का नियमित सेवन आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

दूध :- दूध और दूध से बने उत्पाद जैसे दही, छाछ और पनीर भी विटामिन ए का बेहतरीन स्त्रोत होते हैं। इसके अलावा, विशेषज्ञों की सलाह है कि स्क्रीन टाइम को सीमित रखें, हर 20 मिनट में 20 सेकंड के लिए दूर की वस्तु को देखें (20-20-20 नियम) और खाने में ऊपर बताए गए पदार्थों को जरूर शामिल करें।

मोटापा और मधुमेह बढ़ने से तमिलनाडु की स्वास्थ्य सफलता के सामने आ रहीं चुनौतियां

चेन्नई। मां और बच्चे की सेहत की देखभाल के मामले में तमिलनाडु देश के सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक बनकर उभरा है।

अब तमिलनाडु में लगभग हर बच्चे का जन्म किसी मेडिकल संस्थान में होता है। राज्य ने अपनी कई पुरानी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों पर काफी हद तक काबू पा लिया है। लेकिन बढ़ते मोटापा, मधुमेह और अन्य गैर-संक्रामक बीमारियों से चिंता बढ़ी है।

नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के छठे दौर के अनुसार, तमिलनाडु में संस्थागत प्रसव (अस्पतालों में होने वाले प्रसव) का आंकड़ा बढ़कर 99.7 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो कि राष्ट्रीय औसत 90.6 प्रतिशत से काफी अधिक है।

ग्रामीण क्षेत्रों में 99.6 और शहरी क्षेत्रों में 99.8 प्रतिशत संस्थागत प्रसव हो रहे हैं। इन उपलब्धियों के बावजूद, यह सर्वे कुछ बीमारियों में चिंता बढ़ा रही हैं।

बता दें कि तमिलनाडु देश के सबसे अधिक मोटापे वाले राज्यों में से एक है। 15-49 वर्ष आयु वर्ग की लगभग 44.2 प्रतिशत महिलाएं अधिक वजन वाली या मोटापे से ग्रस्त हैं। यह आंकड़ा पिछले सर्वे के 40.5 प्रतिशत से बढ़ा है और राष्ट्रीय औसत 30.7 प्रतिशत से काफी अधिक है। शहरी क्षेत्रों में, लगभग हर दूसरी महिला इसी श्रेणी में आती है। पुरुषों में, 38.8 प्रतिशत लोग अधिक वजन वाले या मोटापे से ग्रस्त हैं, जबकि राष्ट्रीय औसत 27.3 प्रतिशत है।

मधुमेह के बढ़ते मामले भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। राज्य में लगभग 25.2 प्रतिशत महिलाओं और 26.7 प्रतिशत पुरुषों में रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) का स्तर उच्च या बहुत उच्च पाया गया है; ये दोनों ही आंकड़े राष्ट्रीय औसत से अधिक हैं।जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ये आंकड़े आने वाले वर्षों में अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि, स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में बढ़ोतरी और समय से पहले होने वाली मौतों के बोझ में वृद्धि का कारण बन सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने रोकथाम, शीघ्र निदान और समय पर उचित हस्तक्षेप पर विशेष ध्यान देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि किसी भी बीमारी के गंभीर रूप धारण करने से पहले ही उसकी रोकथाम करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। यह सर्वे 'जेस्टेशनल डायबिटीज' (गर्भावस्था के दौरान होने वाला मधुमेह) और 'प्रेग्नेंसी-इंड्यूस्ड हाइपरटेंशन' (गर्भावस्था के कारण होने वाला उच्च रक्तचाप) की बढ़ती दरों की ओर भी संकेत करता है।

दुनिया में घट रहा तंबाकू सेवन, लेकिन किशोरों में वेपिंग बनी नई चुनौती

नई दिल्ली। इस दौर में स्मोकिंग से ज्यादा वेपिंग एक चुनौती के तौर पर उभर रही है। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के मौके पर डब्ल्यूएचओ ने ऐसी तस्वीर पेश की जो भयावह है। बताया है कि कैसे युवा तंबाकू से दूरी बना रहे हैं, लेकिन वहीं किशोर इसके मकड़जाल में फंसते जा रहे हैं। '2000-2024 के बीच तंबाकू उपयोग की व्यापकता के रुझानों और 2025-2030 के अनुमानों पर वैश्विक रिपोर्ट' पिछले दो वर्षों पहले प्रकाशित संस्करण का एक अपडेट है। ये हाल ही में जारी 'डब्ल्यूएचओ रिपोर्ट ऑन द ग्लोबल टोबैको एपिडेमिक, 2025/ का एक महत्वपूर्ण पूरक भी है।

ये दोनों रिपोर्ट्स मिलकर यह दर्शाती हैं कि लगभग सभी देश प्रभावी तंबाकू नियंत्रण उपायों को अपनाने और लागू करने में आगे बढ़ रहे हैं। कई देश पहले से ही इसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें तंबाकू उपयोग में उल्लेखनीय कमी शामिल है, और इसके परिणामस्वरूप सीधे स्वास्थ्य और आर्थिक लाभ भी देखे जा रहे हैं।

रिपोर्ट कहती है कि दुनिया भर में तंबाकू सेवन को कम करने के प्रयासों का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2000 में जहां 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 1.379 अरब लोग किसी न किसी तंबाकू उत्पाद का उपयोग करते थे, वहीं 2024 में यह संख्या घटकर 1.202 अरब रह गई। अनुमान है कि 2025 तक यह आंकड़ा और घटकर 1.196 अरब हो जाएगा। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

हालांकि, तंबाकू उपयोग में यह गिरावट एक नई चुनौती के साथ सामने आई है। दुनिया भर में लगभग 1.5 करोड़ किशोर, जिनकी आयु 13 से 15 वर्ष के बीच है, ई-सिगरेट या वेपिंग का उपयोग कर रहे हैं। जिन देशों में इस संबंध में आंकड़े उपलब्ध हैं, वहां किशोर, वयस्कों की तुलना में औसतन नौ गुना अधिक वेपिंग करते पाए गए हैं। इसके अलावा, करीब 4 करोड़ किशोर पारंपरिक तंबाकू उत्पादों का भी सेवन कर रहे हैं।

लिंग के आधार पर देखें तो 2024 में कुल तंबाकू उपयोगकर्ताओं में 83 प्रतिशत पुरुष हैं। इस वर्ष पुरुष उपयोगकर्ताओं की संख्या 99.7 करोड़ और महिला उपयोगकर्ताओं की संख्या 20.6 करोड़ दर्ज की गई। महिलाओं में तंबाकू सेवन में लगातार गिरावट देखी जा रही है। वर्ष 2000 में जहां 34.2 करोड़ महिलाएं तंबाकू का उपयोग करती थीं, वहीं 2024 में यह संख्या घटकर 20.6 करोड़ रह गई है। 2030 तक इसके 18.2 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

क्षेत्रीय स्तर पर दक्षिण-पूर्व एशिया में सबसे अधिक सुधार देखने को मिला है। 2010 से 2025 के बीच इस क्षेत्र में लगभग 6.9 करोड़ तंबाकू उपयोगकर्ताओं की कमी आने का अनुमान है।

तंबाकू छोड़ने से एक साल में हृदय रोग का खतरा हो जाता है आधाः डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली। तंबाकू और धूम्रपान से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए आज, यानी 31 मई को विश्व धूम्रपान निषेध दिवस मनाया जा रहा है। इस मौके पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने हेल्थ एडवाइजरी जारी कर तंबाकू छोड़ने से होने वाले लाभ के बारे में बताया है।

डब्ल्यूएचओ ने एक्स पर लिखा, 'आज विश्व तंबाकू निरोध दिवस है। तंबाकू का सेवन करने वालों में से लगभग 60 फीसदी लोग इसे छोड़ना चाहते हैं। शायद आप भी उनमें से एक हों। दुनिया भर में यह संख्या 75 करोड़ है। सहयोग से आप अपने सपने को सच कर सकते हैं। तंबाकू छोड़ने से आपके स्वास्थ्य को कई फायदे हो सकते हैं। 20 मिनट में आपकी हृदय गति कम हो जाती है। 2-12 हफ्तों में आपके फेफड़ों की कार्यक्षमता में सुधार होता है। इसके अलावा 1 साल में हृदय रोग का खतरा आधा हो जाता है। आप लत से छुटकारा पा सकते हैं। मदद उपलब्ध है, आज ही छोड़ें!'

इससे पहले 29 मई को डब्ल्यूएचओ ने आधिकारिक बयान में बताया था कि विश्वभर में 13-15 वर्ष की आयु के कम से कम 4 करोड़ बच्चे तंबाकू उत्पादों का सेवन करते हैं। युवाओं में ई-सिगरेट और निकोटीन पाउच का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन दुनिया भर की सरकारों से आग्रह करता है कि वे नई पीढ़ी को तंबाकू और निकोटीन उत्पादों की लत से बचाएं।

बढ़ती उम्र में भी सेहतमंद शरीर संभव, आयुष मंत्रालय ने बताए 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग'

नई दिल्ली। बढ़ती उम्र अपने साथ कई शारीरिक व मानसिक समस्याएं लेकर आती है। लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि शरीर अकड़ जाए और दिन-ब-दिन कमजोर होता जाए। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय बताता है कि नियमित योग अभ्यास से उम्र बढ़ने पर भी शरीर चुस्त, लचीला और स्वस्थ बनाए रखा जा सकता है।

मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 (21 जून) की आधिकारिक थीम 'स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग' है। इसके साथ ही खास तौर पर बुजुर्गों के लिए आसान योगासनों की सिफारिश की है। इनमें एक महत्वपूर्ण अभ्यास है- 'कटि शक्ति विकासक'। यह आसान योग क्रिया मुख्य रूप से शरीर के मध्य भाग (धड़) को मजबूत और लचीला बनाती है। इससे रीढ़ की हड्डी की गतिशीलता बढ़ती है, कमर की अकड़न कम होती है और रोजमर्रा के काम जैसे झुकना, बैठना और चलना आसान हो जाता है।

योग एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह अभ्यास बुजुर्गों में शारीरिक हलचल बनाए रखने और दैनिक जीवन की गुणवत्ता सुधारने में बहुत उपयोगी है। स्वस्थ बुढ़ापा कोई संयोग नहीं बल्कि छोटे-छोटे और लगातार प्रयासों का परिणाम होता है। योग इन प्रयासों का सबसे अच्छा माध्यम है। 'कटि शक्ति विकासक' जैसे अभ्यास नियमित करने से न सिर्फ शारीरिक लचीलापन बढ़ता है बल्कि संतुलन, मजबूती और स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

'कटि शक्ति विकासक' खड़े होकर किया जाने वाला आसान अभ्यास है।

फ्रेंच ओपन 2026 में एक और उलटफेर, डायने पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को हराया

पेरिस। फ्रेंच ओपन 2026 में उलटफेर का दौर जारी है। फ्रांस की डायने पैरी ने शनिवार को छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में जगह बनाई।

इस साल के फ्रेंच ओपन से पहले पैरी पांच बार ग्रैंड स्लैम के तीसरे राउंड में पहुंची थीं, लेकिन कभी भी अंतिम-16 में जगह नहीं बना पाई थीं। शनिवार को कोर्ट फिलिप-शैट्रिए पर पेरिस की शोरगुल भरी भीड़ के सामने खेलते हुए पैरी ने अमांडा अनिसिमोवा को 2 घंटे 44 मिनट तक चले तीन सेट के मुकाबले में 6-3, 4-6, 7-6 से हराया।

तीसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों ने कई बार अपने सर्विस गेम बचाए। इसके बाद पैरी ने अनिसिमोवा की सर्विस तोड़कर 4-3 की बढ़त बना ली, लेकिन अनिसिमोवा ने तुरंत वापसी करते हुए ब्रेक हासिल कर लिया। इसके बाद भी मुकाबला बराबरी पर चलता रहा और आखिरकार नतीजा टाईब्रेक से तय हुआ। टाईब्रेक में पैरी ने शानदार खेल दिखाया और 10-3 से जीत दर्ज कर मैच अपने नाम कर लिया।

पैरी ने अपनी जीत के बाद पत्रकारों से कहा, 'मुझे लगता है कि मैं हर मैच जीत सकती हूं और तीन सेट तक मुकाबला कर सकती हूं। मैं शारीरिक तौर पर अच्छा महसूस कर रही थी। मुझे लगा कि मेरा खेल उन्हें कुछ हद तक परेशान कर रहा है, इसलिए मैं इसे अपने दिमाग में बनाए रखने की कोशिश कर रही थी ताकि आखिर में मैच जीत सकूं। 'यह जीत पैरी के करियर में टॉप-10 रैंकिंग वाली खिलाड़ियों के खिलाफ महज दूसरी जीत थी। इसके साथ ही टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार सात मुकाबलों से चली आ रही उनकी हार का सिलसिला भी खत्म हो गया। फ्रेंच ओपन के मेन ड्रॉ में यह उनकी आठवीं जीत थी, जो किसी भी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पैरी, जो महिला एकल ड्रॉ में बची हुई फ्रांस की आखिरी खिलाड़ी हैं, ने हाल ही में अपने खेल में टू-हैंडेड बैकहैंड शॉट शामिल किया है। उनका कहना है कि वह अभी भी इस नए शॉट के साथ पूरी तरह सहज होने और इसकी आदत डालने की कोशिश कर रही हैं।

पीएसजी ने जीता यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब, पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को हराया

बुडापेस्ट । हंगरी के बुडापेस्ट के पुस्कास एरिना में खेले गए यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में आर्सेनल एफसी और पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल के स्टार खिलाड़ी गेब्रियल एक अहम पेनल्टी गंवा दी। इसका फायदा उठाकर पीएसजी ने शूटआउट जीत लिया और अपना यूरोपीय खिताब बरकरार रखा।

पीएसजी ने शूटआउट में अपनी पांच में से चार पेनल्टी पर गोल किए, और नूनो मेंडेस ने अपना एकमात्र प्रयास गंवा दिया, जबकि एबेरेची एजे और गेब्रियल ने फाइनल में आर्सेनल के लिए दो पेनल्टी गंवा दीं। मैच में काई हैवर्ट्ज ने गोल करके आर्सेनल को शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि, ओस्मान डेम्बेले ने पेनल्टी पर गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।इसके बाद दोनों टीमों में से कोई भी निर्णायक गोल नहीं कर सकी और निर्धारित समय के अंत तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा, जिसके बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

22 साल बाद अपना पहला इंग्लिश प्रीमियर लीग खिताब जीतने वाली आर्सेनल ने मैच की शुरुआत से ही खेल पर पकड़ बना ली और जल्दी ही बढ़त हासिल कर ली। लिएंड्रो ट्रॉसार्ड ने विपक्षी टीम की क्लीयरेंस पर दबाव बनाया, जिससे गेंद आर्सेनल के पास आ गई। इसके बाद काई हैवर्ट्ज ने शानदार मौके का फायदा उठाते हुए टाइट एंगल से गोलकीपर माटवेई सफोनोव को छकाते हुए शानदार गोल कर दिया।

'डब्ल्यूएफआई को बीसीसीआई से सीखना चाहिए', एशियन गेम्स के रेसलिंग ट्रायल्स में नजर आईं कई बड़ी खामियां

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में एशियन गेम्स के रेसलिंग ट्रायल्स का मकसद भारत की बेस्ट महिला रेसलर्स को नेशनल टीम में जगह बनाने के लिए मुकाबला करते हुए दिखाना था। इसके बजाय, इस इवेंट में प्रशासनिक, तकनीकी और अंपायरिंग में बड़ी खामियां नजर आईं, जिससे रेसलिंग समुदाय के कई लोगों ने कहा कि रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से सीखने की जरूरत है।

एथलीट और पुराने रेसलर बार-बार तकनीकी गड़बड़ियों, बार-बार रुकने और रेफरी के एक जैसे न होने से निराश थे, जिससे कई जरूरी मुकाबले खराब हुए। कई लोगों की आम राय साफ थी कि भारतीय रेसलिंग उसी लेवल के व्यावसायिकता की हकदार है जिसने भारतीय क्रिकेट को बदल दिया है।

एक पुराने रेसलर ने कहा, 'डब्ल्यूएफआई को बीसीसीआई से बहुत कुछ सीखना है। क्रिकेट प्रोफेशनल तरीके से चलता है। वे टेक्नोलॉजी में निवेश करते हैं, अधिकारियों को प्रशिक्षित करते हैं और पक्का करते हैं कि इवेंट्स आसानी से चलें। रेसलिंग में अक्सर ऐसा लगता है कि 'सब कुछ बस चल रहा है'।'

इसका सबसे मज़बूत उदाहरण 53 किलोग्राम कैटेगरी में विनेश फोगट और निशु के बीच हुए ट्रायल बाउट के दौरान देखने को मिला, जिसका बेसब्री से इंतजार था। यह मुकाबला शानदार होने की उम्मीद थी, लेकिन तकनीकी खामियों के चलते बार-बार मैच में रुकावट आई। बाउट आखिरकार तय समय से ज्यादा खिंच गया, जिसकी वजह से रेसलर्स, कोच और दर्शकों को इतंजार करना पड़ा, क्योंकि अधिकारी गड़बड़ियों को ठीक करने में जुटे हुए थे।

बार-बार रुकावटों ने न सिर्फ मुकाबले के फ्लो पर असर डाला, बल्कि सीजन के सबसे जरूरी सिलेक्शन इवेंट्स में से एक के लिए आयोजकों की तैयारियों पर भी सवाल उठाए। आलोचना सिर्फ टेक्नोलॉजी तक ही सीमित नहीं थी। कई बाउट्स में रेफरी के दखल और विवादित फैसलों की वजह से लंबी देरी हुई, और रेसलर्स और कोच अक्सर प्रतियोगिता के जरूरी फेज के दौरान स्पष्टीकरण मांगने के लिए छोड़ दिए गए।

पूर्व रेसलर्स का मानना ??है कि ऐसे नजारे खेल के प्रशासन के अंदर एक गहरी समस्या को दिखाते हैं। एक पुराने इंटरनेशनल रेसलर ने पूछा, 'हमारे पास ठीक से ट्रेंड रेफरी, काबिल तकनीकी स्टाफ और भरोसेमंद उपकरण क्यों नहीं हो सकते? किसी भी बड़े स्पोर्टिंग इवेंट के लिए ये बेसिक जरूरतें हैं।

गौर करने वाली बात यह है कि जहां भारतीय रेसलर इंटरनेशनल स्टेज पर वर्ल्ड-क्लास प्रदर्शन कर रहे हैं और मेडल जीत रहे हैं, वहीं कई लोगों का मानना ??है कि उन्हें सपोर्ट करने वाला सिस्टम अभी भी वर्ल्ड-क्लास से बहुत दूर है। रेसलर लड़ाई के लिए तैयार होकर आए थे। कई लोगों को लगा कि आयोजक तैयार नहीं थे। ट्रायल्स के आखिर तक, सबसे बड़ी बहस इस बात पर नहीं थी कि एशियन गेम्स स्क्वॉड में किसने जगह बनाई, बल्कि इस बात पर थी कि एक बड़े रेसलिंग इवेंट को पहले ही क्यों अस्त-व्यस्त होने दिया गया।

'आप दोनों ने बड़ा कमाल किया है'; मन की बात में पीएम मोदी ने गुरिंदरवीर और अनिमेष को दी बधाई

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 134वें संस्करण में रांची में आयोजित हुए फेडरेशन कप 2026 में 100 मीटर फ्रीस्टाइल रेस में नेशनल रिकॉर्ड बनाने वाले गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर की जमकर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने भारत के दोनों एथलीटों से फोन पर बात भी की और उनकी संघर्ष की कहानी भी सुनी।

पीएम मोदी ने गुरिंदरवीर-अनिमेष को दो दिन के भीतर तीन बार नेशनल रिकॉर्ड तोड़ने पर बधाई दी। उन्होंने कहा, 'आप दोनों ने बहुत बड़ा कमाल किया है और सिर्फ दो दिनों के भीतर तीन बार नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा है। आपकी जोड़ी ने कमाल किया है। हमने संगीत में तो जुगलबंदी देखी थी, लेकिन चुनौती में जुगलबंदी होती है कि एक बार एक चुनौती दे फिर दूसरा उस चुनौती को उठा ले। फिर तीसरी बार कर ले।'

प्रधानमंत्री ने दोनों एथलीटों से फोन पर बात करते हुए उनके संघर्ष की कहानी भी जानी। अनिमेष ने बताया कि उन्होंने एथलीट की दुनिया में कदम साल 2021 में रखा और वह इससे पहले फुटबॉल खेला करते थे। इसके बाद वह नेशनल लेवल के ट्रायल के लिए गए और उन्हें सिलेक्ट कर लिया गया। वहीं, गुरिंदरवीर ने बताया कि वह अपने पिता का सपना पूरा करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि एथलेटिक्स में आने की प्रेरणा उन्हें उनके पिता से मिली।

हालांकि, उन्होंने बताया कि 100 मीटर रेस को चुनने पर लोगों ने कई तरह के सवाल उठाए थे, लेकिन गुरिंदरवीर के पिता ने उन्हें पूरा सपोर्ट किया। उन्होंने कहा कि लोगों का कहना था कि भारत के एथलीटों का शरीर 100 मीटर रेस के लिए नहीं बना है, पर उनके पिता ने उन पर हमेशा भरोसा जताया, जिसकी वजह से वह नया नेशनल रिकॉर्ड कायम कर सके।

अनिमेष ने बताया कि जब उन्होंने एथलेटिक्स में करियर बनाने का फैसला किया, तो उनके इस निर्णय पर लोगों ने कई तरह के सवाल उठाए।

केरलम के एक स्विमिंग क्लब में दिव्यांग बच्चों समेत 15,000 लोगों को सिखाई जा चुकी है तैराकी : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने केरलम के एक खास स्विमिंग क्लब की चर्चा की, जहां दिव्यांग बच्चों को स्विमिंग सिखाई जाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा, 'गर्मी के इन दिनों में, ऐसे तो स्कूलों की छुट्टियां होती हैं, लेकिन, मैं एक ऐसी क्लास की बात करूंगा, जिसमें आपका एडमिशन करने का मन कर जाएगा। साथियों, एक स्थिति की कल्पना कीजिए, एक ऐसा स्कूल जहां बच्चे भी आते हों, युवा भी और बुजुर्ग भी, जहां कोई फीस ना हो, कोई बड़ी बिल्डिंग ना हो, कोई क्लासरूम भी ना हो और सबसे रोचक बात, वहां क्लास नदी में लगती हो।'

उन्होंने आगे बताया, 'ये कोई कहानी नहीं है। ये एक सच्चा प्रयास है। केरलम के आलुवा में, साजी वलाशेरिल जी ऐसा ही एक स्विमिंग क्लब चला रहे हैं। अब तक 15 हजार से ज्यादा लोग यहां तैरना सीख चुके हैं। साजी जी ने दिव्यांग बच्चों को भी स्विमिंग सिखाई है।'

उन्होंने स्विमिंग संचालक के इस प्रयास के पीछे की कहानी के बारे में बताते हुए एक हादसे का जिक्र किया और कहा, 'इस प्रयास के पीछे, एक पीड़ा भी छिपी है। कुछ वर्ष पहले, एक नौका हादसे में कई छात्रों की मृत्यु हो गई थी। उस घटना ने साजी जी को भीतर तक झकझोर दिया। उन्होंने सोचा, अगर बच्चों को तैरना आता होता, तो शायद कई जानें बच जातीं- बस यहीं से शुरू हुआ उनका ये अभियान।'

अंत में पीएम मोदी ने अपील की, 'साथियों, भारत के हर गांव में, हर शहर में, कुछ-न-कुछ ऐसा हो रहा है जो हमें प्रेरणा देता है। कई बार, इन प्रयासों की ज्यादा चर्चा नहीं होती, लेकिन जब हम इन्हें जानते हैं, तो ये विश्वास और मजबूत होता है कि देश, अपने लोगों की शक्ति से आगे बढ़ रहा है। मेरा आपसे आग्रह है, अपने आसपास ऐसे प्रयासों को जरूर देखिए। जो लोग समाज के लिए अच्छा काम कर रहे हैं, उन्हें पहचानिए, उनकी सराहना कीजिए, उनसे सीखिए, और हो सके तो खुद भी किसी अच्छे काम से जुड़िए।

नॉर्वे चेस 2026 : गुकेश ने प्रज्ञानंदा को हराया, शीर्ष पर दिव्या देशमुख

ओस्लो । नॉर्वे चेस 2026 के पांचवें राउंड में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने ऑल-इंडियन मुकाबले में प्रज्ञानंदा रमेशबाबू को हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की, जबकि महिला वर्ग में दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अकेले शीर्ष स्थान हासिल किया।

गुकेश और प्रज्ञानंदा के बीच मुकाबला लंबे समय तक बेहद कड़ा रहा। प्रज्ञानंदा ने खेल के अधिकांश हिस्से में बढ़त बनाए रखी और जीत की ओर बढ़ते नजर आ रहे थे। हालांकि, खेल के अंतिम चरण में समय का दबाव बढ़ने के साथ उनकी स्थिति कमजोर पड़ गई। गुकेश ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया और बाजी पलटते हुए शानदार जीत हासिल कर ली।

एक अन्य बड़े मुकाबले में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर सभी को चौंका दिया। यह मुकाबला लंबी रणनीतिक लड़ाई में बदल गया था, लेकिन एंडगेम में वेस्ली सो ने बेहतर खेल दिखाते हुए जीत अपने नाम कर ली।

टूर्नामेंट में बढ़त बनाए हुए अलीरेजा फिरोजा और विंसेंट कीमर के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद खेले गए आर्मागेडन मुकाबले में फिरोजा ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

अंडर-18 विमेंस एशिया कपः भारत ने कोरिया को 3-1 से हराया

काकामिगाहारा। अंडर-18 विमेंस एशियन कप में भारतीय टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। मलेशिया को पहले मैच में हराने के बाद भारत ने पूल ए के अपने दूसरे मैच में कोरिया के खिलाफ 3-1 से शानदार जीत दर्ज की।

भारत के लिए इस मुकाबले में नौशीन नाज, श्रुति कुमारी, और किरण एक्का ने गोल दागा। मैच की शुरुआत ही भारतीय टीम के लिए शानदार रही। शुरुआती क्वार्टर में टीम को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसका पूरा फायदा नौशीन ने उठाया और मैच के चौथे ही मिनट में गोल करते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी।

भारतीय टीम ने गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा और दूसरे क्वार्टर में अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। 21वें मिनट में श्रुति ने शानदार गोल किया, जिससे भारत को हाफ-टाइम ब्रेक तक 2-0 की आरामदायक बढ़त मिल गई। ब्रेक के बाद कोरिया ने वापसी की कोशिश की और तीसरे क्वार्टर में स्कोर 2-1 कर दिया, जब ग्योंगमिन रयू ने 41वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया।

हालांकि, भारत ने जल्द ही दो गोल की बढ़त वापस पा ली। प्लेयर ऑफ द मैच रहीं किरण एक्का ने 43वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में तब्दील किया, जिससे भारत की बढ़त 3-1 हो गई और मुकाबला पूरी तरह से उनके कंट्रोल में आ गया। भारतीय टीम आखिरी क्वार्टर में भी अनुशासन में रही, और कोरिया को कोई और गोल करने का मौका नहीं दिया।

भारतीय टीम ने मैच के दौरान चार पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया, जबकि कोरिया ने दो पेनल्टी कॉर्नर जीते।

मलेशिया और कोरिया के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीतने के बाद भारत अब छह पॉइंट्स के साथ पूल ए स्टैंडिंग में पहले स्थान पर आ गया है। टीम ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में 2 जून को सिंगापुर से भिड़ेगी, जहां भारतीय टीम की कोशिश अपने विजयी अभियान को लगातार तीसरे मैच में बरकरार रखने की होगी।

ब्रिटिश ओपन स्क्वैशः अभय, चोटरानी ने बनाई अगले राउंड में जगह, अनाहत हुईं बाहर

बर्मिंघम । भारत के अभय सिंह और वीर चोटरानी ब्रिटिश ओपन स्क्वैश के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं, रमित टंडन और उभरती हुई महिला खिलाड़ी अनाहत सिंह पीएसए डायमंड इवेंट से बाहर हो गई हैं।

विश्व के 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने कोलंबिया के मटियास नुडसेन को 11-8, 11-5, 11-4 से हराया, जबकि वर्ल्ड नंबर 44 चोटरानी ने पाकिस्तान के विश्व के 29वें नंबर के खिलाड़ी नूर जमान को 11-8, 12-14, 11-6, 11-7 से हराया। चोटरानी का मुकाबला पांचवीं वरीयता प्राप्त वाले वेल्श खिलाड़ी जोएल माकिन से होगा, जबकि अभय का अगला मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त वाले मिस्र के मोहम्मद जकारिया से होगा। टंडन फ्रेंचमैन ऑगस्टे डूसॉर्ड के खिलाफ रिटायर हो गए, उस समय स्कोरबोर्ड 14-12 और 4-7 था।

दूसरी तरफ, साइमन हर्बर्ट ने 2018 के चैंपियन मिगुएल रोड्रिगेज पर 3-0 (15-13, 11-8, 11-4) से शानदार जीत हासिल की। ??इस बीच, सैम टॉड ने फारेस डेसौकी के खिलाफ 54 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 3-1 से जीत हासिल करके अंतिम 32 में जगह बनाई। महिलाओं के ड्रॉ में, अनाहत दुनिया की 36वीं नंबर की खिलाड़ी नार्डिन गैरास से हार गईं, जिन्होंने भारत की नंबर 1 खिलाड़ी को चार गेम में हराकर 11-8, 8-11, 11-8, 11-9 से जीत हासिल करके एक और उलटफेर किया।

मैच के शुरुआती दौर में, गैरास अनाहत के खिलाफ पूरी तरह से हावी नजर आईं, और 22 साल की गैरास ने पहला गेम 11-8 से जीत लिया। हालांकि, वह दूसरा सेट 8-11 से हार गईं, लेकिन वह बेफिक्र रहीं और अगले दो गेम 11-8, 11-9 से जीतकर वापसी करने में कामयाब रहीं। इस जीत के बाद मिस्र की यह खिलाड़ी बर्मिंघम के ग्लास कोर्ट पर नंबर 8 सीड खिलाड़ी टिने गिलिस से भिड़ेगी।

अपनी जीत के बाद, गैरास ने कहा, 'मैं आज जिस तरह से खेली, उससे बहुत खुश हूं। मैंने अपना सब कुछ दिया और मुझे लगा कि यह इस सीजन का आखिरी टूर्नामेंट है और मैं अपना सब कुछ देना चाहती थी। मैं उत्साहित हूं कि मेरा अगला मैच ग्लास कोर्ट पर है। देखते हैं यह कैसा रहता है और मैं खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं।'

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित

समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415